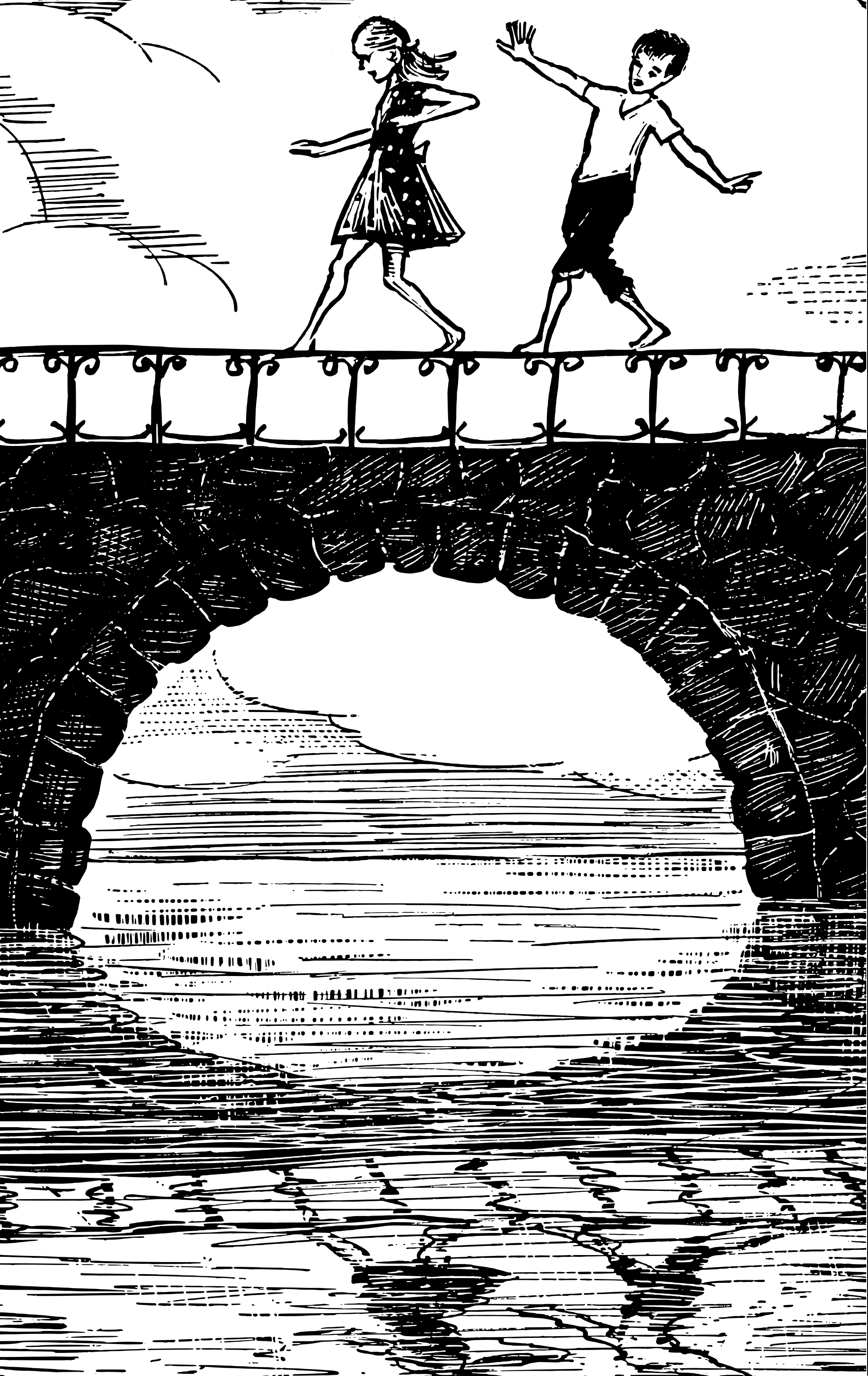
बिल बर्गसन

ख़तरों का खिलाड़ी



एस्ट्रिड लिंडग्रेन





बिल बर्गसन
ख़तरों का खिलाड़ी

एस्ट्रिड लिंड्ग्रेन

चित्र: डॉन फ़्रीमैन

हिन्दी अनुवाद: नीला त्रिवेदी



स्वीडिश से अंग्रेज़ी अनुवादः हबर्ट एंटवान

हिन्दी अनुवादः नीला त्रिवेदी

चित्रः डॉन फ्रीमैन

अक्षरयोजनः दमित्र

विषय सूची

बिल बर्गसन — ख़तरों का खिलाड़ी

एस्ट्रिड लिंडग्रेन

अध्याय एक



“अरे! तुम्हें क्या हो गया है?” एंडर्स ने कहा। “क्या तुम पागल हो गए हो? फिर से ज़मीन पर लेटे हुए सपने देख रहे हो!”

जिसे “पागल” कहा गया था, वह लड़का जल्दी से उठ खड़ा हुआ और अपने हल्के सुनहरे बालों की लट के नीचे से बाड़ के पास खड़े दो लोगों को चिढ़कर घूरने लगा।

“मेरे प्रिय बिल,” ईवा-लॉट्टा ने कहा, “अगर तुम इसी तरह नाशपाती के पेड़ के नीचे पड़े रहकर हर दिन बस आसमान को घूरते रहोगे, तो तुम्हें बिस्तर के घाव हो जाएँगे।”

“कौन हर दिन लेटा रहता है और घूरता रहता है?” बिल ने गुस्से में पूछा।

"अरे ईवा-लॉट्टा, इतनी बढ़ा-चढ़ाकर मत बोलो," एंडर्स ने कहा। "क्या तुम्हें जून की शुरुआत का वह रविवार याद नहीं है – एक दिन जब बिल नाशपाती के पेड़ के नीचे नहीं लेटा था, बस एक बार? और उस दिन उसने कोई जासूसी भी नहीं की थी। चोर और हत्यारे जितना चाहें घूम-फिर सकते थे।"

"हाँ, अब याद आया," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "जून की शुरुआत में तो हत्यारों की सचमुच मौज थी।"

"जाओ, जाकर झील में कूद जाओ," बिल ने कहा।

"ठीक है, हम ऐसा कर सकते हैं," एंडर्स ने माना। "लेकिन हम चाहते थे कि तुम भी हमारे साथ चलो। अगर तुम्हें लगता है कि हत्यारे एक-दो घंटे तुम्हारी निगरानी के बिना भी काम चला सकते हैं।"

"ओह, लेकिन वे ऐसा मुश्किल से कर पाएँगे," ईवा-लॉट्टा ने बेरहमी से कहा। "उन्हें तो बच्चों की तरह निगरानी में रखना पड़ता है।"

बिल ने गहरी साँस ली। यह बिल्कुल निराशाजनक था।

क्या वह बिल बर्गसन, महान जासूस, नहीं था? क्या उसे अपने पेशे के लिए थोड़ा-सा सम्मान नहीं मिलना चाहिए था?

लेकिन अफसोस, उसे ऐसा सम्मान बिल्कुल नहीं मिलता था – कम से कम एंडर्स और ईवा-लॉट्टा से तो नहीं।

और फिर भी, पिछले गर्मियों में उसने अकेले ही तीन हीरे के चोरों को पकड़ लिया था। ठीक है, एंडर्स और ईवा-लॉट्टा ने थोड़ी मदद की थी, लेकिन असली काम तो बिल ने ही किया था – अपने तेज दिमाग और गहरी नज़र से उसने उन बदमाशों का पता लगाया था। उस समय एंडर्स और ईवा-लॉट्टा समझ गए थे कि वह सचमुच एक जासूस है जो अपना काम जानता है। लेकिन अब वे उसे ऐसे चिढ़ा रहे थे जैसे ऐसा कभी हुआ ही न हो। "पिछली गर्मियों में तुम इतने अकड़ू नहीं थे," बिल ने कहा और घास पर तिरस्कार से थूक दिया।

"जब हमने हीरे के चोरों को पकड़ा था – तब तुममें से किसी को भी महान जासूस

बिल बर्गसन में कोई कमी नहीं दिखती थी।"

"अब भी कोई तुम्हारी शिकायत नहीं कर रहा," एंडर्स ने जवाब दिया।

"लेकिन तुम्हें समझना होगा कि कुछ चीजें केवल एक बार होती हैं और फिर दोबारा नहीं होतीं।"

"यह शहर चौदहवीं सदी से मौजूद है," उसने कहा, "और मेरी जानकारी में यहाँ उन हीरे के चोरों के अलावा कोई अपराधी कभी नहीं आया। और वह भी एक साल पहले की बात है।" "फिर भी तुम नाशपाती के पेड़ के नीचे पड़े रहते हो और अपराधों की गुत्थियाँ सुलझाते रहते हो। जागो, बिली! सच मानो, यहाँ बहुत लंबे समय तक कोई बदमाश मिलने वाला नहीं है।" "हर चीज़ का एक समय होता है," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "अपराधियों का पीछा करने का भी समय होता है, और रेड रोज़ वालों के मीटबॉल बनाने का भी।"

"मीटबॉल! यही सही शब्द है!" एंडर्स उत्साह से चिल्लाया।

"रेड रोज़ ने फिर से युद्ध की घोषणा कर दी है। बेन्का अभी उनका युद्ध-घोषणापत्र लेकर आया है। खुद पढ़ लो!"

उसने जेब से एक बड़ा पोस्टर निकाला और बिल को दे दिया।

उस पर लिखा था: युद्ध! युद्ध!

उन मूर्ख अपराधियों के सरदार के नाम, जो खुद को व्हाइट रोज़ कहते हैं। यह घोषित किया जाता है कि पूरे स्वीडन में कोई किसान ऐसा नहीं है जिसकी सूअर भी व्हाइट रोज़ के सरदार से आधी भी मूर्ख न हो।

कल जब ये दुष्ट लोग शहर के चौक में रेड रोज़ के महान नेता से मिले, तो उन्होंने रास्ता नहीं छोड़ा और उससे टकरा गए। इस अपमान का बदला केवल खून से लिया जा सकता है। इसलिए रेड रोज़ और व्हाइट रोज़ के बीच युद्ध होगा। हजारों आत्माएँ लड़ते-लड़ते मौत की घाटी में उतर जाएँगी। सिक्स्टेन, रेड रोज़ का महान नेता है।

"तो अब हम उन्हें सबक सिखाएँगे," एंडर्स ने कहा।

"क्या तुम चल रहे हो?" बिल मुस्कराया।वार ऑफ द रोज़ेस, जो कई सालों से

बीच-बीच में चलती रहती थी, ऐसी चीज़ थी जिसे कोई भी स्वेच्छा से छोड़ना नहीं चाहता था।

यह रोमांच देती थी और गर्मियों की छुट्टियों को एक असली उद्देश्य देती थी।क्योंकि सच तो यह था कि – साइकिल चलाना, तैरना, स्ट्रॉबेरी के पौधों को पानी देना, पिता की किराने की दुकान में काम करना, नदी किनारे बैठकर मछली पकड़ना, ईवा-लॉट्टा के बगीचे में घूमना, और गेंद खेलना – इन सब से पूरी गर्मियों की छुट्टियाँ नहीं भर सकती थीं। लेकिन वार ऑफ द रोज़ेस जरूर भर सकती थी।

"क्या मैं चल रहा हूँ?" बिल ने कहा। "क्या यह भी पूछने की बात है?"

हालाँकि हाल के दिनों में अपराधियों की कमी थी, फिर भी महान जासूस बिल बर्गसन थोड़ी देर के लिए जासूसी छोड़कर रोज़ेस के युद्ध में शामिल होने को तैयार था।

वह यह जानने के लिए बहुत उत्सुक था कि इस बार रेड रोज़ वालों ने क्या योजना बनाई है। "मैं थोड़ी प्राथमिक पड़ताल कर के आता हूँ," एंडर्स बोला।

"हाँ, जाओ," ईवा बोली, "हम आधे घंटे में शुरू कर सकते हैं। मुझे पहले चाकू की धार तेज करनी होगी।"

यह जितना प्रभावशाली लग रहा था उतना ही ख़तरनाक भी था।

ईवा-लॉट्टा एक योद्धा थी जिस पर भरोसा किया जा सकता था। उसे जो चाकू तेज़ करने थे वे लिसेंडर, बेकर के ब्रेड काटने वाले चाकू थे। जून की तपती धूप में यह बड़ी मेहनत का काम था। लेकिन अगर ये सोच के काम किया जाये कि वॉर ऑफ़ द रोज़स के लिये हथियार तैयार करने है तो काम बहुत आसान हो जाता है।

"हज़ारों, हज़ारों की आत्मायें लड़ते लड़ते मौत की घाटी में चली जायेंगी।" ईवा-लॉट्टा अपने आप से बोली। उसने सान को इतनी ज़ोर से घुमाया कि उस के माथे से पसीना बहने लगा। उस के बालों की घुंघराली लटें उसकी कनपट्टी पर चिपक गई ।

"क्या कहा तुमने?" बेकर लिसेंडर ने पूछा।

"कुछ नहीं, कुछ नहीं," ईवा बोली।

"तो शायद मेरे ही कान बज रहे होंगे," बेकार ने कहा।

जब चाकू तेज़ हो गये तो लिसेंडर ने उन्हें अंगूठे से जाँचे और फिर कहा," अब तुम जा सकती हो।"

ईवा-लॉट्टा को दोबारा कहने की ज़रूरत नहीं पड़ी।

ईवा लॉट्टा तेज़ी से बाड़ के पार चली गई। ये बाड़ बिल और ईवा-लॉट्टा के बाग को अलग करती थी। उस में एक तख़्ती काफ़ी समय से ग़ायब थी।

शायद तब तक ग़ायब रहेगी जब तक बिल और ईवा संभल सके। उन्हें उस छोटे रास्ते की ज़रूरत थी।

गर्मियों की एक शाम को ग्रोसर बर्गसन और बेकर लिसेंडर एक साथ बेकर के बाग में बैठे थे। बर्गसन बोला, "देख पड़ोसी, इस बाड़े की मरम्मत करनी पड़ेगी। बहुत ख़राब लग रही है।" "थोड़ा रुक जाओ, बच्चों को थोड़ा बड़ा हो जाने दो। जब उन्हें इसे फाँद के जाने की ज़रूरत नहीं होगी तब करा लेना।" लिसेंडर ने सुझाव दिया।

बिल फिर से नाशपाती के पेड़ के नीचे बैठ गया और अपने काल्पनिक श्रोता से बात करने लगा।

"मिस्टर बेन्टसन और मिस लिसेंडर हमारे शहर में फैल रही अव्यवस्था के सामने बड़ी लापरवाही दिखा रहे हैं," उसने गंभीरता से कहा।

"जरा-सी शांति मिलते ही वे अपनी सावधानी छोड़ देते हैं।"

"वे यह नहीं समझते कि यही शांति सबसे बड़ा धोखा होती है।"

"यह शांत छोटा शहर, यह चमकता हुआ गर्मियों का सूरज – यह सब किसी भी क्षण बदल सकता है।"

"किसी भी समय अपराध अपनी बदसूरत छाया हम सब पर डाल सकता है।"

तभी एक सीटी की आवाज़ सुनाई दी। वाइट रोज़स का लीडर तफ़तीश कर के वापस आ गया था।

"वे अपने मुख्यालय में हैं," वह चिल्लाया, "युद्ध के लिये आगे बढ़ों, तुम्हारी जीत हो! उसे वह प्रशंसा मिली जिसकी वह इतनी अच्छी तरह से पात्रता रखता था –

लेकिन जो उसे दूसरों से शायद ही कभी मिली थी, खासकर एंडर्स और ईवा-लोट्टा से तो बिल्कुल नहीं। अभी-अभी वह मास्टर के पैरों के पास बैठ गया था और उसके हर शब्द को मंत्रमु होकर सुन रहा था।

"मिस्टर बेंग्टसन और मिस लिसेंडर हमारे समाज में फैल रही कानूनहीनता के सामने एक खेदजनक बेपरवाही दिखाते हैं," मिस्टर बर्गसन ने अपने काल्पनिक श्रोता को गंभीरता से आश्वस्त करते हुए कहा, और उसकी आँखों में गहराई से देखा। "थोड़ी-सी शांति का अंतराल ही उन्हें अपनी सारी सतर्कता छोड़ने के लिए काफी होता है। वे यह नहीं समझते कि यही शांति सबसे ज्यादा धोखा देने वाली होती है।"

"यह शांति विश्वासघाती है," मास्टर जासूस ने जोर देकर आगे कहा। "यह मनमोहक छोटा-सा शांत शहर, यह चमकती हुई गर्मियों की धूप, यह शांत रमणीय वातावरण था! किसी भी क्षण यह सब बदल सकता है। कभी भी, अपराध हम सब पर अपनी बदसूरत छाया डाल सकता है।"

काल्पनिक श्रोता ने घबराकर गहरी सांस ली। "मिस्टर बर्गसन, आप मुझे डरा रहे हैं," उसने कहा, और संकोच भरी निगाहों से इधर-उधर देखने लगा कि कहीं अपराध पहले से ही कोने में छिपा तो नहीं है।

"लेकिन यह सब मुझ पर छोड़ दीजिए," मास्टर जासूस ने उसे आश्वस्त किया। "चिंता मत कीजिए! मैं चौकन्ना हूँ।"

यह सुनकर काल्पनिक श्रोता इतना भावुक और कृतज्ञ हो गया कि वह मुश्किल से जवाब दे सका। और तो और, उसके हकलाते हुए धन्यवाद के शब्दों को गेट के बाहर एंडर्स की युद्ध-घोष ने बीच में ही रोक दिया: "आगे बढ़ो, लड़ाई और विजय के लिए!" मास्टर जासूस बर्गसन झट से अपने पैरों पर खड़ा हो गया, मानो... मानो किसी ततैया ने उसे डंक मार दिया हो। नाशपाती के पेड़ के नीचे एक बार फिर पाया जाना बिल्कुल भी ठीक नहीं होता।

"अलविदा," उसने अपने काल्पनिक श्रोताओं से कहा, और वह इस भावना से बच नहीं सका कि यह विदाई काफ़ी लंबे समय के लिए है। "वॉर ऑफ़ द रोज़ेस" उसे

हरी घास पर बैठकर आपराधिक सिद्धांतों पर बहस करने के लिए ज़्यादा समय नहीं छोड़ने वाला था। और यह ठीक ही था। सच कहें तो – इस शहर में किसी अपराधी को ढूंढना सचमुच एक मुश्किल काम था! पिछली घटना को पूरा एक साल बीत चुका था, ज़रा सोचिए! वह तो निश्चित ही खुश था कि "वॉर ऑफ़ द रोज़ेस" शुरू हो गया था!

लेकिन उसका काल्पनिक श्रोता काफ़ी देर तक चिंतित नज़रों से उसका पीछा करता रहा। "अलविदा," मास्टर जासूस ने एक बार फिर कहा। "मुझे कुछ समय के लिए सैन्य सेवा में बुला लिया गया है। लेकिन घबराइए मत! मुझे नहीं लगता कि अभी तुरंत कुछ गंभीर होने वाला है।"

"नहीं लगता? नहीं लगता!" वहाँ मास्टर जासूस भागता हुआ जा रहा था – वही, जिसे समुदाय की सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए था। वह सीटी बजाते हुए खुशी-खुशी दौड़ रहा था, उसके नंगे भूरे पैर बगीचे की पगडंडी पर पड़ते हुए थप-थप की आवाज़ कर रहे थे, जब वह एंडर्स और ईवा-लॉट्टा से मिलने के लिए आगे बढ़ा।

"नहीं लगता! इस बार तुमने गलत अंदाज़ा लगाया, मिस्टर मास्टर जासूस!"

अध्याय दो

"इस शहर में केवल एक सड़क और एक गली है," बेकर लिसांदर अक्सर शहर में घूमने आने वाले लोगों से कहा करते थे। और बेकर बिल्कुल सही कहते थे। मेन स्ट्रीट और लिटल स्ट्रीट – बस यही दो सड़कें थीं। और फिर था बड़ा चौक।

बाकी सब जगह केवल छोटी-छोटी, पत्थरों से बनी, ढलान वाली गलियाँ थीं। कुछ गलियाँ नाले की ओर नीचे जाती थीं। और कुछ अचानक किसी जर्जर झोंपड़ी के सामने जाकर खत्म हो जाती थीं, जो केवल अपनी पुरानी उम्र के अधिकार से वहीं खड़ी रहती थी, और आधुनिक नगर-योजना की सारी कोशिशों का रास्ता रोक देती थी।

शहर के बाहरी हिस्सों में कभी-कभी एक-दो नए बने छोटे मकान मिल जाते थे, जिनके साथ अच्छी तरह बनाए गए बगीचे होते थे। लेकिन ये केवल अपवाद थे। अधिकतर बगीचे बेकर के बगीचे की तरह ही थे – कुछ जंगली और बढ़े हुए।

उनमें पुराने, टेढ़े-मेढ़े सेब और नाशपाती के पेड़ थे। और घास के मैदान थे जिन्हें शायद ही कभी काटा जाता था। अधिकतर घर भी बेकर के घर जैसे ही थे – बड़े लकड़ी के बने मकान। पुराने ज़माने के वास्तुकारों ने, जब वे शहर को सुंदर बनाने के उत्साह में थे, इन घरों को अजीब-अजीब सजावटों, मीनारों और बुर्जों से सजा दिया था।

इस शहर को सचमुच सुंदर शहर कहना शायद मुश्किल था। लेकिन उसमें एक पुरानी-सी शांति और आकर्षण जरूर था। और शायद उसमें एक तरह की सुंदरता भी थी – कम से कम ऐसे गर्मी के दिन में, जब हर बगीचे में गुलाब, पियोनी और

दूसरे फूल खिले होते थे। और लिटल स्ट्रीट के लिंडेन पेड़ों की चोटियाँ धीरे-धीरे बहने वाली खड़ी के पानी में झलकती थीं। लेकिन बिल, एंडर्स और ईवा-लॉट्टा – जो नाले के किनारे-किनारे रेड रोज़ के मुख्यालय की ओर जा रहे थे – उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता था कि उनका शहर सुंदर है या नहीं। उनके लिए तो बस इतना ही काफी था कि यह शहर वार ऑफ द रोज़ेस के लिए एक शानदार युद्धभूमि बन सकता था। यहाँ छिपने के लिए कोने-खांचे थे। कूदने के लिए बाड़ें थीं। घुमावदार छोटी गलियाँ थीं। जहाँ पीछा करने वालों से आसानी से बचा जा सकता था। छतों पर चढ़ा जा सकता था। पिछवाड़ों में लकड़ी के शेड और छोटी-छोटी झोपड़ियाँ थीं।जहाँ लोग खुद को घेराबंदी करके बचा सकते थे। अगर किसी शहर में ये सारी सुविधाएँ हों, तो उसे सुंदर होने की जरूरत नहीं होती। बस इतना काफी था कि सूरज चमक रहा हो। और नंगे पैरों के नीचे पत्थर इतने गर्म और सुखद लग रहे हों कि पूरे शरीर में गर्मियों का एहसास हो। खाड़ी से आने वाली हल्की गर्म हवा, जो कभी-कभी किसी पास के बगीचे से आती गुलाब की खुशबू के साथ मिल जाती थी, भी बहुत सुखद लगती थी। और कोने में लगा आइसक्रीम का ठेला।

बिल, एंडर्स और ईवा-लॉट्टा की नजर में शहर की सजावट के लिए बिल्कुल पर्याप्त था। उन्हें इससे ज्यादा सुंदरता की जरूरत नहीं थी। उन्होंने दस-दस पैसे की एक-एक आइसक्रीम कोन खरीदी। फिर वे शहर के अंदर आगे बढ़ते गए। थोड़ी दूर पर, जहाँ पुल खाड़ी के ऊपर से गुजरता था, कॉन्स्टेबल बर्क अपनी गश्त लगाते हुए आते दिखाई दिए।उनकी वर्दी के बटन धूप में चमक रहे थे।

“हाय, मिस्टर बर्क!” ईवा-लॉट्टा ने आवाज लगाई।

“हाय!” पुलिसवाले ने जवाब दिया।

“नमस्ते, मिस्टर मास्टर डिटेक्टिव,” उन्होंने कहा और बिल के कंधे पर दोस्ताना हाथ रखा। “आज कोई नया मामला नहीं मिला?”

बिल को यह बात बुरी लगी। आख़िर पिछले साल उसके अपराध-खोज के कारण

ही मिस्टर बर्क को सफलता मिली थी। इसलिए उन्हें उसका मजाक नहीं उड़ाना चाहिए था।

"नहीं, आज कोई नया मामला नहीं है," बिल की जगह एंडर्स ने जवाब दिया।

"सभी चोरों और हत्यारों को आदेश दिया गया है कि वे कल तक अपना काम बंद रखें। क्योंकि आज बिल के पास उनके लिए समय नहीं है।"

"हाँ, आज तो हम रेड रोज़ के कान काटने जा रहे हैं," ईवा–लॉट्टा ने कहा और खुशी से कॉन्स्टेबल बर्क की ओर मुस्कराई। उसे कॉन्स्टेबल बर्क बहुत पसंद थे।

"ईवा–लॉट्टा, कभी–कभी मुझे लगता है कि तुम्हें थोड़ी और स्त्री–सुलभ शालीनता विकसित करनी चाहिए,"

कॉन्स्टेबल ने कहा। उन्होंने चिंता भरी नजर से उस दुबली–पतली, धूप में तपी हुई लड़की की ओर देखा, जो फुटपाथ के किनारे खड़ी अपने पैरों की उँगलियों से एक खाली सिगरेट का डिब्बा उठाने की कोशिश कर रही थी।

वह सफल हो गई। और उसने जोरदार लात मारकर उस डिब्बे को नाले में फेंक दिया।

"स्त्री–सुलभ?" ईवा–लॉट्टा ने कहा।

"अरे हाँ – सोमवार को!"

और वह अपने पूरे आकर्षक चेहरे पर मीठी मुस्कान फैलाकर बोली।

"अलविदा, मिस्टर बर्क। अब हमें जल्दी जाना होगा।"

कॉन्स्टेबल बर्क ने सिर हिलाया और आगे बढ़ गए।

खाड़ी के ऊपर बना पुल हर बार पार करते समयएक बड़ा प्रलोभन पैदा करता था। बेशक, उसे सामान्य तरीके से पार किया जा सकता था। लेकिन उसके दोनों ओर बहुत संकरे किनारे बने हुए थे।

अगर कोई उन किनारों पर संतुलन बनाकर चलता हुआ पुल पार करे, तो पेट में हल्की–सी रोमांचक घबराहट महसूस होती थी। क्योंकि ऐसा भी हो सकता था कि कोई खाड़ी में गिर जाए। हालाँकि अभी तक ऐसा कभी नहीं हुआ था, लेकिन संभावना

हमेशा बनी रहती थी। और भले ही रेड रोज़ के कान काटना बहुत जरूरी काम था, फिर भी बिल, एंडर्स और ईवा–लॉट्टा ने सोचा कि थोड़ी देर संतुलन का खेल खेलने का समय जरूर है। यह काम सख्त मना था, लेकिन कॉन्स्टेबल बर्क जा चुके थे और आसपास कोई दिखाई नहीं दे रहा था।

खैर – लगभग कोई नहीं। जैसे ही वे पुल के किनारे पर चढ़े और पेट में वह रोमांचक एहसास शुरू हुआ, उसी समय दूसरी ओर से बूढ़ा ग्रीन धीरे–धीरे चलता हुआ आता दिखाई दिया। लेकिन बूढ़े ग्रीन की किसी को परवाह नहीं थी। वह उनके सामने रुक गया, अपनी आदत के अनुसार गहरी साँस ली, और अपनी सामान्य अनमनी आवाज़ में बोला – “अहा! बचपन के खुशहाल खेल। निर्दोष बचपन के खेल। हाय रे!”

वह हमेशा इसी तरह की बातें करता था। कभी–कभी बच्चे उसकी नकल भी उतारते थे। बेशक, उसके सामने नहीं। लेकिन जब बिल ने गलती से फुटबॉल मारकर अपने पिता की दुकान की खिड़की तोड़ दी थी, या जब एंडर्स साइकिल से गिरकर बिच्छू–बूटी के ढेर में मुँह के बल जा गिरा था, तब ऐसा हो सकता था कि ईवा–लॉट्टा आह भरकर कहे – “अहा! बचपन के आनंदमय खेल! हाय रे!”

वे सुरक्षित पुल के दूसरे किनारे तक पहुँच गए। इस बार भी कोई खाड़ी में नहीं गिरा। एंडर्स ने चारों ओर देखा कि कहीं किसी ने उन्हें ऐसा करते हुए देख तो नहीं लिया। लेकिन लिटल स्ट्रीट अभी भी शांत और खाली पड़ी थी। बस दूर बूढ़ा ग्रीन धीरे–धीरे चलता जा रहा था। उसकी चाल पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी।

“मैंने किसी को भी ग्रीन जैसी अजीब चाल चलते नहीं देखा,” एंडर्स ने कहा।

“ग्रीन हर तरह से अजीब है,” बिल ने कहा। “शायद जब कोई आदमी हमेशा अकेला रहता है, तो वह ऐसा ही हो जाता है।”

“बेचारा आदमी,” ईवा–लॉट्टा ने कहा। “सोचो, वह अपनी उस भयानक झोंपड़ी में अकेला रहता है और उसके पास कोई नहीं है जो घर साफ करे, खाना बनाए या कोई और काम करे।”

“खैर, सफाई के बिना तो काम चल सकता है,” एंडर्स ने थोड़ी देर सोचकर कहा।

“और कुछ समय के लिए अकेले रहना मुझे भी बुरा नहीं लगेगा। कम से कम तब मैं शांति से अपने हवाई जहाज के मॉडल बना सकता।” एंडर्स जैसे लड़के के लिये ये विचार ग़लत नहीं था। वह एक छोटे से घर में बहुत सारे छोटे भाई बहनों के साथ रहता था।

“अरे तुम एक हफ़्ते में अजीब बन जाओगे,” बिल बोला।

“तुम पहले से भी ज़्यादा अजीब हो जाओगे – मेरा मतलब है, ग्रीन जितने अजीब।” “पापा को वह ग्रीन नाम का आदमी बिल्कुल पसंद नहीं है,” ईवा-लॉट्टा ने कहा। “वह कहते हैं कि ग्रीन एक सूदखोर है।”

न तो एंडर्स और न ही बिल जानते थे कि सूदखोर क्या होता है, लेकिन ईवा-लॉट्टा ने समझाया। “पापा कहते हैं कि सूदखोर वह आदमी होता है जो ज़रूरतमंद लोगों को पैसे उधार देता है।”

“लेकिन यह तो अच्छी बात है, वह ऐसा करता है,” एंडर्स ने विरोध किया। “नहीं, ऐसा नहीं है,” ईवा-लॉट्टा ने कहा। “देखो, बात कुछ इस तरह है। मान लो तुम्हें एक डाइम (सिक्का) चाहिए – तुम्हें किसी काम के लिए वह ज़रूर चाहिए।”

“आइसक्रीम कोन के लिए,” बिल ने सुझाव दिया।

“तुमने सही कहा,” एंडर्स ने कहा। “मुझे तो यकीन है कि मुझे अभी इसी वक्त एक चाहिए।”

“ठीक है, तो फिर तुम ग्रीन के पास जाते हो,” ईवा-लॉट्टा ने आगे कहा। “या किसी और सूदखोर के पास। और वह तुम्हें वह डाइम दे देता है।”

“क्या सच में?” एंडर्स ने कहा, इस संभावना पर खुशी से चौंकते हुए।

“हाँ, लेकिन तुम्हें वादा करना पड़ता है कि तुम उसे एक महीने में वापस करोगे,” ईवा-लॉट्टा ने कहा। “और सिर्फ इतना ही नहीं, बल्कि तुम्हें उसे दो डाइम वापस करने होंगे।”

“ऐसा तो नहीं होगा,” एंडर्स ने कहा। “मैं ऐसा क्यों करूँ?”

“मेरे प्यारे दोस्त!” ईवा-लॉट्टा ने जवाब दिया। “क्या तुमने स्कूल में कभी ब्याज

के बारे में नहीं सीखा? ग्रीन अपने पैसे पर ब्याज चाहता है, समझे?"

"हाँ, लेकिन उसे इतना ज़्यादा नहीं करना चाहिए," बिल ने कहा, जो नहीं चाहता था कि एंडर्स की आर्थिक हालत पूरी तरह बिगड़ जाए।

"सूदखोर तो यही करते हैं," ईवा-लॉट्टा ने आगे कहा।

"वे हमेशा हद से ज़्यादा करते हैं। वे बहुत ज़्यादा ब्याज लेते हैं। और कानून कहता है कि ऐसा नहीं करना चाहिए। इसी वजह से पापा को ग्रीन पसंद नहीं है।"

"लेकिन लोग इतने बेवकूफ़ क्यों होते हैं कि वे किसी सूदखोर से पैसे उधार लेते हैं?" बिल ने आश्चर्य से कहा। "क्या वे अपनी आइसक्रीम के लिए किसी और से पैसे नहीं ले सकते?"

"मूर्खता मत करो," ईवा-लोट्टा ने कहा। "शायद यह किसी आइसक्रीम के लिए एक डाइम की बात नहीं है, बल्कि हज़ारों डॉलर की बात है। शायद कुछ लोग ऐसे होते हैं जिन्हें इस वक्त तुरंत – बिल्कुल तुरंत – पाँच हज़ार डॉलर चाहिए होते हैं, और शायद कोई और उन्हें उधार देने को तैयार नहीं होता। ऐसे में ग्रीन जैसा कोई कठोर सूदखोर ही उन्हें पैसे देता है।"

"उस बूढ़े ग्रीन को धिक्कार है," व्हाइट रोज़ के नेता एंडर्स ने कहा। "अब ग्रीन को छोड़ो, और लड़ाई और जीत की ओर आगे बढ़ो।

वहाँ पोस्टमास्टर का घर था, और पीछे बगीचे में एक छोटा-सा मकान था जो गैरेज के रूप में इस्तेमाल होता था। वही "रेड रोज़" का मुख्यालय भी था, क्योंकि पोस्टमास्टर का बेटा – सिक्सटेन उस उग्र दल का नेता था।

गैरेज सुनसान और खाली लग रहा था। दूर से ही दरवाज़े पर ठोकी हुई एक सफेद तख्ती दिखाई दे रही थी। बगीचे के फाटक से होकर गैरेज तक जाकर उस पर लिखा पढ़ लेना आसान होता, लेकिन "वॉर ऑफ़ द रोज़ेस" ऐसे नहीं लड़ा जाता था। यह एक जाल भी हो सकता था। "रेड रोज़" के लोग अपने बंद मुख्यालय में घात लगाए बैठे हो सकते थे, तैयार कि जैसे ही कोई संदि उनके पास आए, वे उस पर झपट पड़ें।

वाइट रोज़स के लीडर ने अपनी टुकड़ी को आदेश दिया। "बिल, तुम इस बाड़े के

साथ साथ तब तक रेंगते हुए चलो जब तक तुम गराज़ के पीछे ना पहुँच जाओ। दुश्मन की निगाह से दूर। फिर छत पे चढ़ जाना और वापस घोषणा पत्र ले के आना, ज़िंदा या मुर्दा!"

"ईवा तुम इधर ही लेट कर बाड़ की निगरानी करो। अगर कोई ख़तरा लगे बिल के लिए तो सीटी बजा देना जो हमारा संकेत है।"

"तुम क्या करोगे?" ईवा-लॉट्टा ने पूछा।

"मैं जा के सिक्सटेन की माँ से पूछूँगा की उन्हें पता है की वह कहाँ है।" और वे सब चल पड़े।

बिल जल्दी पहुँच गया हेडक्वॉटर पर। छत पर चढ़ना आसान था। उसने ऐसा कई बार किया था। थोड़ा बाड़ में भींचना पड़ता है और कचरे के डब्बे पर चढ़ कर जाना होता है। वह एक कीड़े की तरह बिना आवाज़ किए, ध्यान से चढ़ा। उस का दिल जानता था कि वहाँ कोई नहीं था। ईवा को भी पता था और एंडर्स को भी। लेकिन वे अपने युद्ध के नियम अनुसार ही काम करते!

एंडर्स वापस आया। सिक्सटेन की माँ को पता नहीं था वो कहाँ था। बिल बड़े ध्यान से छत के कोने से झुका और अपने हाथ को फैलाकर घोषणा पत्र को निकाल लिया। फिर जैसे चढ़ा था वैसे ही उतर के आ गया।

"बहुत खूब मेरे बहादुर शेर!" एंडर्स बोला और बिल ने उसे घोषणा पत्र थमा दिया। पत्र में भाषा कड़क और अभद्र थी।

"ए नीच अधर्मों, मेरा मतलब तुम्हीं से है वाइट रोज वालो, अपनी बदबू से इस शहर को संक्रमित कर रहे हो! प्रेयरी में युद्ध क्षेत्र तैयार किया है। वहाँ आ जाओ। हम इन घृणित कीड़े मकोड़ों का सर्व नाश कर देंगे! उन की राख को जॉनसन के गोबर के ढेर पर बिखेर देंगे। वही उन की जगह है। आओ कमीनों!"

सिक्सटेन, बेनका और जॉनी, रेड रोज के सदस्य थे। शहर में अगर इन को किसी से नफ़रत थी तो वे थे बिल, ईवा लॉट्टा और एंडर्स से जो वाइट रोज के सदस्य थे।

"ठीक है, यही सही," एंडर्स ने घोषणा पत्र समाप्त करते हुए कहा, "चलो प्रेयरी में, युद्ध करने! जीत हमारी होगी!"

अध्याय तीन



यह अच्छी बात थी कि शहर के पास एक बड़ा मैदान था, जिसे सब लोग "प्रेयरी" कहते थे। कई पीढ़ियों से बच्चे वहाँ खेलते आ रहे थे। इस जगह की याद बड़े-बुज़ुर्गों के दिल में भी बसी हुई थी। जब परिवारों के गंभीर और समझदार पिता अपने बचपन को याद करते, तो उन्हें वही दिन याद आते जब वे इसी प्रेयरी में "इंडियन" बनकर खेलते थे।

आज के बच्चों को भी इसका खूब फायदा मिलता था। अगर कभी बिल किसी ज़ोरदार लड़ाई के बाद फटी हुई कमीज़ पहनकर घर लौटता, तो उसके पिता – किराने वाले बर्गसन – उसे ज़्यादा डाँटते नहीं थे। उन्हें याद था कि लगभग तीस साल पहले एक वसंत की शाम उनकी अपनी कमीज़ भी इसी मैदान में खेलते-खेलते फट

गई थी।

और भले ही मिसेज़ लिसैंडर कभी-कभी चाहती थीं कि उनकी बेटी अपनी उम्र की लड़कियों के साथ ज़्यादा समय बिताए, न कि लड़कों के साथ प्रेयरी में उधम मचाए, फिर भी वे यह बात ज़ोर देकर नहीं कहती थीं। क्योंकि तब बेकर लिसैंडर मुस्कराकर कहते, "अच्छा मिया, ज़रा याद करो – जब तुम छोटी थीं, तब इस शहर में कौन-सी लड़की सबसे ज़्यादा प्रेयरी में खेलने जाती थी?"

प्रेयरी शहर के किनारे फैला हुआ एक बड़ा खुला मैदान था। वहाँ मुलायम घास उगती थी, जिस पर नंगे पाँव चलना बहुत सुखद लगता था। वसंत ऋतु में पूरा मैदान चमकीले हरे रंग से भर जाता था और दूर से देखने पर मानो लहराता हुआ हरा समुद्र लगता था। जगह-जगह पीले फूल चमकते रहते थे।

लेकिन अब गर्मियों की धूप ने अपना असर दिखा दिया था। प्रेयरी सूखी और पीली हो चुकी थी। बिल, एंडर्स और ईवा-लॉट्टा धूप से चकाचौंध आँखों से मैदान की ओर देख रहे थे और अपने दुश्मनों को खोजने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन रेड रोज़ के लड़कों का कहीं कोई पता नहीं था। मैदान के कई हिस्से झाड़ियों से भरे थे, जिनमें कोई भी आसानी से छिप सकता था।

व्हाइट रोज़ के लड़कों ने जोरदार युद्ध-नाद किया और झाड़ियों में कूद पड़े। उन्होंने हर झाड़ी को टटोला, हर जगह दौड़-दौड़कर देखा – लेकिन कहीं भी दुश्मन दिखाई नहीं दिया। वे खोजते-खोजते मैदान के उस छोर तक पहुँच गए जहाँ पुराना मैनर हाउस खड़ा था, फिर भी उन्हें कुछ नहीं मिला।

एंडर्स झुंझलाकर बोला, "यह कैसी बेवकूफ़ी भरी चाल है? वे कहीं भी दिखाई नहीं दे रहे!" तभी अचानक तीन लड़कों की जोरदार हँसी ने मैदान की शांति को चीर दिया। ईवा-लॉट्टा ने चारों ओर घबराकर देखा और बोली, "मुझे लगता है वे मैनर में हैं।"

प्रेयरी के किनारे ऐस्पन के पेड़ों के बीच खड़ा पुराना घर "मैनर" कहलाता था। यह अठारहवीं सदी की एक बड़ी और कभी शानदार रही इमारत थी, जो अब जर्जर हो

चुकी थी। उसी घर की पीछे वाली खिड़की से तीन लड़कों के विजयी चेहरे बाहर झाँक रहे थे।

सिक्सटेन ने जोर से पुकारा, “जो भी रेड रोज़ के मुख्यालय के पास आएगा, उसका बुरा हाल होगा!”

एंडर्स ने आश्चर्य से पूछा, “लेकिन तुम लोग यहाँ कैसे... ?”

सिक्सटेन हँस पड़ा। “यही तो तुम जानना चाहते हो! दरवाज़ा खुला था – बस इतनी-सी बात थी।”

मैनर कई सालों से खाली पड़ा था। शहर के अधिकारियों ने बहुत पहले तय किया था कि इसे ठीक करके शहर के पार्क में ले जाया जाएगा और इसे एक संग्रहालय बनाया जाएगा। लेकिन इसके लिए पैसे इकट्ठा करने में समय लग रहा था, इसलिए घर धीरे-धीरे और जर्जर होता जा रहा था।

अब तक उसे बंद रखा जाता था ताकि शहर के बच्चे अंदर न घुस सकें। लेकिन अब दरवाज़ा इतना खराब हो चुका था कि किसी को रोक नहीं सकता था।

अंदर से जो शोर आ रहा था, उससे साफ पता चलता था कि रेड रोज़ के लड़के इस पुरानी इमारत के प्रति ज़रा भी सम्मान नहीं दिखा रहे थे। उनके उछलते-कूदते कदमों से पुराने फर्श-पट्टे कराह रहे थे।

सिक्सटेन ने उत्साह से कहा, “हम इन बदमाशों को कैदी बना लेंगे और यहीं बंद करके उन्हें भूखा रखेंगे!”

व्हाइट रोज़ के लड़के भी पूरे जोश के साथ अंदर घुस आए। सिक्सटेन ने पहले ही योजना बना रखी थी कि वे ऊपर की मंज़िल पर कब्ज़ा करेंगे, क्योंकि उसकी रक्षा करना आसान था। एक बड़ी सीढ़ी ऊपर जाती थी और उसी सीढ़ी के बीच रेड रोज़ के लड़के खड़े थे, जैसे दुश्मनों से भिड़ने के लिए तैयार हों।

व्हाइट रोज़ के लड़कों ने हमला कर दिया। कुछ ही क्षणों में वहाँ इतना शोर मच गया कि अगर शहर की ऐतिहासिक समिति के लोग सुन लेते तो शायद अपने बाल नोच लेते। पूरा घर काँपने लगा और सीढ़ियों की रेलिंग लड़कों की टक्कर से हिल

रही थी।

लड़ाई कभी एक तरफ़ झुकती तो कभी दूसरी तरफ़। कभी व्हाइट रोज़ आगे बढ़ जाते, तो कभी रेड रोज़ उन्हें पीछे धकेल देते। लगभग आधे घंटे तक यह धक्का-मुक्की चलती रही। आख़िरकार व्हाइट रोज़ के लड़के अंतिम हमला करने की तैयारी में थोड़ी देर के लिए पीछे हट गए। उसी समय सिक्सटेन ने अपने साथियों को एक चुपचाप आदेश दिया। अगले ही पल रेड रोज़ के लड़के बिजली की तरह ऊपर की मंज़िल पर भाग गए और अलग-अलग कमरों तथा अलमारियों में छिप गए।

जब एंडर्स, बिल और ईवा-लॉट्टा ऊपर पहुँचे, तो उन्हें लगा कि दुश्मन जैसे हवा में गायब हो गए हों।

असल में रेड रोज़ के लड़के एक अलमारी के पीछे छिपे हुए थे और दरार से बाहर झाँकते हुए सब कुछ देख रहे थे।

व्हाइट रोज़ के नेता ने आदेश दिया, "सब अलग-अलग हो जाओ और दुश्मन को ढूँढ़ निकालो!"

रेड रोज़ के लड़के यह सुनकर चुपचाप मुस्कराए। उन्हें पता था कि यही उनकी जीत की शुरुआत है। वाइट रोज इस से बेख़बर थे।

"सब अलग अलग हो जाओ," वाइट रोज के नेता ने आदेश दिया।

ये सब से बड़ी बेवक़ूफ़ी उसने की।यहाँ उसकी क़िस्मत ख़राब हो गई। अपने ही फ़ैसले को आगे ले जाने के लिए वह जल्दी से कोने में भगा।

बिल और ईवा-लॉट्टा धीरे-धीरे एक कमरे में चले गए। कमरा खाली था, इसलिए वे खिड़की के पास जाकर थोड़ी देर आराम करने लगे। लेकिन यह एक बड़ी गलती साबित हुई। कुछ ही क्षण बाद उन्होंने दरवाज़े के बाहर ताले में चाबी घूमने की आवाज़ सुनी।

फिर सिक्सटेन की हँसी गूँजी – "हा-हा! तुम दोनों फँस गए! अब तुम यहाँ से बाहर नहीं निकल पाओगे!"

तभी बेनका बोला, "तुम यहाँ बैठे रहना जब तक तुम पर काई ना जम जाये।"

जॉनी चिढ़ाते हुए बोला, “चिंता मत करो, हम क्रिसमस में आयेंगे। आप को क्रि-समस पर उपहार में क्या चाहिए?”

“थाली में तुम्हारे काटे हुए सिर,” ईवा अन्दर से बोली।

“अपने घरवालों से और भी कुछ कहना है?” रेड रोज के नेता ने पूछा।

“हाँ, मेरे पिताजी से कहना, हाउस ऑफ़ कनेक्शंस” को फ़ोन करे, और उन्हें बताना की तुम कहाँ मिलोगे,” ईवा लोट्टा ने जवाब दिया।

“मनहूसों!” सिक्सटीन बोला, “अगर भूख लगे तो चिल्लाना, हम थोड़ा घास भेज देंगे तुम्हारे लिए।”

फिर हाथ मलते हुए उसने बेनका और जॉनी से कहा,” मेरे बहादुर सिपाहियों, इस घर में एक बेचारा चूहा है जो अपने आप को वाइट रोज़ का नेता समझता है, वह अकेला है, अरक्षित है, जाओ, ढूँढो उसे!”

रेड रोज़ ने बिना शोर किए ऊपर की मंज़िल पूरी छान मारी। हर अलमारी में देखा। उन्हें पता था कि वाइट रोज़ के नेता को पता था कि वह ख़तरे में है, उसके दो साथी बंधक बन चुके है। किसी दुश्मन के सरदार को गिरफ़्तार करना “रोज़स” के युद्ध में बड़ी बात थी। मानो अमेरिका ने हिटलर को गिरफ़्तार कर लिया हो अलकट्रास में।

लेकिन वाइट रोज़ के लीडर ने अपने आप को अच्छी तरह छिपा लिया था। रेड रोज़स वाले उसे ढूँढ ही नहीं पाये। फिर सिक्सटीन को हल्की सी चरमराहट की आवाज़ ऊपर सुनाई दी।

“वह अटारी में है,” सिक्सटीन फुसफुसाया।

जॉनी ने आश्चर्य से पूछा, “यहाँ अटारी भी है?”

रेड रोज वालों ने ध्यान नहीं दिया था, भले ही वे पूरे मैनर में पहले घूम चुके थे। यह इतना भी अजीब नहीं था। जो सीढ़ी अटारी पर जाती है वह सादी सी थी। उस पर वॉल पेपर लगा था। जिसे इस के बारे में पता ना हो वह उसे आसानी से नज़र अन्दाज़ कर सकता था। इस लिये लाल गुलाब वालो को थोड़ा समय लगा।

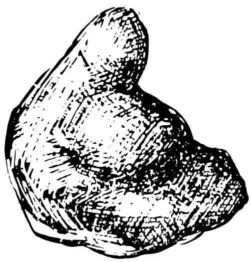
उसके बाद सब बहुत जल्दी से हुआ। एंडर्स युद्ध के लिये तैयार था लेकिन कोई

फ़ायदा नहीं। सिक्सटीन, बेनका और जॉनी ने उसे पकड़ लिया और उसे नीचे ले गये।

बिल और ईवा ने अपनी गुप्त भाषा में आश्वासन दिया, "जल्दी मिलेंगे! तुम्हें छुड़ाने आयेंगे!" यह रेड रोज़ वालों को क्रोधित करने के लिए काफ़ी था। उन्हें इस भाषा की लिपि कहीं नहीं मिली। वरना उन्होंने क्या बोला ये समझ ने के लिये कोई दिक़्क़त नहीं होती।

ईवा लोट्टा ये भाषा अपने पापा से सीखी थी। वे इसे चोरों की भाषा कहते थे। उसके पापा ने उसे बताया था कि जब वे और उनके दोस्त नहीं चाहते थे कि कोई और उन की बातें सुने तब वे इस भाषा का प्रयोग करते थे। जब ईवा ने दिलचस्पी दिखाई तो उन्होंने उसे भी ये भाषा सीखा दी। दूसरे दी उसने अपने दोस्तों को सीखा दी।

लाल गुलाब की लड़ाई का एक मुद्दा तो इस भाषा को समझना था और दूसरा मुद्दा "ग्रेट मम्बो" को पाना था। "ग्रेट मम्बो" एक तुच्छ वस्तु का अद्भुत नाम था। वह एक पत्थर था जो बेनका को मिला था। थोड़ी कल्पना शक्ति लगाये तो किसी को भी उस में एक व्यक्ति की आकृति दिख सकती थी मानो भगवान बुद्ध मग्नशील हों।



रेड रोज़स ने इसे अपना एक विशेष शुभंकर बनाया था जिस के पास जादुई शक्ति थी। वाइट रोज़स वालो ने इसे प्राप्त करना अपनी ज़िम्मेदारी बना ली थी। और उसे प्राप्त भी कर लिया था। उन्होंने उसे किसी गुप्त जगह पर छिपा दिया था। उसे किसी ऐसी जगह पे छुपाना उपयुक्त होता जहां कोई इंसान उसे ना ढूँढ सके ना उसके पास फटके। वॉर ऑफ़ द रोज़स के नियमों अनुसार, जिस किसी के पास इसका अस्थायी हक़ हो,

उसे इस के बारे में कोई सुराग देना पड़ेगा।जैसे कोई नक़्शा या पहेली। उदाहरण के लिए "ग्रेट मम्बो" किसी एल्म के पेड़ पर, कौवे के घोंसले में जो किसी चर्च के बाड़े में, किसी कोने में या किसी मोची के घर की छत पे। लेकिन फ़िलहाल "ग्रेट मम्बो" ऐसी कोई जगह पर नहीं था। वह कहीं और था। और इसी का पता लगाने के लिए गुलाबों में ये युद्ध छिड़ा था और वाइट रोज़स के लीडर को बंदी बनाया गया था। उस पर अत्याचार कर के उस से यह राज़ उगलवाना था।

एंडर्स ने अपनी गुप्त भाषा में अपने साथियों को बताया, "मैंने इन्हें कुछ नहीं बताया!" सिक्सटीन ने उसे बड़े कस के पकड़ा हुआ था। उसे डरते हुए कहा, "बहुत जल्दी सब कुछ उगलवा लूँगा!"

बिल ने हौसला देते हुए कहा," तटस्त रहना, हिम्मत मत हारना!"

ईवा बोली, "हम जल्दी आकर छुड़ा लेंगे तुम्हें!"

एंडर्स जाते जाते बोला, "वाइट रोज़स ज़िंदाबाद!"

एंडर्स बोला," मेरा हाथ छोड़ो! मैं स्वेच्छा से आ रहा हूँ!"

उस के बाद कुछ सुनायी नहीं दिया। घर में सन्नाटा छा गया। दुश्मन ने घर छोड़ दिया और वाइट रोज़स के लीडर को अपने साथ ले गये।

अध्याय चार

रेड रोज़ के लड़कों ने मज़ाक-मज़ाक में कहा था कि बिल और ईवा-लॉट्टा को उसी कमरे में पड़े रहना चाहिए जब तक कि उन पर काई उगने न लगे। लेकिन इसका मतलब सचमुच यह नहीं था।

वॉर ऑफ़ द रोज़ेस में भी एक ऐसी परेशानी थी जिसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता था – और वह थे माता-पिता।

यह बात सच है कि किसी भी वीर योद्धा के लिए यह बहुत झुंझलाने वाली बात थी कि लड़ाई के सबसे रोमांचक समय में उसे घर लौटकर मीटबॉल और रूबार्ब क्रीम खाने के लिए मजबूर होना पड़े। पर माता-पिता इस अजीब विश्वास पर अड़े रहते थे कि बच्चों को समय पर भोजन करना चाहिए।

इसलिए 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' में यह नियम मानना पड़ता था कि माता-पिता की इन "मूर्खतापूर्ण" मांगों को स्वीकार किया जाए। यदि ऐसा न किया जाए तो लड़ाई में गंभीर बाधा आ सकती थी।

माता-पिता का निर्णय अक्सर बहुत अजीब होता था। वे तो कभी-कभी इतना भी कर सकते थे कि जिस रात कोई निर्णायक युद्ध होना तय हो, उसी रात बच्चों को घर में बंद कर दें। उन्हें ग्रेट मम्बो जैसी महत्वपूर्ण चीज़ों के बारे में बहुत कम जानकारी थी, हालांकि कभी-कभी अपने बचपन की प्रेरी में खेले गए खेलों की याद उन्हें थोड़ी समझ जरूर दे देती थी।

इसलिए जब रेड रोज़ के लड़के एंडर्स को अपने साथ ले गए और बिल तथा ईवा-लॉट्टा को एक खाली घर के कमरे में बंद छोड़ दिया, तो इसका मतलब केवल इतना

था कि वे दोनों लगभग दो घंटे तक ही कैद रहेंगे।

लगभग सात बजे तक। क्योंकि सात बजे शहर के लगभग हर घर में शाम का भोजन तैयार होता था। बर्गसन किराने वाले के घर में भी और लिसांडर बेकर के घर में भी।

और उससे पहले ही सिक्स्टन बेन्का या जॉनी में से किसी एक को भेज देता ताकि वह चुपचाप दरवाज़ा खोल दे। इसलिए बिल और ईवा-लॉट्टा ने अपनी "भूखमरी" को बहुत शांत मन से स्वीकार कर लिया। फिर भी इस तरह कैद हो जाना बड़ी शर्म की बात थी। और इससे रेड रोज़ वालों की बड़ी जीत हो जाती। ईवा-लॉट्टा खिड़की के पास खड़ी होकर बाहर देखने लगी। वहाँ दूर एंडर्स को दुश्मनों ने चारों ओर से घेर रखा था और वे उसे साथ लेकर प्रेरी के पार शहर की ओर जा रहे थे। कुछ ही देर में वे सब नज़र से ओझल हो गए।

"मुझे आश्चर्य है कि वे उसे कहाँ ले जा रहे होंगे," ईवा-लॉट्टा ने कहा।

"सिक्स्टन के गैरेज में, और कहाँ," बिल ने उत्तर दिया।

फिर वह कुछ चिंतित होकर बोला, "काश मेरे पास कोई अख़बार होता!"

"अख़बार?" ईवा-लॉट्टा झुंझला उठी। "जब हमें यहाँ से भागने की योजना बनानी है तब तुम्हें अख़बार पढ़ना है?"

"तुम बिल्कुल ठीक कह रही हो," बिल बोला। "हमें यहाँ से निकलना ही होगा। और उसी के लिए मुझे अख़बार चाहिए था।"

ईवा-लॉट्टा ने खिड़की से नीचे झाँककर जमीन की दूरी नापी।

"अगर हम कूदे तो मर ही जाएँगे," उसने कहा। "लेकिन शायद कोई और उपाय नहीं है।" तभी बिल अचानक खुश होकर बोला, "वॉलपेपर!"

उसने दीवार से ढीला पड़ा एक बड़ा टुकड़ा फाड़ लिया।

ईवा-लॉट्टा हैरानी से उसे देखने लगी।

"शायद दो सौ साल पहले यह बहुत अच्छा वॉलपेपर रहा होगा," बिल बोला। फिर उसने उस कागज़ को दरवाज़े के नीचे की दरार से बाहर की ओर सरका दिया। उसने अपनी जेब से छोटा चाकू निकाला और चाबी के छेद में सावधानी से घुमाया। बाहर

से हल्की खनखनाहट की आवाज़ आई। चाबी नीचे गिर चुकी थी। बिल ने धीरे-धीरे कागज़ वापस खींचा। और सचमुच – चाबी उसी पर रखी हुई थी।

"साधारण काम," बिल मुस्कुराकर बोला।

मानो एक महान जासूस के लिए ताले खोलना रोज़ का काम हो।

"ओह बिल, तुम तो कमाल हो!" ईवा-लॉट्टा ने प्रशंसा से कहा। बिल ने दरवाज़ा खोला और वे दोनों आज़ाद हो गए। लेकिन बिल बोला, "हम रेड रोज़ वालों को बिना जवाब दिए यहाँ से नहीं जा सकते।"

उसने जेब से छोटी पेंसिल निकाली और ईवा-लॉट्टा को दी।

ईवा-लॉट्टा ने कागज़ के पीछे लिखा –

रेड रोज़ के मूर्खों के नाम! तुम्हारी काई उगाने की योजना बिल्कुल असफल रही। हमने पाँच मिनट तीस सेकंड इंतज़ार किया, पर कुछ नहीं उगा। अब हम जा रहे हैं। क्या तुम्हें पता नहीं कि व्हाइट रोज़ वाले लकड़ी की दीवारों से भी निकल सकते हैं? फिर उन्होंने खिड़की बंद की और दरवाज़ा बाहर से ताला लगा दिया। कागज़ को दरवाज़े के हैंडल पर टाँग दिया।

"अब उन्हें खूब सोचने दो," ईवा-लॉट्टा हँसते हुए बोली।

"खिड़की अंदर से बंद और दरवाज़ा बाहर से बंद! वे सोचते ही रह जाएँगे कि हम निकले कैसे।"

"व्हाइट रोज़ के लिए एक अंक," बिल ने गर्व से कहा।

कुछ देर बाद वे दोनों सिक्स्टन के गैरेज के पास पहुँचे। लेकिन वहाँ एंडर्स नहीं था। गैरेज खाली था। सिक्स्टन की माँ बगीचे में कपड़े उतार रही थीं।

"क्या आपको पता है सिक्स्टन कहाँ है?" ईवा-लॉट्टा ने पूछा।

"अभी थोड़ी देर पहले तो वह यहीं था," उन्होंने कहा। "बेन्का, एंडर्स और जॉनी के साथ।" स्पष्ट था कि रेड रोज़ वालों ने अपने कैदी को किसी और जगह ले गये थे।

तभी बिल की नज़र घास में गड़े एक चाकू पर पड़ी। वह एंडर्स का चाकू था। उसके साथ एक छोटा कागज़ लगा हुआ था। उस पर केवल एक शब्द लिखा था – "जॉनी"

एंडर्स ने मौका मिलते ही यह संदेश छोड़ दिया था। बिल ने माथे पर बल डालकर सोचा।

"इसका मतलब साफ है," उसने कहा। "एंडर्स को जॉनी के घर रखा गया है।"

जॉनी का घर शहर के उस हिस्से में था जिसे लोग रैस्कल्स हिल कहते थे। वहाँ पे समाज के बड़े लोग नहीं रहते थे। वहाँ छोटे-छोटे पुराने मकान थे।

जॉनी का घर भी एक छोटा सा झोंपड़ा था – नीचे एक कमरा और रसोई, और ऊपर एक छोटा अटारी का कमरा। सर्दियों में वह बहुत ठंडा रहता है। लेकिन अभी तो जून है। अभी यह किसी भट्टी से कम नहीं। ये उपयुक्त जगह एक क़ैदी को तड़पाने के लिए। गर्मियों में यही जॉनी का कमरा होता था। एक छोटे से बिस्तर पर सोता था।

वहीं उसके जासूसी उपन्यास, टिकटों का संग्रह और उसकी सारी कीमती चीज़ें रखी रहती थीं। और उसी छोटे गर्म अटारी कमरे में रेड रोज़ वाले एंडर्स से पूछताछ करने वाले थे।

एंडर्स को यही लाया गया था। उन के सौभाग्य से जॉनी के माता पिता शहर से बाहर गये थे। वे जल्दी वापस आने वाले नहीं थे। वे अपने साथ कुछ खाने के लिए ले गए थे। जॉनी को आलू ख़ुद पका के खाने थे। यहाँ माता पिता की कोई दखल नहीं होने वाली थी इस लिये एंडर्स को यहाँ रख ने का फ़ैसला लिया गया था। बिल और ईवा-लॉट्टा ने योजना बनाई। वे तुरंत हमला कर सकते थे, लेकिन उन्होंने तय किया कि थोड़ा इंतज़ार करना बेहतर होगा। जल्द ही रात का खाना होने वाला था और एंडर्स को भी घर जाने दिया जाएगा। इसलिए उन्होंने फैसला किया कि वे रात को ही जासूसी करेंगे।

"अगर किसी कमरे के अंदर झाँकना हो," बिल ने गंभीरता से कहा, "तो सबसे अच्छा समय वही होता है जब अंधेरा हो जाए और लोग लाइट जला लें।"

"लेकिन जॉनी के कमरे की खिड़की तो बहुत ऊँची है," ईवा-लॉट्टा ने कहा।" और पर्दा भी नहीं है।"

"ये तो और भी अच्छा है," बिल बोला।

"लेकिन हम जासूसी कैसे करेंगे?" ईवा सोच रही थी।

बिल कुछ देर सोचता रहा।

"मैं समझ रहा हूँ की तुम ने अपराधियों की तकनीक के बारे में कुछ नहीं पढ़ा," बिल ने कहा, "सोचो हमारे पुलिस को पता चले कि कुछ लोग तीसरी मंज़िल के मकान में इकट्ठे हुए है और उन पर नज़र रखने के लिये वे उसके सामने वाले मकान की चौथी मंज़िल पे जायेंगे और वहाँ से अपने ख़ास चश्मे से देखेंगे।"

"अगर मैं वहाँ रहती तो पहले पर्दे लगती फिर लाइट चालू करती," ईवा बोली, "वैसे तुम किस मंज़िल से जॉनी पर नज़र रखने का सोच रहे हो?"

"मैंने अभी ये नहीं सोचा है। पुलिस के लिए ये आसान है, वे अपने बिल्ले दिखा के कही भी घुस सकते है। और उस के घर के सामने कोई मकान भी नहीं है, जो मकान है वह उसी की पास है, वह भी दो मंज़िला जिस में कोई खिड़कि भी नहीं है उस तरफ़।"

तभी ईवा-लॉट्टा बोली, "मुझे पता है! हम पुराने ग्रीन साहब की छत पर चढ़ेंगे। यही एक तरीक़ा है।"

बिल की आँखों में चमक आ गई।

"तुमने भले ही जासूसी की किताबें नहीं पढ़ी हों," उसने कहा, "लेकिन यह विचार शानदार है!"

ग्रीन की छत से जॉनी के अटारी कमरे की खिड़की साफ दिखाई देती थी। और जॉनी के कमरे में परदे भी नहीं थे। अब उन्हें बस रात होने का इंतज़ार करना था। हल्के दिल के साथ बिल और ईवा-लॉट्टा रात का खाना खाने घर लौट गए।

अध्याय पाँच

कुछ घंटे बाद जब रात हो गई, बिल और ईवा-लॉट्टा चुपचाप फिर से रैस्कल्स हिल की ओर लौटे।

रात बहुत शांत थी। छोटे-छोटे लकड़ी के घर एक-दूसरे के बिल्कुल पास खड़े थे, मानो कंधे से कंधा सटाकर। दिन की गर्मी अभी भी गलियों में तैर रही थी और हवा में एक भारी-सी उमस थी।

कहीं-कहीं किसी घर की खिड़की से रोशनी झाँक रही थी, कहीं कोई दरवाज़ा खुला था। हवा में कई तरह की गंध घुली हुई थी – तली हुई मछली की महक, कॉफी की खुशबू, चमेली के फूलों की तेज़ सुगंध और कहीं-कहीं कूड़ेदानों की बदबू। गली लगभग खाली थी। रैस्कल्स हिल के लोग रात को सड़कों पर घूमने के आदी नहीं थे। वे अपने छोटे-छोटे रसोईघरों में दिनभर के काम के बाद आराम कर रहे थे।

बिल धीरे से बोला, "यहाँ तो कब्र जैसा सन्नाटा है।"

और सचमुच ऐसा ही था।

कभी-कभी किसी घर से धीमी बातचीत की आवाज़ सुनाई दे जाती थी। दूर कहीं कोई कुत्ता भौंकता। किसी ने हारमोनिका पर कोई धुन बजाने की कोशिश की, लेकिन वह तुरंत बंद हो गई और सन्नाटा और गहरा हो गया।

लेकिन जॉनी के घर में हलचल थी।

अटारी के कमरे की खिड़की से रोशनी आ रही थी और अंदर से लड़कों की तेज़ आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। बिल और ईवा-लॉट्टा समझ गए कि पूछताछ शुरू हो चुकी है। वे पुराने ग्रीन की छत से सब कुछ देखने का निश्चय कर चुके थे। "बस हमें छत पर

चढ़ना है," ईवा-लॉट्टा ने उत्साह से कहा।

ग्रीन के घर के पास एक सीढ़ी लगी हुई थी। लेकिन वह ठीक उसी खिड़की के सामने थी जहाँ ग्रीन के कमरे में रोशनी जल रही थी। अगर ग्रीन बाहर झाँक लेता तो वह दोनों को छत पर चढ़ते देख लेता। लेकिन 'वॉ'र ऑफ़ द रोज़स' में ऐसे छोटे-मोटे डर की परवाह नहीं की जाती थी।

"तुम पहले जाओ," ईवा-लॉट्टा ने कहा।

बिल धीरे-धीरे सीढ़ी पर चढ़ने लगा। ईवा-लॉट्टा उसके पीछे-पीछे चुपचाप चढ़ती गई। जब वे खिड़की के पास पहुँचे तो बिल फुसफुसाया, "ग्रीन के यहाँ कोई मेहमान आया है। वे लोग बात कर रहे हैं।"

ईवा-लॉट्टा मुस्कराई। "जरा सिर अंदर डालकर पूछो कि हमें केक का एक टुकड़ा मिल सकता है या नहीं।"

लेकिन बिल को यह मज़ाक अच्छा नहीं लगा।

ग्रीन का मेहमान खिड़की की तरफ़ पीठ कर के खड़ा था। दोनों में पैसे की लेन देन कि बाते हो रही थी। ग्रीन को शिकायत थी कि वह बार बार पैसे लौटाने का वादा कर के मुकर जाता था। उसका मेहमान उसे समझाता रहा कि अब की बार, आने वाले बुधवार को उसके सारे IOU और उसके पास जो भी है सब बेच के उसके पैसे लौटा देगा और इस मामले को हमेशा के लिए समाप्त कर देगा। लेकिन ग्रीन को भरोसा नहीं था।

IOU क्या होते है, ये ना बिल को पता था ना ईवा को। और अभी इस के बारे में बात करने का समय नहीं था।

बिल जल्दी से छत पर चढ़ गया। ईवा-लॉट्टा भी सावधानी से ऊपर आ गई। अब वे छत की चोटी पर बैठकर धीरे-धीरे दूसरी ओर बढ़ने लगे। अंधेरी रात में छत पर चलना आसान नहीं था। उनके पास पकड़ने के लिए सिर्फ चिमनी थी।

जब वे आधे रास्ते पहुँचे तो उन्हें चिमनी छोड़नी पड़ी और सावधानी से आगे बढ़ना पड़ा। लेकिन जॉनी के कमरे का दृश्य देखकर उनका डर कम हो गया। अंदर एंडर्स

कुर्सी पर बैठा था और उसके चारों ओर रेड रोज़ के लड़के खड़े थे। वे उसे धमका रहे थे, लेकिन एंडर्स गर्व से सिर हिला रहा था। बिल और ईवा-लॉट्टा पेट के बल लेट गए ताकि वे सब कुछ साफ-साफ देख सकें। उन्हें ऐसा लगा जैसे वे किसी नाटक की पहली पंक्ति में बैठे हों। उन्हें बस एक बात समझनी थी – एंडर्स को कैसे बचाया जाए। अंदर पूछताछ जारी थी।

सिक्स्टन ने एंडर्स का हाथ पकड़ते हुए कहा, "कैदी! यह तुम्हारा आखिरी मौका है। बताओ, ग्रेट मम्बो कहाँ छिपाया है?"

एंडर्स ने शान से जवाब दिया, "तुम व्यर्थ पूछ रहे हो। व्हाइट रोज़ हमेशा ग्रेट मम्बो की रक्षा करेगा। तुम उसे कभी नहीं ढूँढ पाओगे।"

बिल और ईवा-लॉट्टा ने छत पर लेटे-लेटे संतोष से सिर हिलाया। लेकिन रेड रोज़ वाले बहुत नाराज़ हो गए।

सिक्स्टन बोला, "इसे पूरी रात गैरेज में बंद कर देंगे। शायद तब इसका दिमाग ठिकाने आए।"

एंडर्स हँसा।

"जैसे बिल और ईवा-लॉट्टा को बंद किया था?" उसने कहा। "वे तो कुछ ही मिनट में भाग निकले थे। मैं भी निकल जाऊँगा।"

रेड रोज़ वालों को यह बात बिल्कुल पसंद नहीं आई।

सिक्स्टन बोला, "तुम खुद को बहुत चालाक मत समझो। हम तुम्हें ऐसी जगह बंद करेंगे कि तुम भाग नहीं सकोगे।"

फिर उसने कहा, "लेकिन पहले तुम्हारी उस अजीब भाषा के बारे में बताओ।" "अगर तुम हमें उसका तरीका बता दो तो हम तुम्हारी सजा कम कर देंगे।"

एंडर्स ने सिर हिलाया।

"कभी नहीं।"

सिक्स्टन बोला, "ठीक है, कम से कम मेरा नाम तो अपनी भाषा में बताओ।"

एंडर्स तुरंत बोला, "डोड-आर-नॉन फो-ओल।" और फिर जोर से हँस पड़ा।

यह स्पष्ट था कि उसने कोई भयानक गाली दी है। लेकिन वह उसका अर्थ नहीं बता सकता था, क्योंकि तब चोर भाषा का रहस्य खुल जाता।

सिक्सटेन को समझ नहीं आ रहा था कि वह उस बंदी का क्या करे। वह कुछ भी बोलने को तैयार नहीं था। इतने में एंडर्स ने मौक़ा देख और दरवाज़े की ओर भागा।

लेकिन रेड रोज वालो ने पकड़ के उसे वापस बिठा दिया। सिक्सटेन बोला, "जब तक तुम ये नहीं बताओगे कि तुम ने मुम्बो कहाँ छिपाया है तुम्हें आज़ादी नहीं मिलेगी।"

जॉनी ने उसकी चाहती पर उँगली रखी और बोला, "बताओ कहाँ छुपाया है?"

एंडर्स एक कीड़े की तरह उछला क्योंकि उसको गुदगुदी हो रही थी। यह देख के सिक्सटेन ने उस के पेट अंगुली रखी। इस का असर अद्भुत था। फिर सभी उस पर टूट पड़े। वह हँसता रहा और फिर थोड़ी देर बाद बोला,

"मैं हार मानता हूँ।"

सिक्सटेन बोला," हाँ तो बताओ कहाँ छिपाया है?"

एंडर्स बोला, "मैनर के पीछे, प्रेयरी में... "

छत पर बिल ने धीरे से अपनी जेब से गुलेल निकाली।

ईवा-लॉट्टा ने उसे देखा और समझ गई कि वह क्या करने वाला है। बि

ल ने निशाना साधा। और अगले ही पल – धड़ाम! जॉनी के कमरे का बल्ब चकनाचूर हो गया। कमरा तुरंत अंधेरे में डूब गया। रेड रोज़ वाले घबरा गए। लेकिन एंडर्स तुरंत समझ गया कि क्या हुआ है।

अंधेरे का फायदा उठाकर वह दरवाज़े की ओर फिसल गया और बाहर निकल गया। वह आज़ाद था! छत पर बिल ने अपनी गुलेल वापस जेब में रख ली।

"मुझे अपनी गुल्लक से पैसे निकालकर जॉनी के लिए नया बल्ब खरीदना पड़ेगा," उसने कहा।

"क्योंकि किसी की चीज़ तोड़ना ठीक नहीं होता।"

ईवा-लॉट्टा ने सिर हिलाया।

"लेकिन यह करना जरुरी था," उसने कहा।

“हमारे नेता को बचाना था।”

जॉनी के कमरे में रेड रोज़ वालों को जब टॉर्च की रोशनी में पता चला कि उनका कैदी भाग गया है तो वे चिल्ला उठे।

सिक्स्टन खिड़की तक दौड़ा।

“किसने हमारा बल्ब तोड़ा?”

उसे ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं पड़ी।

सामने की छत पर दो काले साये दिखाई दे रहे थे – बिल और ईवा–लॉट्टा। वे तुरंत भागने लगे। उसी समय उन्हें एंडर्स की सीटी सुनाई दी। इसका मतलब था – वह सुरक्षित निकल गया है। अब उन्हें भी जल्दी से नीचे उतरना था। वे छत पर तेजी से दौड़े और सीढ़ी तक पहुँचे। ईवा–लॉट्टा पहले उतरी और बिल उसके पीछे। वे जल्दी–जल्दी नीचे उतरने लगे। उसी समय ग्रीन की खिड़की अचानक खुल गई। ग्रीन बाहर झाँक रहा था। वे इतने डर गए कि बिल का हाथ फिसल गया और वह ज़मीन पर धड़ाम से गिर पड़ा। ईवा–लॉट्टा किसी तरह सीढ़ी पकड़े रही।

“क्या इतनी जल्दी थी?” उसने व्यंग्य से कहा।

ग्रीन ने नीचे गिरते बिल को देखा और अपने धीमे काँपते स्वर में बोला –

“अहा... बचपन के खुशहाल खेल! अहा... बचपन के मासूम खेल!”

अध्याय छः

बिल और ईवा-लॉट्टा को ग्रीन को यह समझाने का समय नहीं मिला कि वे उसकी सीढ़ी पर क्यों बैठे थे। लेकिन ग्रीन को भी इसमें कुछ अजीब नहीं लगा। शायद वह सोचता था कि बच्चों के "मासूम खेलों" में कभी-कभी रात को पड़ोस की छतों पर चढ़ना भी शामिल होता है। ग्रीन ने बस एक लंबी साँस ली और फिर अपनी खिड़की का पर्दा गिरा दिया।

पीछे के अंधेरे बगीचे में व्हाइट रोज़ के तीनों योद्धा फिर से मिल गए – बिल, एंडर्स और ईवा। उन्होंने एक-दूसरे का हाथ दबाकर खुशी जताई।

नेता एंडर्स ने कहा, "बहुत अच्छा काम किया, वीर साथियों!"

लेकिन खुशी मनाने का समय नहीं था। दूर गली के कोने से शोर सुनाई दे रहा था। रेड रोज़ वाले अब होश में आ चुके थे और बदला लेने के लिए दौड़ रहे थे। कुछ ही क्षणों में गली में तेज़ कदमों की आवाज़ गूँजने लगी। रैस्कल्स हिल के लोग इस समय तक सो चुके थे, लेकिन अचानक यह शोर सुनकर वे चौंक गए। कौन इतनी रात को गलियों में दौड़ रहा था?

असल में यह कोई और नहीं बल्कि व्हाइट रोज़ के तीन बहादुर योद्धा थे जो पत्थरों वाली गली में तेज़ी से दौड़ रहे थे।

उनके पीछे-पीछे लगभग पंद्रह गज़ की दूरी पर रेड रोज़ के तीन लड़के भी उतनी ही तेज़ी से दौड़ रहे थे। उनकी चीखें इतनी तेज़ थीं कि वे फायर ब्रिगेड के सायरन से कम नहीं लगती थीं। शुरू में व्हाइट रोज़ वाले आगे थे। वे तेजी से घरों के मोड़ काटते हुए दौड़ते जा रहे थे और पीछे से सिक्स्टन की धमकियाँ सुनकर मुस्कुरा रहे थे। बिल

को दौड़ते-दौड़ते एक अजीब-सा रोमांच महसूस हो रहा था।

उसे लगा जैसे यही असली जीवन है – खतरे से भरा, रोमांचक। बड़े अपराधियों का पीछा करना तो केवल उसकी कल्पना में ही संभव था, लेकिन यह पीछा असली था। पीछे दुश्मनों के कदमों की आवाज़, संकरी गलियाँ, अंधेरे रास्ते – सब कुछ उसे बेहद रोमांचक लग रहा था।

दौड़ते-दौड़ते उसने अचानक कहा, "तुम दोनों छिप जाओ! मैं उन्हें उलझा दूँगा।"

एंडर्स को यह विचार अच्छा लगा। जैसे ही वे अगले मोड़ पर पहुँचे, एंडर्स और ईवा-लॉट्टा एक अंधेरे दरवाज़े में छिप गए। कुछ ही क्षण बाद रेड रोज़ वाले वहाँ से दौड़ते हुए गुज़र गए। वे इतने पास से गुज़रे कि ईवा-लॉट्टा चाहती तो सिक्स्टन के लाल बाल पकड़ सकती थी। लेकिन वे चुपचाप खड़े रहे। रेड रोज़ वाले बिना कुछ समझे आगे निकल गए।

एंडर्स मुस्कराया। "बिल्कुल बच्चों की तरह धोखा खा गए," उसने कहा। ईवा-लॉट्टा थोड़ी चिंतित थी।

"लेकिन बिल मुश्किल में है," उसने कहा। "तीन खतरनाक लाल लोमड़ियाँ एक छोटे सफेद खरगोश का पीछा कर रही हैं।"

अब रेड रोज़ वालों को समझ आ गया था कि एंडर्स और ईवा-लॉट्टा कहीं छिप गए हैं। लेकिन अब बहुत देर हो चुकी थी। वे वापस नहीं लौट सकते थे, इसलिए उन्होंने बिल का पीछा जारी रखा। सिक्स्टेन पूरी ताकत से दौड़ रहा था। दौड़ते-दौड़ते उसने कसम खाई कि अगर इस बार बिल उसके हाथ से निकल गया तो वह हार की निशानी के रूप में लाल दाढ़ी रखेगा। बिल भी उतनी ही तेजी से दौड़ रहा था। वह रैस्कल्स हिल की गलियों में चतुराई से इधर-उधर मुड़ता हुआ आगे बढ़ रहा था। कभी-कभी उसे लगता कि वह आसानी से उनसे बच सकता है, लेकिन शायद वह चाहता ही नहीं था कि वे उससे बहुत दूर हो जाएँ। उसे उनका पीछा करना अच्छा लग रहा था। तभी उसे दूर से एक कार का इंजन स्टार्ट होने की आवाज़ सुनाई दी। रैस्कल्स हिल में कारें बहुत कम आती थीं, इसलिए यह अजीब बात थी। लेकिन उस समय बिल

इतना व्यस्त था कि उसने इस बात पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया। कार कुछ ही क्षणों में दूर चली गई।

अब सिक्स्टन ने जॉनी से कहा कि वह एक शॉर्टकट लेकर बिल को सामने से रोकने की कोशिश करे। जॉनी तेज़ दौड़ने में माहिर था। और कुछ ही मिनट बाद बिल अचानक उसके सामने आ गया। अब बिल दो दुश्मनों के बीच फँस गया था।

सिक्सटेन बोला, "अब आया ऊँटपहाड़ के नीचे।"

बिल बोला," तुम्हें ऐसा लगता है।" और वह बाड़ को फ़ाँद कर किसी के अहाते में आ गया। एक बिल्ली की तरह उस पार करता हुआ भागा। रेड रोज़स वाले उसके पीछे ही थे। उन के बाड़ फ़ाँदने की आवाज़ उसने सुनी थी लेकिन वह रुका नहीं।

वह सोचता रहा इस अहाते के बाहर कैसे निकाला जाय और वह एक कचरे की बाल्टी के पीछे छिप गया। इस बाड़े में लोहे की बाड़ लगी हुई थी। रेड रोज़स वाले उसे अंधेरे में ढूँढते हुए आये। सिक्सटेन बोला, "बिल यही कहीं है। इस बाड़ को वह फाँदने की कोशिश करता तो यही अटक जाता। यह से निकलने का एक इस रास्ता है, जो आगे वाले गेट से है।" इतने में बेनका ने उसे पकड़ लिया। इस ख़ुशी में वह इतनी ज़ोर से चिल्लाया की सब की जान में जान आ गई। उस अहाते की मालकिन, मिसेज़ कार्लसन, की भी। बिल ने सोचा पकड़े जाने से तो अच्छा हो उन की दालान में घुस जाऊ और आगे वाले गेट से बाहर निकल जाऊँ। वह सिक्सटीन की पकड़ से छूट कर सीधा मिसेज़ कॉर्लसन की दालान में पहुँच। और सामने मिसेज़ कॉर्लसन आ रही थीं। बिल डरा हुआ ख़रगोश जैसा लग रहा था और मिसेज़ कॉर्लसन भी आश्चर्यचकित थीं। बिल बिना रुके आगे निकल गया। लेकिन सिक्सटेन, बेनका, और जॉनी को उन्होंने रोक लिया।

"मेरे अहाते में क्या ऊधम मचा रखा है?" वह चिल्लायीं।

"हम तो सिर्फ़... " सिक्सटेन बोला।

"हम तो सिर्फ़ ... क्या?" मिसेज़ कार्लसन ने गुस्से से पूछा।

"हम अंधेरे में भटक गये थे," कहते हुए वे वहाँ से भाग निकले और मिसेज़ कार्लसन

बोलती रह गयीं,

"अगली बार भटक जाओगे तो पुलिस के हवाले कर दूंगी।"

अब तक बिल एक गली में पहुँचा जो खाड़ी की तरफ़ जा रही थी। लेकिन उसने तुरंत एक और रास्ता पकड़ लिया और एक छोटी गली में घुस गया। उसे याद आया कि वहाँ फ्रेडरिक का छोटा घर है। फ्रेडरिक शहर का थोड़ा अजीब-सा आदमी था, लेकिन वह व्हाइट रोज़ वालों का दोस्त था। बिल ने जल्दी से दरवाज़ा खोला और अंदर घुस गया।

"हैलो, फ्रेडरिक–"

लेकिन अंदर का दृश्य देखकर वह रुक गया। फ्रेडरिक बिस्तर पर लेटा था और उसके पास शहर के डॉक्टर डॉ. फोर्सबर्ग बैठे थे।

डॉ. फोर्सबर्ग कोई और नहीं बल्कि बेन्का के पिता थे।

फ्रेडरिक कमजोर आवाज़ में बोला, "हैलो बिल... लगता है मैं बीमार पड़ गया हूँ। मेरा पेट अजीब-अजीब आवाज़ कर रहा है।"

सामान्य समय में बिल को यह सुनना मज़ेदार लगता, लेकिन अभी नहीं। डॉक्टर थोड़ा नाराज़ लग रहे थे कि कोई उनकी जाँच के बीच में आ गया है। बिल समझ गया कि यहाँ छिपना संभव नहीं है।

रेड रोज़ वालों ने जल्दी ही समझ लिया था कि वह ज़रूर फ्रेडरिक के घर में घुस गया होगा, और अब वे जल्दी-जल्दी उसके पीछे वहाँ पहुँचे। बेंका सबसे पहले आसानी से अंदर घुस गया।

"अब तो, तुम बदमाश, रंगे हाथों पकड़े गए!" वह चिल्लाया।

डॉ. फोर्सबर्ग मुड़े और अपने बेटे के लाल पड़े चेहरे में सीधे देखने लगे। "क्या तुम मुझसे बात कर रहे हो?" उन्होंने कहा।

बेंका का जबड़ा आश्चर्य से नीचे गिर गया और वह कोई जवाब न दे सका।

"क्या फ्रेडरिक्सन के बीमार कमरे में कोई रिले दौड़ चल रही है," डॉ. फोर्सबर्ग ने आगे कहा, "या फिर तुम इस रात के समय यहाँ क्यों दौड़-भाग कर रहे हो?"

“मैं... मैं तो बस यह देखने आया था कि आप अपने चक्कर लगा रहे हैं या नहीं,” बेंका हकलाया।

“हाँ, मैं अपने चक्कर लगा रहा हूँ,” उसके पिता ने उसे आश्वस्त किया। “तुमने सच में उस बदमाश को रंगे हाथों पकड़ लिया है, जैसा तुम कहते हो। लेकिन अब मैं खत्म कर चुका हूँ, और हम साथ घर चलेंगे।”

“ओह, लेकिन पिताजी – ” बेंका निराशा में चिल्लाया।

लेकिन डॉ. फोर्सबर्ग ने अपना मेडिकल बैग एक दृढ़ आवाज़ के साथ बंद किया, फिर हल्के मगर मजबूती से बेंका के सुनहरे घुँघराले बालों को पकड़ लिया।

“चलो अब, बेटे,” उन्होंने कहा। “शुभ रात्रि, फ्रेडरिक! तुम कुछ देर के लिए अकेले नहीं रहोगे, मैं वादा करता हूँ।”

बिल थोड़ी दूरी पर खड़ा था जबकि यह बातचीत चल रही थी, और धीरे-धीरे उसके चेहरे पर एक चौड़ी मुस्कान फैल गई। क्या – वह जैसे ही बाहर जाने वाला था बेनका ने उसे रंगे हाथ पकड़ लिया।

“अब बच के कहाँ जाओगे?” डॉक्टर फोर्सबर्ग बोले,” तुम यह क्या कर रहे हो? कोई रेस लगा रहे थे इधर? मेरा काम हो गया है अब घर चलो मेरे साथ।”

और वे बेनका को अपने साथ ले गये, अपनी गाड़ी में। बिल फिर एक अलमारी में छिप गया। बेंका के लिए कितना बड़ा झटका, क्या ही जबरदस्त झटका! अपने ही पिता की बाँहों में जा गिरना! अपने पापा के साथ घर ले जाया जाना, जैसे कोई छोटा बच्चा! जैसे ही वह बिल पर हाथ रखने वाला था – “चलो अब, बेटे” – बेंका को उन शब्दों को ‘वॉर ऑफ़ द रोज़ेस’ के दौरान कई बार निगलना पड़ेगा। अब और कुछ कहने की जरूरत नहीं थी।

और बेंका, अपने पिता की मजबूत बाँह द्वारा दरवाज़े तक अनिवार्य रूप से ले जाए जाते हुए, इस घटना की पूरी विशालता को समझ गया। उसने वहीं तय कर लिया कि वह शहर के अखबार के संपादक को एक पत्र लिखेगाः “क्या माता-पिता ज़रूरी हैं?” निस्संदेह वह अपने पिता और माँ दोनों को बहुत पसंद करता था, लेकिन जिस

अविश्वसनीय सटीकता से माता-पिता सबसे अनुपयुक्त समय पर प्रकट हो जाते हैं, वह सबसे धैर्यवान बच्चे को भी निराश कर सकती है।

सिक्सटेन और जॉनी हाँफते हुए बाहर सड़क पर पहुँचे, और बेंका किसी तरह उनसे फुसफुसाकर कह पाया, "वह अंदर है।"

फिर बेंका को इंतज़ार कर रही गाड़ी तक ले जाया गया – क्यों, ओह क्यों, उसने इसे पहले क्यों नहीं देखा था – और सिक्सटेन और जॉनी की आँखें उसके पीछे असीम दया से उसे देखती रहीं।

"बेचारा बच्चा," जॉनी ने गहरी साँस लेकर कहा।

लेकिन फिर आहें भरने और सहानुभूति के लिए समय नहीं था। तीन गुना संकट व्हाइट रोज़ पर अभी भी मंडरा रहा था! बिल पकड़ा जाने वाला था, और बहुत जल्द।

सिक्सटेन और जॉनी फ्रेडरिक के पास अंदर दौड़े। लेकिन बिल कहीं दिखाई नहीं दिया।

"हेलो, सिक्सटेन, और तुम, छोटे जॉनी," फ्रेडरिक ने कहा – थकी हुई आवाज़ में, "तुम्हें मेरे पेट की गुड़गुड़ाहट सुननी चाहिए। बीमार और दुखी... "

"फ्रेडरिक, क्या तुमने बिल को देखा है?" सिक्सटेन ने बीच में टोका।

"बिल! हाँ, वह थोड़ी देर पहले यहाँ था। वह खिड़की से कूद गया," फ्रेडरिक ने हल्की मुस्कान के साथ कहा।

तो यही बात थी – वह बदमाश खिड़की के रास्ते भाग निकला था! फ्रेडरिक की खिड़कियाँ खुली थीं, दोनों ही, क्योंकि डॉ. फोर्सबर्ग ने सोचा था कि हवा लगना ज़रूरी है। और गंदे परदे, जो कभी सफेद हुआ करते थे, शाम की हवा में फड़फड़ा रहे थे।

"चलो!" जॉनी चिल्लाया। "उसके पीछे! यह कुछ ही सेकंड की बात है!" और वह जल्दबाज़ी में खुद खिड़की से बाहर कूद गया।

जैसा उसने कहा था, यह सचमुच कुछ ही सेकंड की बात थी। तुरंत बाद एक - छपाक! और एक चीख सुनाई दी। यहाँ तक कि जॉनी, जो रास्कल हिल की पहाड़ी

पर पैदा हुआ था, यह भूल गया था कि फ्रेडरिक की झोपड़ी खाड़ी के बिलकुल पास थी।

"अब बाहर आ सकते हो, बिल," फ्रेडरिक ने कमजोर आवाज़ में कहा। "बाहर आओ और मेरे पेट की गुड़गुड़ाहट सुनो।"

तो बिल अलमारी से बाहर निकला, खुशी से खिलखिलाते हुए। वह खिड़की की ओर भागा और बाहर झुक गया।



"तुम तैर सकते हो न?" उसने चिल्लाकर कहा। "या मैं तुम्हारे लिए कॉर्क का

तकिया लाऊँ?"

"बस अपना खाली सिर ही फेंक दो, बेवकूफ – कोई भी उस पर तैर सकता है," सिक्सटेन ने गुस्से में चिल्लाया, और पानी की एक तेज धार बिल के मुस्कुराते चेहरे पर जा पड़ी।

बिल ने बिना किसी चिंता के अपने चेहरे से ज़्यादातर पानी पोंछ दिया और कहा, "लगता है – पानी अच्छा और गर्म लग रहा है। तुम्हें एक लंबी, ताज़गी देने वाली तैराकी करनी चाहिए।"

"नहीं, तुम अंदर मेरे पास आ जाओ," फ्रेडरिक ने कमजोर आवाज़ में पुकारा। "अंदर आओ और मेरे पेट की गुड़गुड़ाहट सुनो।"

बिल ने फ़ेड्रिक से जाने की अनुमति ली और घर चला गया। लेकिन अब पीछा खत्म हो चुका था। रेड रोज़ वालों को समझ आ गया कि बिल फिर बच निकला है।

बिल खुशी-खुशी घर की ओर भागा।

लिसांडर, बेकर की बेकरी के ऊपर बने अटारी में व्हाइट रोज़ का मुख्यालय था। वहाँ पहुँचने के लिए रस्सी पकड़कर ऊपर चढ़ना पड़ता था। सीढ़ी भी थी, लेकिन व्हाइट रोज़ के योद्धा कभी साधारण रास्ता नहीं अपनाते थे। बिल रस्सी पकड़कर ऊपर चढ़ गया। एंडर्स और ईवा-लॉट्टा दरवाज़े पर उसका इंतज़ार कर रहे थे।

"तो तुम बच निकले!" एंडर्स ने खुश होकर कहा।

"रुको, अभी पूरी कहानी सुनो," बिल ने जवाब दिया।

टॉर्च की हल्की रोशनी में तीनों दोस्त फर्श पर बैठ गए और बिल ने अपना रोमांचक अनुभव सुनाया।

जब कहानी खत्म हुई तो एंडर्स बोला, "बहुत अच्छा काम किया!"

ईवा-लॉट्टा मुस्कराई।

"मुझे लगता है युद्ध के पहले ही दिन व्हाइट रोज़ ने अच्छा प्रदर्शन किया है।" उसी समय नीचे से आवाज़ आई – "ईवा-लॉट्टा! अगर तुम तुरंत नीचे आकर सोने नहीं

गई तो मैं तुम्हारे पिता को भेज दूँगी!"

ईवा-लॉट्टा ने जवाब दिया, "हाँ मम्मी, अभी आती हूँ!"

तीनों दोस्त हँसते हुए उठे।

और उस रात व्हाइट रोज़ के योद्धा अपने-अपने घर चले गए।

अध्याय सात



क्या दुनिया में कोई जगह इस छोटे से कस्बे से भी ज़्यादा सुस्त और नीरस हो सकती है? श्रीमती लिसान्डर ने सोचा। लेकिन इस भयंकर गर्मी में भला कुछ हो भी कैसे सकता था?

वह बाज़ार में एक दुकान से दूसरी दुकान तक धीरे-धीरे टहलती चली जा रही थीं, और सामने सजे सामानों को बिना विशेष ध्यान दिए देखती हुई कुछ चुन रही थीं। आज मेला-दिन था। सड़कों और बाज़ार में भीड़ थी; पूरे कस्बे को चहल-पहल और जीवन से भरा होना चाहिए था। पर ऐसा कुछ नहीं था। सब कुछ अपनी ही ढर्रे पर

उनींदा-सा चल रहा था।

कचहरी के सामने बने छोटे से फव्वारे का पानी कांसे के शेरों के मुंह से धीरे-धीरे, मानो नींद में बह रहा था। वे शेर भी उतने ही सुस्त लग रहे थे। नाले के किनारे वाले कैफ़े में धीमा, उनींदा संगीत बज रहा था – जैसे सुबह के बीचों-बीच कोई लोरी सुनाई दे रही हो। मेज़ों के बीच गिरे केक के टुकड़ों को चुगती गौरैयाँ भी बस कभी-कभार आलस से फुदकती थीं; सच तो यह था कि वे भी उतनी ही उनींदी लग रही थीं जितनी बाकी सब चीज़ें।

"सब कुछ कितना उनींदा है," श्रीमती लिसान्डर ने सोचा। लोगों में हिलने-डुलने की ताक़त तक नहीं बची थी। वे छोटे-छोटे झुंडों में खड़े होकर सुस्त ढंग से बातें कर रहे थे, और जब कुछ कदम चलना पड़ता, तो वे भी बहुत धीरे और अनमने ढंग से चलते। इसमें कोई संदेह नहीं था कि इसकी वजह यह भयंकर गर्मी ही थी।

जुलाई के उस आख़िरी बुधवार को सचमुच असहनीय गर्मी थी। श्रीमती लिसान्डर को वह दिन हमेशा याद रहने वाला था – उनके जीवन के सबसे गर्म दिनों में से एक। पूरा महीना असामान्य रूप से सूखा और तपता हुआ रहा था, और ऐसा लगता था जैसे जुलाई अपने अंत से पहले इसी दिन अपना ही रिकॉर्ड तोड़ देना चाहता हो।

"लगता है तूफ़ान आने वाला है," लोग आपस में कह रहे थे। गाँव से घोड़ों और बग्गियों में आए कई लोग जल्दी घर लौट जाने की सोच रहे थे, ताकि तूफ़ान में फँसने का जोखिम न उठाना पड़े।

श्रीमती लिसान्डर ने एक किसान से बची हुई आख़िरी सफ़ेद दिल वाली चेरी ख़रीदी। वह किसान जल्दी घर लौटने की तैयारी में था।

उन्होंने चेरी का थैला अपनी टोकरी में डाल लिया और अच्छे सौदे से संतुष्ट होकर आगे बढ़ीं। तभी ईवा-लोट्टा दौड़ती हुई आई और उनके सामने आकर खड़ी हो गई।

"कम-से-कम यह तो उनींदी नहीं है," श्रीमती लिसान्डर ने मन ही मन सोचा। उन्होंने स्नेह से अपनी बेटी को देखा – उसका प्रसन्न चेहरा, चमकते और बिखरे बाल, और उसकी लंबी भूरी टाँगें, जो उसके ठंडे, ताज़ा इस्त्री किए हुए ग्रीष्मकालीन वस्त्र के

नीचे से झाँक रही थीं। "मैंने आपको चेरी खरीदते देखा," ईवा-लोट्टा ने कहा। "क्या मिस लिसान्डर को उनमें से थोड़ी मिल सकती हैं?"

"मुझे पूरा विश्वास है कि मिस लिसान्डर को कुछ चेरी मिल सकती हैं," उसकी माँ ने मुस्कराकर कहा। उन्होंने थैला खोला, और ईवा-लोट्टा ने अपने हाथ उन लाल-पीले, सुगंधित फलों से भर लिए।

"वैसे तुम जा कहाँ रही हो?" श्रीमती लिसान्डर ने पूछा।

"यह मैं नहीं बता सकती," ईवा-लोट्टा ने जवाब दिया और एक चेरी का बीज थूक दिया।

"मैं एक गुप्त मिशन पर हूँ – बहुत ही गुप्त मिशन!"

"अच्छा, सच में! बस इतना ध्यान रखना कि खाने के समय देर न हो जाए।"

"आप मुझे क्या समझती हैं?" ईवा-लोट्टा ने हँसते हुए कहा। "मैं तो तब से कभी देर नहीं हुई, जब मेरे नामकरण के दिन दलिया छूट गया था।"

श्रीमती लिसान्डर मुस्कराईं। "मैं तुमसे प्यार करती हूँ," उन्होंने कहा।

ईवा-लोट्टा ने सहमति में सिर हिलाया। और चौक पार करती हुई आगे बढ़ गई, पीछे चेरी के बीजों की एक छोटी-सी पगडंडी छोड़ती हुई।

उसकी माँ कुछ देर वहीं खड़ी रहकर उसे देखती रहीं। अचानक उनके दिल में एक हल्की-सी चिंता उठी। लड़की कितनी दुबली लग रही थी, कितनी छोटी और असहाय! अभी कुछ ही समय पहले तो वह बच्ची थी, दलिया खाती थी, और अब "गुप्त मिशनों" पर भागती फिर रही थी – क्या यह ठीक था, या उसे और अधिक ध्यान देने की ज़रूरत थी?

श्रीमती लिसान्डर ने गहरी साँस ली और धीरे-धीरे घर की ओर चल पड़ीं। उन्हें डर था कि यह असहनीय गर्मी उन्हें पागल न कर दे; ऐसे में घर के भीतर रहना ही बेहतर था।

पर ईवा-लोट्टा को गर्मी का ज़रा भी एहसास नहीं हो रहा था। वह इसका आनंद ले

रही थी – जैसे उसे सड़कों की चहल-पहल और चेरी का मीठा रस भी अच्छा लग रहा था। आज मेला-दिन था, और उसे ऐसे दिन बहुत प्रिय थे। सच तो यह था कि उसे लगभग हर दिन अच्छा लगता था – सिवाय उन दिनों के, जब स्कूल में सुई-धागे का काम करना पड़ता था। और अब तो लंबी छुट्टियाँ चल रही थीं – भगवान का शुक्र है!

वह आराम से चौक पार करके लिटिल स्ट्रीट की ओर बढ़ी, कैफ़े-गार्डन से निकलती हुई और फिर नाले के पुल की ओर। सच कहें तो उसे "मौज-मस्ती के बीच" से निकलना बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था, लेकिन वह एक गुप्त मिशन पर थी, इसलिए उसे आगे बढ़ना ही था।

उसे आदेश दिया गया था कि वह "ग्रेट मुम्बो" को सुरक्षित स्थान पर पहुँचाए। पूछताछ के दौरान लगभग यह पता चल ही गया था कि वह कहाँ छिपा है।

और यह निश्चित था कि दुश्मन उस रास्ते के हर इंच की तलाश कर चुके होंगे जो मैनर के पीछे जाता था। फिर भी, चूँकि अब तक कोई जीत की आवाज़ नहीं सुनाई दी थी, यह मानना सुरक्षित था कि ग्रेट मुम्बो अभी भी वहीं है – एक बड़ी चट्टान की दरार में, साफ़ दिखाई देता हुआ।

आज मेला-दिन होने के कारण बाकी लड़के खेलों में व्यस्त होंगे, इसलिए ईवा-लोट्टा के पास यह मौका था कि वह बिना किसी बाधा के उसे वहाँ से हटा सके।

नया छिपाने का स्थान तय था – खंडहर किले में, आँगन के कुएँ के पास। इसका अर्थ था कि उसे इस झुलसा देने वाली गर्मी में मैदान पार करना होगा, फिर पूरे शहर से होकर वापस जाना होगा, और फिर उस ऊँचाई तक चढ़ना होगा जहाँ खंडहर स्थित था।

यह काम आसान नहीं था – पर ईवा-लोट्टा समर्पित थी।

यह सोचना शायद काफी होता कि वह ग्रेट मुम्बो को ले आए और बस उसे अपनी जेब में रख ले, कम-से-कम तब तक जब तक मौसम थोड़ा ठंडा न हो जाए। लेकिन अगर तुम ऐसा सोचते, तो यह सिर्फ यह दिखाता कि तुम्हें ग्रेट मुम्बो और रेड और वाइट रोज़ेस के बीच के युद्ध के बारे में ज़रा भी समझ नहीं है।

ईवा-लोट्टा को इस मिशन के लिए क्यों चुना गया था? क्या नेता बिल को नहीं भेज सकता था? नहीं, क्योंकि उसके कठोर पिता ने बिल को इस व्यस्त दिन पर किराने की दुकान में एक दौड़-धूप करने वाले लड़के और अतिरिक्त सहायक के रूप में काम पर लगा दिया था, जब किसान अपने भंडार भरने के लिए शहर आ रहे थे – संरक्षण के लिए चीनी, कॉफी और नमकीन हेरिंग खरीदने। तो क्या नेता खुद नहीं जा सकता था? नहीं, क्योंकि नेता को अपने पिता की जूते मरम्मत की दुकान की देखभाल करनी थी। मोची बेंग्टसन को मेले के दिनों और ऐसे ही अन्य महत्वपूर्ण दिनों पर काम करना पसंद नहीं था।

ऐसे मौकों पर वह छुट्टी ले लेता था और "जश्न मनाता" था। लेकिन वह सिर्फ इस वजह से दुकान बंद नहीं कर सकता था। कोई ग्राहक जूते छोड़ने आ सकता था, और कोई उन्हें लेने भी आ सकता था, भले ही वह मेले का दिन हो। इसलिए उसने जोर-जोर से घोषणा कर दी थी कि अगर उसका बेटा पाँच मिनट के लिए भी दुकान से गायब होने की हिम्मत करेगा, तो वह उसकी खूब पिटाई करेगा।

इसलिए ईवा-लॉट्टा, जो वाइट रोज़ेस की समर्पित योद्धा थी, इस मिशन के लिए चुनी गई – यह गुप्त और गंभीर मिशन था, पूजनीय ग्रेट मुम्बो को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचाने का।

एक छिपने की जगह से दूसरी जगह तक ले जाना, यह कोई साधारण काम नहीं था, बल्कि एक अनुष्ठान जैसा कार्य, एक मिशन था। फिर क्या फर्क पड़ता था कि प्रेयरी के ऊपर सूरज तेज़ी से तप रहा था और नीले-काले घने बादल क्षितिज पर इकट्ठा हो रहे थे? क्या फर्क पड़ता था कि वह मेले की चहल-पहल में हिस्सा नहीं ले सकती थी, कि उसे "बीचों-बीच" से निकलना पड़ रहा था – क्योंकि वह वही कर रही थी, पुल पार करके प्रेयरी की ओर जा रही थी, है न?

क्या सचमुच? नहीं, गतिविधियों का केंद्र हमेशा बाज़ार के बीच में नहीं होता। उस दिन चीज़ों का केंद्र किसी बिल्कुल अलग जगह पर था।

और ईवा-लोट्टा अपनी नंगी भूरी टांगों के साथ उसी की ओर सीधे बढ़ रही थी।

वे बादल सचमुच डरावने लग रहे थे। नीले-काले, भयानक – वे सच में डर पैदा करते थे। ईवा-लोट्टा धीरे-धीरे चल रही थी, क्योंकि यहाँ प्रेयरी में इतनी गर्मी थी कि हवा तक कांपती-सी लग रही थी।

ओह, प्रेयरी कितनी विशाल और चौड़ी थी – उसे पार करने में मानो युग लग जाए! लेकिन ईवा-लोट्टा वहाँ अकेली नहीं थी, जलती धूप में चलते हुए। वह लगभग खुश हो उठी, जब उससे काफी आगे उसने बूढ़े ग्रीन को देखा। ग्रीन को पहचानने में कोई गलती नहीं हो सकती थी; शहर में और कोई उस तरह लंगड़ाता नहीं था। ग्रीन भी, ऐसा लगता था, मैनर की ओर ही जा रहा था।

अहा, वह हेज़ल की झाड़ियों के बीच उस छोटी-सी पगडंडी पर मुड़ गया – और ईवा-लोट्टा की नज़र से ओझल हो गया।

जहोशाफट, क्या यह हो सकता है कि वह भी ग्रेट मुम्बो के पीछे पड़ा हो! इस विचार पर वह खुद ही खिलखिला उठी। लेकिन वह तुरंत रुक गई और धूप की धुंध में आँखें सिकोड़कर देखने लगी। दूसरी दिशा से कोई आ रहा था – कोई ऐसा व्यक्ति जो साफ़ तौर पर इस शहर का नहीं था, क्योंकि वह उस सड़क पर चल रहा था जो मैनर के पास से होकर गाँव की ओर जाती थी। अरे, देखो तो, वह हरे गैबार्डीन पैंट वाला आदमी ही था!

निश्चय ही, आज बुधवार था। आज ही का दिन था जब उसे अपने "IOU" (उधारी के पर्चे) चुकाने थे – चाहे इसका मतलब कुछ भी हो। ईवा-लोट्टा सोचने लगी कि यह काम कैसे किया जाता होगा, उधारी के पर्चे चुकाना। ओह, धत्, पैसा उधार देना और इस तरह के काम – यह सब बहुत जटिल मामला था। बड़े लोग कैसी-कैसी बेकार की चीज़ों में लगे रहते हैं! "हम हमेशा वाली जगह पर मिलेंगे," उसने कहा था, उस गैबार्डीन वाले आदमी ने। तो क्या वह जगह यही थी! क्या यह ज़रूरी था कि वह ठीक वहीं हो जहाँ ग्रेट मुम्बो था? क्या कोई और झाड़ियाँ नहीं थीं जहाँ वे मिलकर अपने पैसों के मामलों पर बात कर सकते? नहीं, जाहिर है नहीं। अब वह गैबार्डीन पैंट वाला भी हेज़ल की झाड़ियों के बीच उस पगडंडी पर मुड़ रहा था।

ईवा–लोट्टा और भी धीरे चलने लगी। उसे कोई खास जल्दी नहीं थी, और बेहतर यही होगा कि वह आदमी शांति से अपने IOU चुकता कर ले, इससे पहले कि वह ग्रेट मुम्बो को वहाँ से हटाए। इंतज़ार करते हुए वह कुछ देर के लिए मैनर में चली गई और वहाँ के कोनों–खांचों से खुद को परिचित कर लिया। शायद मैनर जल्द ही फिर से युद्ध का मैदान बनने वाला था; ऐसे में यहाँ का रास्ता अच्छी तरह जान लेना समझदारी होती।

उसने पीछे की खिड़की से बाहर देखा। अरे, पूरा आसमान काला हो गया था! सूरज गायब हो चुका था, और दूर कहीं डरावनी गरज सुनाई दे रही थी। अब पूरी प्रेयरी अजीब–सी और सुनसान लग रही थी। उसे जल्दी करनी होगी – ग्रेट मुम्बो को लेना होगा और यहाँ से निकल जाना होगा! और वह दरवाज़े से बाहर दौड़ पड़ी – जितनी तेज़ वह दौड़ सकती थी, वह हेज़ल की झाड़ियों के बीच पगडंडी पर दौड़ती गई, और पूरे समय उसे गरजते बादलों की भयावह गड़गड़ाहट सुनाई देती रही। वह दौड़ती ही गई... नहीं, अब वह अचानक उलझन में रुक गई। वह सीधे किसी से टकरा गई थी, जो दूसरी दिशा से उसी पगडंडी पर आ रहा था – कोई ऐसा जो उतनी ही जल्दी में था जितनी वह खुद थी।

पहले तो उसने सिर्फ गहरे हरे गैबार्डीन की पतलून और सफेद कमीज़ देखी, लेकिन फिर उसने आँखें उठाईं और उसका चेहरा देखा। ओह, कैसा चेहरा – इतना पीला और पीड़ा से भरा हुआ; क्या यह हो सकता है कि इतना बड़ा आदमी आंधी–तूफान से इतना डर गया हो? ईवा–लोट्टा को लगभग उस पर दया आने लगी।

लेकिन ऐसा नहीं लगा कि वह उससे कोई लेना–देना रखना चाहता हो। उसने उस पर एक तेज़ नज़र डाली – एक साथ डरा हुआ और गुस्से में – और जल्दी से उस संकरी पगडंडी पर उसे पार करके निकल गया।

ईवा–लोट्टा को इस तरह देखा जाना अच्छा नहीं लगा, जैसे वह कोई अप्रिय चीज़ हो। वह इस बात की आदी थी कि लोग उसे देखकर मुस्कुरा उठते थे। और वह नहीं चाहती थी कि वह आदमी बिना किसी तरह यह जाने कि वह एक मिलनसार व्यक्ति

है, यूँ ही चला जाए – और वह भी चाहती थी कि उसके साथ वैसा ही व्यवहार किया जाए।

"क्या आप बता सकते है कि अभी कितना समय हुआ है?" उसने विनम्रता से कहा, सिर्फ कुछ कहने के लिए और उसे यह दिखाने के लिए कि... खैर, कि वे सभ्य लोग हैं, भले ही वे झाड़ियों के बीच आपस में टकरा गए थे।

उस आदमी ने चौंककर कदम रोका और अनिच्छा से ठहर गया। पहले तो ऐसा लगा जैसे वह उसके सवाल का जवाब देना ही नहीं चाहता, लेकिन अंत में उसने अपनी कलाई घड़ी की ओर देखा और अस्पष्ट-सा बुदबुदाया, "पौने दो।"

फिर वह जल्दी से आगे बढ़ गया। ईवा-लोट्टा उसकी ओर देखती रह गई। उसने देखा कि उस आदमी की एक जेब से बहुत-से कागज़ बाहर झाँक रहे थे – हरे गैबार्डीन पैंट की जेब से। फिर वह चला गया। लेकिन ज़मीन पर एक सफेद, मुड़ा-तुड़ा कागज़ पड़ा था – वह उसे अपनी जल्दी में गिरा गया था।

ईवा-लोट्टा ने उसे उठाया और उत्सुकता से देखने लगी। उसके ऊपर "IOU" लिखा हुआ था। आह, तो यह होता है एक IOU! क्या ऐसी चीज़ के लिए इतना हंगामा मचाने की ज़रूरत थी?

तभी एक जोरदार गरज हुई – भयंकर कड़क – और ईवा-लोट्टा डर के मारे उछल पड़ी। वह वास्तव में बिजली-गरज से नहीं डरती थी, लेकिन इस समय, इस पल, प्रेयरी में अकेले होना! सब कुछ अचानक बहुत ही अप्रिय लगने लगा। यहाँ झाड़ियों के बीच बहुत अंधेरा हो गया था। और हवा में ही कुछ डरावना और अशुभ-सा था। काश, वह अभी घर पर होती! उसे जल्दी करनी होगी, बहुत जल्दी।

लेकिन पहले, ग्रेट मुम्बो! वाइट रोज़स की एक योद्धा... अपना कर्तव्य निभाती है, चाहे उसका दिल डर के मारे गले तक ही क्यों न आ जाए। उस चट्टान तक बस कुछ ही कदम थे। बस उन झाड़ियों के पार ही।

ईवा-लोट्टा दौड़ी... शुरुआत में उसके होंठों से बस एक तरह की कराह निकल रही

थी। वह एकदम स्थिर खड़ी रह गई, घूरती हुई और हल्की सिसकियों जैसी आवाज़ें निकालती हुई। शायद, ओह शायद यह सब सिर्फ एक सपना ही हो! शायद वहाँ कुछ भी न हो... कोई भी उस चट्टान के पास पड़ा न हो...

फिर उसने अपने हाथ चेहरे पर रख लिए, मुड़ी और दौड़ पड़ी। उसके गले से अजीब, भयानक आवाज़ें निकल रही थीं। वह दौड़ती रही, जबकि उसके पैर उसके नीचे काँप रहे थे। उसे न तो गरज की आवाज़ सुनाई दी और न ही उस पर बरसती बारिश का एहसास हुआ, न ही उसने ध्यान दिया कि हेज़ल की टहनियाँ उसके चेहरे से टकरा रही थीं। वह वैसे ही दौड़ रही थी, जैसे कभी-कभी सपनों में दौड़ते हैं – अज्ञात डर के पीछे पड़े होने के कारण।

प्रेयरी के पार। पुल के ऊपर से। उन जानी-पहचानी गलियों से होकर, जो अब अचानक बारिश में खाली और सुनसान हो गई थीं। घर! घर! आखिरकार! उसने बगीचे का फाटक धक्का देकर खोल दिया। वहाँ बेकरी थी, और उसके पिताजी। वह अपने सफेद बेकरी वाले कपड़ों में अपनी तश्तरियों के सामने खड़े थे। वह हमेशा की तरह बड़े और शांत थे, और उनके पास जाते ही तुम आटे से लथपथ हो जाते थे। पिताजी वही पुराने पिताजी थे, भले ही बाकी दुनिया डरावनी, बदली हुई और अब रहने लायक न रही हो। ईवा-लोट्टा खुद को बेखुदी में उनकी बाँहों में झोंक दिया, उनसे कसकर लिपट गई, ... उसने अपनी बाँहें उसके गले के चारों ओर बहुत कसकर डाल दीं, अपने आँसुओं से भीगे चेहरे को उसके कंधे में छिपा लिया, और कमजोर आवाज़ में रोते हुए बोली, "पापा! मदद कीजिए! बूढ़े ग्रीन... "

"मेरी प्यारी बच्ची, बूढ़े ग्रीन को क्या हुआ है?"

और उससे भी कमजोर, और भी काँपती हुई आवाज़ में उसने कहा, "वह... वह वहाँ प्रेयरी में मरा हुआ पड़ा है।"

अध्याय आठ

क्या यही वह शहर था जो इतना शांत, सुकूनभरा और नींद-सा लगता था?

अब ऐसा बिल्कुल नहीं था। एक ही घंटे के भीतर सब कुछ बदल गया था। पूरा शहर मधुमक्खी के छत्ते की तरह गूंज रहा था – पुलिस की गाड़ियाँ आ-जा रही थीं, टेलीफोन लगातार बज रहे थे, लोग आपस में बातें कर रहे थे, तरह-तरह के अनुमान लगा रहे थे, उत्साहित भी थे और हैरान भी। वे कांस्टेबल बर्क से पूछ रहे थे कि क्या यह सच है कि हत्यारे को पहले ही पकड़ लिया गया है।

और फिर वे सिर हिलाकर कहते, "जरा सोचो, यह बेचारे बूढ़े ग्रीन के साथ हुआ है... अरे, खैर... लेकिन, वैसे भी उसके बंदर वाले काम के बारे में बातें तो होती रही हैं, तो शायद यह इतना अजीब भी नहीं है... फिर भी... किसी भी हालत में... यह बहुत ही बुरा मामला है!"

जल्दी ही लोगों की भीड़ प्रेयरी की ओर उमड़ पड़ी। मैनर के आसपास का पूरा इलाका पुलिस ने घेर लिया था; किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं थी। बहुत ही तेजी से शहर की पुलिस ने अपने लोगों को घटना-स्थल पर तैनात कर दिया था।

अपराध की जाँच पूरी तेजी से चल रही थी। हर चीज़ की तस्वीरें ली जा रही थीं, जमीन के हर इंच की जांच की जा रही थी, और हर निरीक्षण को दर्ज किया जा रहा था।

क्या हत्यारे के कोई निशान थे – पदचिह्न या ऐसा कुछ? नहीं, कुछ भी नहीं! अगर कुछ होता भी, तो तेज बारिश ने उसे धो दिया होता। वहाँ तो इतना भी नहीं था कि एक सिगरेट का टुकड़ा ही मिल जाए, जिससे अपराधी के बारे में कोई सुराग मिल

सके।

जिस न्यायिक चिकित्सक ने शव का पोस्टमार्टम किया था, वह यह निश्चित कर सका कि ग्रीन को पीछे से गोली मारकर हत्या की गई थी। बूढ़े आदमी का बटुआ और घड़ी वैसे ही पड़े थे, उन्हें छुआ भी नहीं गया था। इससे यह मामला चोरी का नहीं लगता था।

पुलिस इंस्पेक्टर उस छोटी लड़की से पूछताछ करना चाहता था जिसने इस भयानक घटना की खोज की थी, लेकिन डॉ. फोर्सबेर्ग ने इसकी अनुमति नहीं दी। लड़की को गहरा सदमा लगा था और उसे परेशान नहीं किया जाना चाहिए था।

इंस्पेक्टर को यह मानना पड़ा, लेकिन वह इस देरी को लेकर चिंतित दिख रहा था। हालांकि, डॉ. फोर्सबेर्ग ने उसे बताया कि लड़की रोती रही थी और बार-बार कह रही थी, "उसने हरे गैबार्डीन के पैंट पहन रखे थे!"

स्पष्ट था कि वह हत्यारे की ही बात कर रही थी। लेकिन केवल गैबार्डीन के पैंट के आधार पर किसी व्यक्ति का हुलिया बताकर खोज शुरू करना आसान नहीं था। अगर सच में वही आदमी हत्यारा था जिसे लड़की ने देखा था – जिस पर इंस्पेक्टर को पूरी तरह विश्वास नहीं था – तो अब तक उसने अपने कपड़े बदल लिए होंगे।

फिर भी, सावधानी के तौर पर इंस्पेक्टर ने सभी पुलिस स्टेशनों को तार (टेलीग्राम) भेज दिया, उन्हें निर्देश देते हुए कि वे... उनसे कहा गया कि वे हर उस व्यक्ति पर नज़र रखें जिसने हरे गैबार्डीन के पैंट पहन रखे हों और जो किसी भी तरह संदि लगे। इसके अलावा करने के लिए कुछ खास नहीं था, सिवाय इसके कि नियमित जाँच जारी रखी जाए और उस लड़की के ठीक होने का इंतज़ार किया जाए, ताकि उससे विस्तार से पूछताछ की जा सके।

ईवा-लॉट्टा अपनी माँ के बिस्तर पर लेटी हुई थी – वह जगह जहाँ वह खुद को सबसे ज्यादा सुरक्षित महसूस करती थी। डॉ. फोर्सबेर्ग उसे देखने आए थे और उन्होंने एक दवा दी थी जिससे उसे बिना बुरे सपनों के नींद आ सके। माँ और पिताजी ने भी वादा किया था कि वे पूरी रात उसके पास बैठकर उसकी देखभाल करेंगे।

लेकिन फिर भी... बार-बार वही ज़िद्दी विचार उसके दिमाग में आ रहे थे। ओह, काश वह कभी मैनर गई ही न होती! अब सब कुछ बिगड़ गया था। दुनिया में अब कोई खुशी नहीं रह जाएगी। कैसे रह सकती है, जब लोग एक-दूसरे के साथ इतने भयानक काम करते हैं?

बेशक, वह पहले भी जानती थी कि ऐसी बातें होती हैं, लेकिन वह उन्हें अब की तरह महसूस नहीं करती थी। यह सोचकर ही उसे बहुत बुरा लग रहा था कि वह और ऐन्डर्स, बिल के साथ मज़ाक करते थे और "हत्यारों" की बातें करते थे, जैसे कि वह कोई मज़ेदार चीज़ हो, जिस पर हँसा जा सके!

अब यह याद करना ही असहनीय था। वह फिर कभी ऐसा नहीं करेगी। ऐसे शब्द मज़ाक में भी नहीं कहने चाहिए, क्योंकि शायद उसी से बुराई को बुलावा मिल जाता है और फिर वह सच में घटित हो जाती है। सोचो, अगर यह उसकी गलती होती कि ग्रीन... कि ग्रीन... नहीं, वह इस बारे में सोचना भी नहीं चाहती थी।

लेकिन अब वह बदल जाएगी – हाँ, सच में बदल जाएगी! जैसा कि मिस्टर बर्क ने कहा था, वह अब और अधिक समझदार और परिपक्व बनेगी।

क्या वह फिर कभी वार ऑफ द रोज़ेज़ में हिस्सा लेगी? आखिर, क्या इसी खेल की वजह से वह इस भयानक घटना में उलझी नहीं थी – ऐसी बात जिसमें वह अब कभी सोचना भी नहीं चाहेगी, चाहे उसका सिर ही क्यों न फट जाए!

नहीं, उसके लिए अब वह खेल खत्म हो चुका था। वह अब कभी नहीं खेलेगी – कभी भी नहीं! ओह, अब उसके लिए सब कुछ कितना उदास और नीरस होने वाला था! उसकी आँखों में फिर से आँसू भर आए, और उसने अपनी माँ का हाथ कसकर पकड़ लिया।

"माँ, मुझे बहुत बूढ़ा-सा महसूस हो रहा है," उसने धीरे से कहा और रोने लगी। "मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं लगभग पंद्रह साल की हो गई हूँ!"

फिर वह सो गई। लेकिन गहरी, दयालु नींद में डूबने से पहले उसने सोचा कि इस समय बिल क्या सोच रहा होगा – बिल, जो इतने वर्षों से हत्यारों का पीछा करता

आया था! अब जब वह सच में एक असली हत्यारे से टकरा गया था, तो वह क्या कर रहा होगा?

बिल बर्गसन, महान जासूस, यह बड़ी खबर तब सुन रहा था जब वह अपने पिता की दुकान में काउंटर के पीछे खड़ा होकर एक ग्राहक के लिए अखबार में दो नमकीन हेरिंग मछलियाँ लपेट रहा था।

ठीक उसी समय, रास्काल्स हिल की मिसेज़ कार्लसन दरवाजे से लगभग तूफान की तरह अंदर आ गईं – खबर और उससे होने वाली सनसनी से लगभग फट पड़ने को तैयार! दो ही मिनटों में पूरी दुकान सवालों, आश्चर्य और घबराहट से उबलने लगी।

सारी खरीदारी रुक गई। दुकान में मौजूद सभी लोग मिसेज़ कार्लसन के चारों ओर इकट्ठा हो गए। और वह बोलती ही चली गईं – जो कुछ वह जानती थीं, सब बताया... और उससे भी ज्यादा।

मास्टर जासूस बर्गसन – जिसे समुदाय की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी थी – काउंटर के पीछे खड़ा होकर सब कुछ सुन रहा था। उसने कुछ भी नहीं कहा। उसने कोई सवाल नहीं पूछा। वह जैसे पूरी तरह सुन्न हो गया था।

जब उसने लगभग सब कुछ सुन लिया, तो वह चुपके से स्टोररूम में चला गया और एक खाली चीनी के डिब्बे पर ढह-सा गया।

वह वहाँ काफी देर तक बैठा रहा। क्या उसे अपने कल्पित श्रोता से बात करनी चाहिए थी – क्या यही इस समय सही होता? नहीं, उसने ऐसा कुछ नहीं किया। उसने बिल्कुल भी बात नहीं की, लेकिन बहुत सोचता रहा।

बिल बर्गसन, वह सोच रहा था, तुम एक मूर्ख हो – पूरे के पूरे मूर्ख! मास्टर जासूस! तुम तो मेरे पुराने जूतों से भी ज्यादा बेकार हो। इतने भयानक अपराध हो सकते हैं और तुम काउंटर के पीछे चुपचाप खड़े होकर सामान लपेटते रहते हो।

हाँ, करते रहो – जरूर करते रहो – कम से कम किसी न किसी तरह तुम कुछ तो काम कर ही रहे हो!

वह अपना सिर हाथों में थामे बैठा रहा, गहरी उदासी में डूबा हुआ। ओह, उसे आज

ही किराने की दुकान में क्यों रुकना पड़ा? अगर ऐसा न होता, तो एंडर्स उसी को भेजता। उस स्थिति में वही इस भयानक घटना को सबसे पहले देखता। अरे, शायद वह समय रहते पहुँच भी जाता और उसे रोक भी देता! और फिर उस बदमाश को कानून के हवाले कर देता, कई सख्त चेतावनियों के साथ – जैसा कि वह अपने कल्पनाओं के मामलों में करता था। लेकिन फिर उसने एक आह भरते हुए याद किया कि ऐसी बातें तो आमतौर पर केवल उसकी कल्पना में ही होती थीं। और आखिरकार उसने यह समझा कि वास्तव में क्या हो चुका था। यह बात धीरे-धीरे उसके मन में बैठ गई...

यह बात उसे एक झटके की तरह लगी और उसी क्षण उसके "मास्टर जासूस" बनने की इच्छा समाप्त हो गई। यह कोई बनावटी हत्या नहीं थी, जिसे वह आसानी से सुलझाकर अपनी कल्पना के दर्शकों के सामने शेखी बघार सके। यह हत्या भयानक और डरावनी थी – एक ऐसी घिनौनी सच्चाई, जिसने उसे लगभग बीमार-सा कर दिया।

उसे खुद से घृणा होने लगी, लेकिन साथ ही वह इस बात से खुश भी था – बहुत खुश – कि आज वह ईवा-लॉट्टा की जगह नहीं था। बेचारी ईवा-लॉट्टा!

बिना किसी से अनुमति लिए वह दुकान से बाहर निकल गया। उसे लगा कि उसे जाकर एंडर्स से बात करनी चाहिए। ईवा-लॉट्टा से मिलने की कोशिश करना बेकार था – वह यह समझ चुका था – क्योंकि मिसेज़ कार्लसन ने जोर-जोर से कहा था, "बेकर की लड़की की हालत बहुत खराब है – डॉक्टर उसके पास हैं," – और अब तक पूरे शहर को यह बात पता चल चुकी थी।

लेकिन एंडर्स को कुछ भी पता नहीं था। वह मोची की दुकान में बैठा ट्रेजर आइलैंड (Treasure Island) पढ़ रहा था। सुबह से अब तक कोई भी ग्राहक नहीं आया था, और यह उसके लिए अच्छा ही था, क्योंकि इस समय एंडर्स अपने आप को दक्षिणी समुद्र के किसी द्वीप पर समुद्री डाकुओं के बीच महसूस कर रहा था और आधे तलवों जैसी चीज़ों में उसकी कोई रुचि नहीं थी।

जब बिल ने अचानक दरवाज़ा खोलकर प्रवेश किया, तो एंडर्स उसे ऐसे देखने लगा जैसे उसे एक टांग वाले लॉन्ग जॉन सिल्वर की उम्मीद हो। लेकिन यह देखकर कि वह बिल है, वह खुशी से चौंक पड़ा।

वह अपने मोची के स्टूल से उछलकर खड़ा हो गया और नाटकीय अंदाज़ में जोर से बोला – "फिफ्टीन मैन ऑन अ डेड मैन'स चेस्ट – यो-हो-हो, एंड अ बॉटल ऑफ रम!" बिल कांप उठा।

"इसे बंद करो," उसने कहा। "मैं कहता हूँ, बस करो!"

"मेरे गाने के टीचर भी यही कहते हैं, जैसे ही मैं कोई धुन गाने की कोशिश करता हूँ," एंडर्स ने खुशी-खुशी स्वीकार किया।

बिल कुछ कहने ही वाला था, लेकिन एंडर्स पहले ही बोल पड़ा – "क्या तुमने सुना कि ईवा-लॉट्टा ने ग्रेट मम्बो को अब तक कहीं और ले जाया या नहीं?"

बिल ने उसे नाराज़गी से देखा। एंडर्स को और कितना बकवास निकालना था अपने दिमाग से, ताकि बिल को कुछ कहने का मौका मिल सके?

उसने फिर कोशिश की, लेकिन एंडर्स ने उसे फिर रोक दिया। वह इतने समय तक चुप बैठा रहा था कि अब बोलने की उसकी इच्छा को रोका नहीं जा सकता था। उसने ट्रेजर आइलैंड उठाई और बिल के सामने कर दी।

"अरे, क्या किताब है!" उसने कहा। "इतनी रोमांचक कि रोंगटे खड़े हो जाएँ! कसम से, वो दिन कितने शानदार थे जब हमें जीना चाहिए था! कितने रोमांच होते थे! आजकल तो कुछ भी नहीं होता।"

"ओह, होता है," बिल ने कहा। "तुम्हें पता ही नहीं है कि तुम क्या कह रहे हो।" और फिर उसने एंडर्स को आजकल जो कुछ हो रहा था, सब बता दिया।

यह सुनकर एंडर्स की गहरी आँखें और भी गंभीर हो गईं, जब उसने समझा कि ग्रेट मम्बो को हटाने के उसके आदेश का क्या परिणाम हुआ।

वह तुरंत ईवा-लॉट्टा के पास दौड़ना चाहता था – अगर उसे सांत्वना देने के लिए नहीं, तो कम से कम यह दिखाने के लिए कि उसे अपने किए पर पछतावा है, कि

उसने उसे उस काम के लिए भेजा था।

"लेकिन मैं कैसे जान सकता था कि वहाँ किसी की लाश पड़ी होगी," उसने उदासी से कहा। बिल सामने बैठा था और सोचते हुए मोची की बेंच में लकड़ी के कीलों की एक कतार ठोक रहा था। "नहीं, तुम यह नहीं जान सकते थे," उसने उसे दिलासा दिया। "ऐसी बातें अक्सर नहीं होतीं।"

"नहीं, यही तो बात है," एंडर्स ने कहा। "एक अच्छी बात यह है कि ईवा-लॉट्टा इससे उबर जाएगी, तुम इस पर भरोसा कर सकते हो। कोई और लड़की होती तो वहीं बेहोश हो जाती, लेकिन वह नहीं। तुम देखना – वह पुलिस को बहुत सारे सुराग दे सकेगी।"

बिल ने सिर हिलाया।

"शायद उसने किसी ऐसे आदमी को देखा हो जिसने... जिसने यह किया हो।" एंडर्स सिहर उठा। लेकिन वह बिल जितना ज्यादा विचलित नहीं था। वह एक खुशमिजाज, मिलनसार और बहुत सक्रिय लड़का था; असामान्य घटनाएँ, यहाँ तक कि डरावनी घटनाएँ भी, उसके भीतर कुछ करने की इच्छा को और बढ़ा देती थीं।

वह कुछ करना चाहता था – और अभी करना चाहता था; खोज में हिस्सा लेना और अगर संभव हो तो एक घंटे के भीतर ही हत्यारे को पकड़ लेना चाहता था। वह बिल की तरह सपनों में खोने वाला नहीं था।

यह कहना गलत होगा कि बिल, अपने दिवास्वप्नों के बावजूद, अत्यंत सक्रिय नहीं हो सकता था – ऐसे लोग थे, जो यह जानते थे – लेकिन बिल की सक्रियता हमेशा लंबी सोच-विचार के बाद ही आती थी।

बिल बैठकर तरह-तरह की बातें सोचता रहता – कभी-कभी बहुत चतुर बातें भी, मानना पड़ेगा – लेकिन अधिकतर वे केवल कल्पना की उड़ानें ही होती थीं, जो हवा में ही टंगी रह जाती थीं।

एंडर्स ऐसे दिवास्वप्नों में समय नहीं बिताता था। वह अपने समय को सोच-विचार में नहीं गँवाता था...

वह सोच-विचार में समय नहीं लगाता था। उसके शरीर में इतनी ऊर्जा भरी हुई थी कि थोड़ी देर के लिए भी चुपचाप बैठे रहना उसके लिए किसी यातना से कम नहीं था।

यही कारण था कि वह यूँ ही नहीं, बल्कि स्वाभाविक रूप से व्हाइट रोज़ का नेता बन गया था। वह जन्मजात नेता था – हँसमुख, बात करने में निपुण, समझदार और हर परिस्थिति में पहल करने के लिए हमेशा तैयार। यही था एंडर्स।

उससे कमजोर स्वभाव का कोई लड़का अपने घर की खराब परिस्थितियों से प्र-भावित हो जाता, जहाँ उसका पिता एक सख्त और अत्याचारी व्यक्ति था। लेकिन एंडर्स ऐसा नहीं था। वह जितना हो सके, अपने पिता से दूर ही रहता था; पिता के साथ होने वाले झगड़ों को वह बड़ी शांति से सह लेता था।

उस पर की गई डाँट-फटकार उसके ऊपर ऐसे फिसल जाती थी जैसे बत्तख की पीठ पर पानी, और सबसे कड़ी डाँट के पाँच मिनट बाद ही एंडर्स फिर से पहले की तरह खुश होकर इधर-उधर दौड़ता-भागता रहता था।

उसके लिए यह सोचना भी असंभव था कि वह यहाँ बैठा कुछ न करे, जबकि दूसरी और ज्यादा महत्वपूर्ण बातें उसकी भागीदारी की मांग कर रही थीं।

"चलो, बिल," उसने कहा। "मैं दुकान बंद करने जा रहा हूँ। मेरे पिताजी तो जैसा तुम जानते ही हो... "

"क्या तुम सच में ऐसा करने की हिम्मत करोगे?" बिल ने पूछा, जो मोची को जानता था।

"बिल्कुल!" एंडर्स ने जवाब दिया। और सच में, उसमें हिम्मत थी। बस उसे दुकान को काम के बीच में बंद करने के लिए कोई बहाना ढूँढना था, ताकि अगर कोई ग्राहक आ जाए तो... उसने एक नीली पेंसिल उठाई और कागज़ के एक टुकड़े पर बड़े अक्षरों में लिख दिया– "हत्या के कारण दुकान बंद है"

उसने उस कागज़ को पिन से दरवाज़े पर लगा दिया और ताले में चाबी घुमा दी।

"अरे, तुम तो पागल हो!" बिल ने कहा, जब उसने देखा कि एंडर्स ने क्या लिखा

है। “तुम ऐसा नहीं लिख सकते!”

“क्या मैं नहीं लिख सकता?” एंडर्स ने सिर एक तरफ झुकाया और सोचने लगा। शायद बिल सही कह रहा था। शायद उस नोट का गलत मतलब निकाला जा सकता था। उसने वह कागज़ फाड़ दिया और दूसरा लिख डाला। उसे दरवाज़े पर लगाया और जल्दी से निकल गया। बिल उसके पीछे-पीछे चल पड़ा।

थोड़ी ही देर बाद, सामने वाली गली की मिसेज़ मैग्नुसन अपने नए तले लगे जूते लेने आईं। वह दरवाज़े के सामने रुक गईं और हैरानी से आँखें फाड़कर पढ़ने लगीं–

“उपयुक्त मौसम के कारण यह दुकान बंद है”

मिसेज़ मैग्नुसन ने सिर हिलाया। “खैर, वैसे भी मोची कभी पूरी तरह ठीक दिमाग का नहीं रहा, लेकिन अब तो वह और भी बिगड़ गया लगता है। 'उपयुक्त मौसम' – क्या कभी किसी ने ऐसा भी सुना है!”

एंडर्स प्रेयरी की ओर तेजी से जा रहा था। बिल अनिच्छा से उसके पीछे-पीछे चल रहा था। उसे वहाँ जाने की जरा भी इच्छा नहीं थी।

लेकिन एंडर्स को पूरा विश्वास था कि पुलिस बिल के आने का बेसब्री से इंतजार कर रही होगी। यह सच है कि पहले एंडर्स बिल के 'मास्टर जासूस' बनने और उसकी कल्पनाओं का मज़ाक उड़ाता था, लेकिन अब जब सच में एक अपराध हो चुका था, तो वह अपनी सारी हँसी-मज़ाक भूल गया था।

उसे केवल पिछले गर्मियों में बिल के शानदार कारनामे याद आए। तब तो सिर्फ बिल की कोशिशों की वजह से ही ज्वेल चोर पकड़े गए थे। हाँ, बिल एक प्रमुख जासूस था; एंडर्स ने खुशी-खुशी उसकी श्रेष्ठता को स्वीकार किया। और उसे पूरा विश्वास था कि पुलिस भी यह बात नहीं भूली होगी।

“बिलकुल, वे खुश होंगे जब तुम खुद को उनकी सेवा में पेश करोगे,” उसने कहा। “तुम यह मामला बहुत जल्दी सुलझा दोगे। और मैं तुम्हारा सहायक बनूँगा।”

बिल एक मुश्किल स्थिति में था। वह एंडर्स को यह नहीं बताना चाहता था कि उसने तो सिर्फ बनावटी हत्याओं को ही पूरी तरह सुलझाना सीखा है, और असली

हत्या से निपटने का विचार ही उसे डरावना लगता था। वह धीरे-धीरे चल रहा था, जिससे एंडर्स अधीर हो गया।

"जल्दी करो!" उसने कहा। "ऐसे समय में हर सेकंड कीमती होता है। यह बात तुम किसी से बेहतर जानते हो।"

"मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि पुलिस ही इस मामले को संभाले," बिल ने जवाब दिया, पीछे हटने का कोई रास्ता खोजते हुए।

"तुम ऐसा कह रहे हो!" एंडर्स ने झुंझलाकर कहा। "तुम तो खुद कई बार कहते रहे हो कि पुलिस चीज़ों को बिगाड़ देती है। अब बेवकूफ मत बनो... चलो!"

उसने अनिच्छुक 'मास्टर जासूस' का हाथ पकड़ लिया।

कुछ देर बाद वे उस इलाके में पहुँच गए, जिसे पुलिस ने घेर रखा था।

"सुनो," एंडर्स ने अचानक कहा, "मुझे अभी एक बात सूझी है।"

"क्या?" बिल ने पूछा।

"ग्रेट मम्बो" को कैद कर लिया गया है। अगर रेड्स उसे वापस लेना चाहते हैं, तो उन्हें पुलिस के घेराव को तोड़ना पड़ेगा!"

बिल ने सोच-समझकर सिर हिलाया। ग्रेट मम्बो ने कई रोमांच देखे थे, लेकिन यह पहली बार था कि उसकी रक्षा पुलिस कर रही थी।

कांस्टेबल बर्क घेरे के अंदर इधर-उधर टहल रहे थे, और एंडर्स सीधे उनकी ओर बढ़ गया। वह बिल को साथ खींचता हुआ ले गया, जैसे कोई कुत्ता कुछ पकड़कर अपने मालिक के पास लाता है और उसकी तारीफ की उम्मीद करता है।

"मिस्टर बर्क, ये रहे बिल!" एंडर्स ने उत्साह से कहा।

"अच्छा, समझ गया," कांस्टेबल बर्क ने शांत स्वर में जवाब दिया। "और बिल क्या चाहता है?"

"उसे अंदर आने दीजिए, भगवान के लिए, ताकि वह खोज में हिस्सा ले सके," एंडर्स ने कहा। "घटनास्थल की जाँच करे... "

लेकिन कांस्टेबल बर्क सिर हिला रहे थे और बहुत गंभीर दिख रहे थे।

"चलो, बच्चों," उन्होंने कहा। "घर जाओ। और शुक्र मनाओ कि तुम अभी इतने छोटे हो कि ऐसी चीज़ों को समझ नहीं सकते।"

बिल का चेहरा लाल हो गया। वह समझ गया। उसे बहुत अच्छे से समझ में आ गया कि यह जगह 'मास्टर जासूस बर्गसन' के लिए नहीं थी – उसके साफ-सुथरे चेहरे और बड़े-बड़े शब्दों के साथ। काश वह एंडर्स को भी यह बात समझा पाता!

"बिलकुल वही बात," एंडर्स ने कड़वाहट से कहा, जब वे वापस शहर की ओर मुड़ गए।

"भले ही तुम हर एक... "

"केइन द्वारा एबेल की हत्या के बाद से ही, पुलिस कभी यह मानने को तैयार नहीं होगी कि कोई निजी जासूस किसी काम का हो सकता है।"

बिल असहज होकर सिमट गया। वह खुद भी कई बार इसी तरह की बातें कह चुका था। अब वह दिल से चाहता था कि एंडर्स बात बदल दे। लेकिन एंडर्स ने आगे कहा, "वे आखिरकार फँस ही जाएंगे, इसमें कोई शक नहीं। लेकिन मुझसे वादा करो कि जब तक वे खुद आकर तुमसे मदद की भीख न माँगें, तब तक तुम इसमें दखल नहीं दोगे।"

बिल ने तुरंत वादा कर लिया।

चारों ओर लोगों के छोटे-छोटे समूह चुपचाप खड़े थे। वे उन झाड़ियों की ओर टकटकी लगाए देख रहे थे, जहाँ विशेषज्ञ उस घटना का हल खोजने की कोशिश कर रहे थे, जिसने एक इंसान की जान ले ली थी।

आज प्रेयरी में अजीब-सी शांति थी। बिल को घुटन-सी महसूस हो रही थी। यहाँ तक कि एंडर्स भी उस उदास माहौल से प्रभावित हो गया।

शायद कांस्टेबल बर्क सही था। शायद यह मामला बिल के लिए नहीं था, चाहे वह कितना भी चतुर जासूस क्यों न हो। उदासी भरे मन से वे घर की ओर लौटने लगे।

सिक्स्टेन, बेंका और जॉनी भी प्रेयरी से अपने घर लौट रहे थे। जैसा कि एंडर्स ने सोचा था, उन्होंने आज वॉर ऑफ द रोज़ेज़ का खेल स्थगित कर दिया था और मेले

के मैदान में घूमने-फिरने, झूला झूलने और निशानेबाज़ी का अभ्यास करने में कई खुशहाल घंटे बिताए थे।

लेकिन कुछ देर पहले ही वहाँ भी इस भयानक खबर की गूँज पहुँच गई थी, और मैदान जल्दी ही खाली हो गया था।

सिक्स्टेन, बेंका और जॉनी भी प्रेयरी की ओर भागे थे – लेकिन वहाँ पहुँचकर उन्हें पता चला कि अब तो वापस घर जाना ही बेहतर है।

लगभग उसी समय... उसी समय, जब वे इस निष्कर्ष पर पहुँचे, उनकी मुलाकात एंडर्स और बिल से हो गई।

आज व्हाइट्स और रेड्स के बीच कोई कड़वे शब्दों का आदान-प्रदान नहीं हुआ। वे सब बहुत शांत थे और उनके चेहरों पर हल्की पीली उदासी छाई हुई थी। वे सब एक साथ शहर की ओर वापस लौटे, और उस रास्ते में उन्होंने अपनी छोटी-सी जिंदगी में पहले कभी इतनी गहराई से मृत्यु के बारे में नहीं सोचा था, जितना आज सोच रहे थे। और उन्हें ईवा-लॉट्टा के लिए गहरी सहानुभूति महसूस हो रही थी।

"मुझे उसके लिए बहुत दुख हो रहा है," सिक्स्टेन कह रहा था। "कहते हैं कि उसकी हालत बहुत खराब है। वह बस बिस्तर पर पड़ी रहती है और हर समय रोती रहती है।"

एंडर्स इस बात से बाकी सारी दुखद घटनाओं से भी ज्यादा प्रभावित हुआ। उसने दो-तीन बार गहरी साँस ली। आखिरकार, यह उसी की गलती थी कि ईवा-लॉट्टा बिस्तर पर पड़ी रो रही थी।

"शायद हमें उसे कोई उपहार देना चाहिए," उसने आखिर में कहा। "कुछ फूल भेज दें, या ऐसा ही कुछ?"

बाकी सबने उसकी ओर देखा। क्या वह सच में इतना गंभीर था? किसी लड़की को फूल भेजना – क्या एंडर्स यह सोच रहा था कि ईवा-लॉट्टा की हालत बहुत ज्यादा खराब है? लेकिन जितना वे इस बारे में सोचते गए, उतना ही यह सुझाव उन्हें अच्छा लगने लगा। यह वास्तव में एक अच्छा और नेक विचार था। ईवा-लॉट्टा को कुछ फूल मिलने चाहिए थे – वह सच में इसकी हकदार थी।

सिक्स्टेन घर गया, भावुक होकर उसने अपनी माँ के लाल जेरैनियम के पौधों में से एक उठा लिया। उस फूल के गमले को साथ लेकर वे सब बेकर के घर की ओर चल पड़े। ईवा-लॉट्टा सो रही थी और उसे परेशान नहीं किया जाना चाहिए था। लेकिन उसकी माँ ने जेरैनियम का गमला लिया और उसे उसके बिस्तर के पास एक छोटी मेज़ पर रख दिया, ताकि जागते ही वह उसे देख सके।

यह आखिरी उपहार नहीं था जो ईवा-लॉट्टा को इस पूरे घटनाक्रम में अपने हिस्से के लिए मिलने वाला था।

अध्याय नौ



वे बरामदे में बैठे इंतज़ार कर रहे थे – मिलनसार पुलिस इंस्पेक्टर, कांस्टेबल बर्क, और एक अन्य पुलिसकर्मी। इंस्पेक्टर ने कहा था कि यह ज़रूरी है कि छोटी लड़की पूछताछ के बारे में घबराहट महसूस न करे; कम-से-कम उतनी भी नहीं, जितनी वह पहले से ही थी। इसी वजह से कांस्टेबल बर्क का साथ होना बहुत अच्छा था। वह स्थानीय पुलिस का था और लड़की को जानता था।

और इस पूरी बात को एक साधारण-सी छोटी बातचीत जैसा दिखाने के लिए उन्होंने तय किया था कि यह यहीं, लड़की के घर के धूप वाले बरामदे में किया जाए,

न कि पुलिस स्टेशन में। इंस्पेक्टर ने कहा था कि एक अजनबी माहौल बच्चों पर हमेशा परेशान करने वाला असर डालता है। और लड़की का बयान टेप-रिकॉर्डर में दर्ज किया जाना था, ताकि उसे इसके बारे में एक से ज़्यादा बार परेशान न होना पड़े। जब वह सब कुछ बता दे, जो वह जानती है, तो वह चाहें तो सब कुछ भूल सके – यह तक कि दुनिया में इतना बुरापन है। ऐसा इंस्पेक्टर ने कहा था।

अब वे यहाँ बैठे ईवा-लॉट्टा के आने का इंतज़ार कर रहे थे। सुबह का समय था, और लगता था कि वह अभी पूरी तरह तैयार नहीं थी। जब तक वे इंतज़ार कर रहे थे, श्रीमती लिसान्डर ने उन्हें कॉफी और ताज़ा बेक किए हुए रोल्स और डेनिश पेस्ट्री परोसी; और बेचारे पुलिसकर्मी, जो लगभग पूरी रात बिना खाना खाए और बिना सोए काम कर रहे थे, उन्हें इसकी सचमुच ज़रूरत थी।

यह एक खूबसूरत सुबह थी। कल की आंधी-तूफ़ान के बाद हवा ताज़ी और साफ़ थी। बेकर के बगीचे में गुलाब और पियोनी ऐसे लग रहे थे जैसे अभी-अभी धुले हों। घर के कोने में पुराने सेब के पेड़ पर चिड़ियाँ चहचहा रही थीं। कॉफी की अच्छी खुशबू पूरे बरामदे में फैली हुई थी। सब कुछ बहुत आकर्षक और आरामदायक लग रहा था। कोई मुश्किल से ही विश्वास कर सकता था कि बरामदे पर बैठकर कॉफी पीने वाले ये तीन आदमी एक हत्या की जाँच कर रहे पुलिसकर्मी थे। ऐसी प्यारी गर्मियों की सुबह में कोई यह मानना ही नहीं चाहता था कि ऐसी चीज़ें वास्तव में होती हैं।

इंस्पेक्टर ने पेस्ट्री का तीसरा टुकड़ा उठाया और कहा, "सच कहूँ तो, मुझे शक है कि हमें उस लड़की से ज़्यादा कुछ मिलेगा – ईवा-लॉट्टा, क्या उसका यही नाम था? मुझे नहीं लगता कि उसका बयान हमारी जाँच में बहुत मदद करेगा। बच्चे वस्तुनिष्ठ निरीक्षण करने में सक्षम नहीं होते। वे बहुत ज़्यादा कल्पना करते हैं।"

"ईवा-लॉट्टा काफी वस्तुनिष्ठ है," कांस्टेबल बर्क ने टिप्पणी की।

उसी समय श्री लिसान्डर बरामदे पर आ गए। उनके माथे पर एक शिकन थी, जो असामान्य थी। उस शिकन का मतलब था कि वह अपने इकलौते और प्यारे बच्चे के बारे में चिंतित थे और यह पसंद नहीं करते थे कि पुलिस उससे कष्टदायक सवाल

पूछे।

"वह अभी आ रही है," उन्होंने संक्षेप में कहा। "क्या मैं पूछताछ में साथ बैठ सकता हूँ?" कुछ हिचकिचाहट के बाद इंस्पेक्टर मान गया, लेकिन केवल इस शर्त पर कि बेकर पूरी तरह चुप रहेगा और किसी भी तरह से पूछताछ में हस्तक्षेप नहीं करेगा। "हाँ, शायद अच्छा ही है कि ईवा-लॉट्टा के साथ उसका पिता हो," उसने कहा। "इस तरह उसमें ज़्यादा आत्मविश्वास रहेगा। संभव है कि वह मुझसे डरती हो।"

"मुझे क्यों डरना चाहिए?" दरवाज़े से एक धीमी आवाज़ आई, और ईवा-लॉट्टा धूप में बाहर आ गई। उसने अपनी गंभीर आँखें इंस्पेक्टर पर टिकाईं। उसे उससे डरना क्यों चाहिए? ईवा-लॉट्टा लोगों से नहीं डरती थी। उसके अनुभव के अनुसार, ज़्यादातर लोग दयालु और अच्छे होते हैं।

वे मित्रतापूर्ण और भले लोग थे। कल से पहले तक उसने सच में यह नहीं समझा था कि कुछ लोग बुरे भी हो सकते हैं। लेकिन उसे कोई कारण नहीं दिखा कि वह इंस्पेक्टर को उनमें शामिल करे। वह जानती थी कि वह वहाँ इसलिए बैठा है क्योंकि यह उसका काम है। वह जानती थी कि उसे मैदान (प्रेयरी) में हुई उस भयानक घटना के बारे में उसे सब कुछ बताना होगा, और वह ऐसा करने के लिए तैयार थी। फिर उसे डरना क्यों चाहिए?

बहुत रोने और सोने के बाद उसका सिर भारी लग रहा था। वह बहुत खुश नहीं थी, लेकिन अब वह शांत थी – पूरी तरह शांत।

"गुड मॉर्निंग, छोटी लीसा-लॉट्टा" इंस्पेक्टर ने तेज़ी से कहा।

"ईवा-लॉट्टा," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "गुड मॉर्निंग!"

"ओह, हाँ – ईवा-लॉट्टा आओ, यहाँ बैठो, छोटी लड़की, ताकि हम कुछ मिनट बात कर सकें," इंस्पेक्टर ने आगे कहा। "इसमें ज़्यादा समय नहीं लगेगा, और फिर तुम अपनी गुड़ियों के साथ खेलने जा सकती हो।"

और यह तब जबकि ईवा-लॉट्टा खुद को लगभग पंद्रह साल की समझ रही थी!

"मैंने गुड़ियों से खेलना दस साल पहले ही छोड़ दिया था," ईवा-लॉट्टा ने जानकारी

के तौर पर कहा।

कांस्टेबल बर्क सही था – यह निस्संदेह एक वस्तुनिष्ठ बच्ची थी! इंस्पेक्टर समझ गया कि उसे अपनी रणनीति बदलनी होगी और ईवा-लॉट्टा के साथ एक बड़े व्यक्ति की तरह व्यवहार करना होगा।

“मुझे इसके बारे में सब कुछ बताओ,” वह आगे बोला। “तुम वहाँ... ... कल दोपहर उस जगह पर – जहाँ हत्या हुई – प्रेयरी में, थीं न? तुम वहाँ अकेले कैसे पहुँच गई?”

ईवा-लॉट्टा ने अपने होंठ भींच लिए। “वह... वह मैं नहीं बता सकती। यह एक बिल्कुल गुप्त बात है। मैं एक गुप्त काम से गई थी।”

“छोटी लड़की,” इंस्पेक्टर ने कहा, “हम एक हत्या का मामला सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे मामले में कुछ भी गुप्त नहीं रहना चाहिए। तुम कल मैनर में क्या करने वाली थीं?”

“मैं ‘ग्रेट मम्बो’ लेने गई थी,” ईवा-लॉट्टा ने कुछ खीझकर जवाब दिया।

इंस्पेक्टर को यह समझने से पहले कि ‘ग्रेट मम्बो’ क्या है, एक विस्तृत व्याख्या की ज़रूरत पड़ी। पूछताछ के बाद तैयार की गई पुलिस रिपोर्ट में केवल संक्षेप में इतना लिखा गया: “अपने बारे में मिस लिसान्डर ने बताया कि 28 जुलाई को वह शहर के पश्चिम में स्थित मैदान में एक तथाकथित ‘ग्रेट मम्बो’ लेने के इरादे से गई थीं।”

“क्या तुमने वहाँ किसी को देखा?” इंस्पेक्टर ने पूछा, जब ‘ग्रेट मम्बो’ का रहस्य साफ हो गया।

“हाँ,” ईवा-लॉट्टा ने उत्तर दिया। “मैंने... ग्रीन... और एक दूसरे आदमी को देखा।”

इंस्पेक्टर उत्सुक हो गया। “हमें ठीक-ठीक बताओ कि तुमने उन्हें कैसे और कहाँ देखा,” उसने कहा।

तब ईवा-लॉट्टा ने बताया – कैसे उसने ग्रीन को पीछे से लगभग सौ गज की दूरी पर देखा...

“ज़रा ठहरिए,” इंस्पेक्टर ने कहा। “इतनी दूरी से तुम कैसे बता सकती हो कि वह ग्रीन ही था?”

“मैं समझ सकती हूँ कि आप इस शहर के नहीं हैं,” ईवा-लॉट्टा ने उत्तर दिया। “इस शहर का हर व्यक्ति ग्रीन को उसके चलने के तरीके से पहचान लेता। मैं सही कह रही हूँ, है न, मिस्टर बर्क?”

बर्क ने पुष्टि की कि वह सही थी।

ईवा-लॉट्टा ने अपनी कहानी जारी रखी। कैसे उसने ग्रीन को उस संकरे रास्ते से मुड़ते हुए और झाड़ियों के बीच गायब होते देखा। कैसे गहरे हरे गैबार्डीन पैंट पहने एक आदमी दूसरी दिशा से आया और उन्हीं झाड़ियों में गायब हो गया...

“क्या तुम्हें अंदाज़ा है कि उस समय कितना बजे थे?” इंस्पेक्टर ने पूछा, हालांकि वह जानता था कि बच्चे शायद ही समय के बारे में सटीक जानकारी दे पाते हैं।

“डेढ़ बजे,” ईवा-लॉट्टा ने कहा।

“तुम्हें यह कैसे पता? क्या तुमने अपनी घड़ी देखी थी?”

“नहीं,” ईवा-लॉट्टा ने कहा और पीली पड़ गई। “लेकिन मैंने पंद्रह मिनट बाद हत्यारे से समय पूछा था।”

इंस्पेक्टर ने अपने साथियों की ओर देखा। क्या उन्होंने कभी ऐसा कुछ सुना था? यह पूछताछ स्पष्ट रूप से उसकी उम्मीद से अधिक उपयोगी साबित हो रही थी।

इंस्पेक्टर आगे झुका और सीधा ईवा-लॉट्टा की आँखों में देखने लगा।

“तुम कहती हो कि तुमने हत्यारे से पूछा? क्या तुम्हें सच में इतना साहस है कि तुम यह कहो कि तुम्हें पक्के तौर पर पता है कि ग्रीन की हत्या किसने की? क्या तुमने उसे ऐसा करते हुए देखा था, शायद?”

“नहीं,” ईवा-लॉट्टा ने स्वीकार किया। “लेकिन अगर मैं देखूँ कि एक आदमी झाड़ियों में गायब हो जाता है, और कुछ मिनट बाद दूसरा आदमी वहाँ भागता हुआ जाता है, और फिर कुछ देर बाद मुझे पहला आदमी मृत मिलता है, तो मैं यह शक किए बिना नहीं रह सकती कि दूसरे आदमी ने ही यह किया है। बेशक, ग्रीन गिरकर खुद भी मर सकता था, लेकिन मैं पहले इसका पक्का यक़ीन करना चाहूँगी।”

बर्क सही था। यह सचमुच एक बहुत ही वस्तुनिष्ठ बच्ची थी। वह अपनी कहानी आगे बताने लगी – कैसे जब उसने उन दोनों आदमियों को उस पगडंडी पर गायब होते देखा, जहाँ 'ग्रेट मम्बो' छिपा हुआ था, तो वह समय बिताने के लिए मैनर में चली गई और वहाँ ज़्यादा से ज़्यादा पंद्रह मिनट तक रुकी रही।

"और फिर?" इंस्पेक्टर ने आगे पूछा।

ईवा-लॉट्टा की आँखें गहरी हो गईं, और वह कुछ कष्ट में लग रही थी। आगे जो हुआ, वह बताना उसके लिए सबसे कठिन हिस्सा था।

"मैं रास्ते पर सीधे उससे टकरा गई," उसने धीरे से कहा। "मैंने उससे पूछा कि कितना समय हुआ है, और उसने कहा, 'दो बजने में पंद्रह मिनट हैं।'"

इंस्पेक्टर संतुष्ट दिखाई दिया। अदालत के चिकित्सक ने हत्या का समय बारह और तीन बजे के बीच कहीं बताया था, लेकिन लड़की के बयान ने इसे और अधिक सटीक बना दिया – लगभग डेढ़ बजे से लेकर दो बजने में पंद्रह मिनट के बीच। यह महत्वपूर्ण साबित हो सकता था। वास्तव में, ईवा-लॉट्टा एक अमूल्य गवाह थी!

उसने पूछताछ जारी रखी। "वह आदमी कैसा दिखता था? जो कुछ तुम्हें याद है, सब बताओ – हर एक विवरण।"

ईवा-लॉट्टा ने फिर से बताया – गहरे हरे गैबार्डीन पैंट, सफेद शर्ट, गहरे लाल रंग की टाई, कलाई घड़ी, और उसके हाथों पर बहुत सारे काले बाल।

"तुम उसके चेहरे का वर्णन कैसे करोगी?" इंस्पेक्टर ने उत्सुकता से पूछा।

"उसकी मूंछ थी," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "और लंबे काले बाल जो उसके माथे पर गिर रहे थे। वह बहुत बूढ़ा नहीं था। काफ़ी अच्छा दिखने वाला था। लेकिन डरा हुआ और गुस्से में था। वह जितनी तेज़ी से भाग सकता था, भाग गया। वह इतनी जल्दी में था कि उसने एक IOU गिरा दिया और उसे पता भी नहीं चला।"

इंस्पेक्टर ने गहरी साँस ली। "हे भगवान, तुम क्या कह रही हो? उसने क्या गिराया?"

"एक IOU," ईवा-लॉट्टा ने गर्व से दोहराया। "क्या आपको पता नहीं यह क्या

होता है? बस एक छोटा-सा कागज़ का टुकड़ा, जिसके ऊपर IOU लिखा होता है। मैं आपको यकीन दिलाती हूँ, यह कुछ खास नहीं – सिर्फ एक कागज़ का टुकड़ा। लेकिन लोग IOU को लेकर बहुत हंगामा करते हैं, चाहे आप मानें या न मानें।"

इंस्पेक्टर ने फिर अपने साथियों की ओर देखा। कल रैस्कल्स हिल पर उस बूढ़े आदमी के पड़ोसियों से पूछताछ करने पर यह बात साफ हो गई थी कि ग्रीन साइड में उधार देकर थोड़ा-बहुत पैसा कमाता था। कई लोगों ने देखा था कि शाम के समय उसके घर पर रहस्यमय मेहमान आते थे, हालांकि बहुत ज़्यादा नहीं। जाहिर है, वह अपने ग्राहकों से शहर के अलग-अलग स्थानों पर मिलना पसंद करता था... ... शहर के बाहरी इलाकों में। उसके घर की तलाशी लेने पर अलग-अलग नामों वाले बहुत-से IOU कागज़ मिले थे। उन सभी नामों को पुलिस ने नोट कर लिया था, और ग्रीन के हर एक रहस्यमय आगंतुक का पता लगाने की तैयारी की जा रही थी। उनमें से कोई एक हत्यारा हो सकता था।

लेकिन इंस्पेक्टर को शुरू से ही पूरा यकीन था कि हत्या इसलिए की गई थी क्योंकि कोई व्यक्ति अपनी पैसों की परेशानी से बुरी तरह छुटकारा पाना चाहता था। और वह शायद ऐसा अपराध तब तक नहीं करता, जब तक उसे पहले यह पूरा भरोसा न हो जाता कि वह उन सभी कागज़ों को हासिल कर सकता है जो उसके खिलाफ सबूत बन सकते थे।

अब यहाँ यह लड़की खड़ी थी, जो बता रही थी कि हत्यारे ने झाड़ियों में एक IOU गिरा दिया था – एक ऐसा कागज़ जिस पर उसका नाम लिखा था! एक ऐसा कागज़ जिस पर हत्यारे का नाम लिखा हो! इंस्पेक्टर इतना उत्साहित हो गया कि जब वह ईवा-लॉट्टा की ओर झुका, तो उसकी आवाज़ काँपने लगी।

"क्या तुमने वह कागज़ उठा लिया था?"

"हाँ, बिल्कुल," ईवा-लॉट्टा ने कहा।

"तुमने उसके साथ क्या किया?" इंस्पेक्टर ने साँस खींचते हुए पूछा।

ईवा-लॉट्टा सोचने लगी। जब वह इसके बारे में सोच रही थी, तो चारों ओर बिल्कुल

सन्नाटा छा गया। केवल सेब के पेड़ में बैठी चिड़िया चहचहा रही थी।

“मुझे याद नहीं,” आखिरकार ईवा-लॉट्टा ने कहा। इंस्पेक्टर ने धीरे से कराहते हुए आह भरी।

“लेकिन वह तो बस एक छोटा-सा कागज़ ही था,” ईवा-लोट्टा ने उसे दिलासा देते हुए कहा। तभी वहीं इंस्पेक्टर ने उसका हाथ अपने हाथ में लिया और धीरे-धीरे तथा सावधानी से उसे समझाया कि IOU एक बहुत महत्वपूर्ण कागज़ होता है, जिस पर कोई व्यक्ति यह स्वीकार करता है कि उसने किसी से कुछ धन उधार लिया है और उसे वापस चुकाने की अपनी जिम्मेदारी घोषित करता है। इसकी पुष्टि व्यक्ति के हस्ताक्षर से होती है। जिस आदमी ने ग्रीन की हत्या की थी, उसने स्पष्ट रूप से यह अपराध इसी कारण किया था कि उसके पास उसे चुकाने के लिए पैसे नहीं थे। उसने उन IOUs को वापस पाने के लिए ठंडे खून से एक आदमी को गोली मार दी थी, जिन्हें ईवा-लॉट्टा इतना महत्वहीन समझती थी। और उसका नाम अवश्य ही उस कागज़ पर रहा होगा, जिसे उसने रास्ते में गिरा दिया था। क्या अब ईवा-लोट्टा समझ गई थी कि उसे हर हाल में याद करने की कोशिश करनी चाहिए कि उसने उस IOU के साथ क्या किया था?

ईवा-लॉट्टा ने यह समझ लिया, और उसने सचमुच बहुत कोशिश की। उसे याद आया कि वह कागज़ हाथ में लिए वहाँ खड़ी थी। उसे यह भी याद आया कि उसी समय एक भयंकर गरज (बिजली की गड़गड़ाहट) हुई थी। और फिर उसे कुछ भी याद नहीं रहा। खैर, उसके तुरंत बाद की वह भयावह घटना तो उसे याद थी ही। लेकिन वह IOU के बारे में एक भी बात याद नहीं कर सकी। निराश होकर उसे यह बात इंस्पेक्टर को स्वीकार करनी पड़ी।

“तुम्हें उस कागज़ पर लिखा नाम पढ़ने का मौका नहीं मिला?” इंस्पेक्टर ने उम्मीद भरे स्वर में पूछा।

“नहीं, मैंने नहीं पढ़ा,” ईवा-लॉट्टा ने कहा।

इंस्पेक्टर ने गहरी साँस ली। लेकिन उसने खुद से कहा कि एक पुलिस वाले का

काम इतना आसान होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। फिर भी, लड़की से पूछताछ करने से काफी ... ... नई रोशनी में सामने आया। कोई यह उम्मीद नहीं कर सकता था कि हत्यारे का नाम उसे यूँ ही थाली में परोसकर मिल जाएगा।

हालाँकि पूछताछ जारी रखने से पहले उसने टेलीफोन पर आदेश दिया कि पूरे प्रेयरी के हर हिस्से की तलाशी ली जाए। अपराध-स्थल की पहले ही अच्छी तरह जाँच की जा चुकी थी, लेकिन कोई कागज़ बहुत दूर तक उड़ सकता है। और उस IOU को ढूँढना ही होगा। फिर ईवा-लॉट्टा को बताना पड़ा कि उसने ग्रीन को कैसे पाया था। वह बार-बार निगल रही थी और बहुत धीमी आवाज़ में बोल रही थी। उसके पिता ने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया ताकि वे उसकी आँखों में दर्द न देख सकें।

लेकिन अब यह जल्द ही समाप्त होने वाला था। इंस्पेक्टर के पास अब केवल कुछ ही सवाल बचे थे।

ईवा-लॉट्टा ने ज़ोर देकर कहा था कि हत्यारा इस शहर का नहीं हो सकता, वरना वह उसे पहचान लेती। इंस्पेक्टर ने उससे पूछा, "क्या तुम्हें लगता है कि अगर तुम उस आदमी को फिर से देखो, जो हरे गैबार्डीन पैंट पहने था, तो तुम उसे पहचान लोगी?"

"हाँ," ईवा-लॉट्टा ने जवाब दिया। "मैं उसे हज़ारों लोगों में से भी पहचान सकती हूँ।"

"और तुमने उसे पहले कभी नहीं देखा था?"

"नहीं," ईवा-लॉट्टा ने कहा। वह एक पल के लिए झिझकी। "वह... आंशिक रूप से," उसने जोड़ा।

"'आंशिक रूप से' से तुम्हारा क्या मतलब है?"

"मैंने उसकी पैंट देखी थी," ईवा-लॉट्टा ने अनिच्छा से कहा।

"तुम्हें इसे थोड़ा और विस्तार से समझाना होगा," इंस्पेक्टर ने कहा।

"क्या मुझे ज़रूर बताना होगा?"

"तुम अच्छी तरह जानती हो कि तुम्हें बताना होगा। वह पैंट कहाँ लटकी हुई थीं?"

"वे लटक नहीं रही थीं," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "वे रोलर ब्लाइंड के नीचे से बाहर

निकली हुई थीं। हत्यारा उन्हीं में था।"

इंस्पेक्टर ने बची हुई पेस्ट्री का एक टुकड़ा झट से उठा लिया। उसे लगा कि उसे थोड़ा सहारा चाहिए। यह पूछताछ आश्चर्यों से भरी हुई थी। और वह सोच रहा था कि क्या ईवा-लॉट्टा वास्तव में उतनी ही वस्तुनिष्ठ है, जितना वह मान बैठा था। क्या वह अब बातें बनाना शुरू नहीं कर रही थी?

"तो," उसने कहा, "हत्यारे की पैंट रोलर ब्लाइंड के नीचे से बाहर निकली हुई थीं। किसके रोलर ब्लाइंड के नीचे?"

"ग्रीन के, बेशक," ईवा-लॉट्टा ने कहा।

"और तुम – तुम कहाँ थीं?"

"सामने सीढ़ी पर बैठी थी। बिल और मैं वहीं बैठे थे। पिछले सोमवार की रात करीब दस बजे।"

इंस्पेक्टर के अपने कोई बच्चे नहीं थे, और इस समय वह खुश और आभारी था कि उसके बच्चे नहीं थे!

"पिछले सोमवार की रात तुम ग्रीन की सीढ़ी पर क्या कर रही थीं?" उसने पूछा। और हाल ही में मिली जानकारी के आधार पर उसने जोड़ा, "आह, समझ गया... निस्संदेह तुम एक और 'ग्रेट मम्बो' ढूँढ रही थीं।"

ईवा-लॉट्टा ने उसे तिरस्कार से देखा। "क्या आपको लगता है, इंस्पेक्टर, कि ग्रेट मम्बो पेड़ों पर उगते हैं?" उसने कहा। "पूरी दुनिया में केवल एक ही ग्रेट मम्बो है – सदैव के लिए। आमीन।"

फिर ईवा-लॉट्टा ने उस रात की बात बताई जब वह ग्रीन की छत पर घूम रही थी। उसके बेचारे पिता ने परेशान होकर सिर हिला दिया। और लोग कहते हैं कि लड़कियों को पालना लड़कों से आसान होता है!

"तुम्हें कैसे पता चला कि वे पैंट हत्यारे की थीं?" इंस्पेक्टर ने आश्चर्य से पूछा।

"मुझे उस समय नहीं पता था," ईवा-लॉट्टा ने जवाब दिया। "अगर पता होता, तो मैं जाकर उसे गिरफ्तार कर लेती।"

“हाँ, लेकिन तुमने कहा था, है न – ” इंस्पेक्टर ने थोड़ी झुंझलाहट के साथ आपत्ति जताई।

“नहीं, मैंने यह बाद में समझा,” ईवा-लॉट्टा ने कहा। “क्योंकि वे पैंट उसी तरह की गहरे हरे गैबार्डीन वाली थीं, जैसी मैंने रास्ते में देखी थीं।”

“यह महज़ संयोग भी हो सकता है,” इंस्पेक्टर ने कहा। “किसी को जल्दबाज़ी में निष्कर्ष नहीं निकालना चाहिए।”

“मैं कोई जल्दबाज़ी में निष्कर्ष नहीं निकाल रही थी,” ईवा-लॉट्टा ने कहा। “मैंने ग्रीन के घर में उन IOU को लेकर झगड़ा होते सुना था, और जिस आदमी ने वे पैंट पहनी थीं, उसने कहा था, “हम बुधवार को उसी जगह मिलेंगे। अपने सारे IOU साथ लेकर आना!’ और आप क्या सोचते हैं – ग्रीन ने एक ही बुधवार को कितनी गहरे हरे गैबार्डीन पैंटें देखी होंगी?” इंस्पेक्टर को यकीन हो गया कि ईवा-लॉट्टा सही थी। पूरी पहेली बिल्कुल सही तरीके से जुड़ गई थी। अब सब कुछ साफ़ था – मकसद, समय, और तरीका। अब केवल एक ही काम बाकी था – हत्यारे को पकड़ना।

इंस्पेक्टर खड़ा हुआ और उसने ईवा-लॉट्टा के गाल पर प्यार से थपथपाया। “अच्छा, बहुत-बहुत धन्यवाद,” उसने कहा। “तुमने बहुत मदद की है… ”

“… जितना तुम खुद समझती हो, उससे भी ज़्यादा। अब इसे सब भूल जाओ!” इंस्पेक्टर बर्क की ओर मुड़ा।

“अब हमें बस उस लड़के बिल को पकड़ना है,” उसने कहा, “ताकि वह सोमवार शाम की घटनाओं के बारे में ईवा-लॉट्टा के बयान की पुष्टि कर सके। हम उसे कहाँ ढूँढें?”

“यहीं,” बरामदे के ऊपर की बालकनी से एक शांत आवाज़ आई।

हैरान होकर इंस्पेक्टर ने ऊपर देखा और दो सिर दिखाई दिए – एक गोरा और एक काला – जो बालकनी की रेलिंग के ऊपर झुके हुए थे।

व्हाइट रोज़ के शूरवीर अपने साथी को कभी नहीं छोड़ते – न पुलिस की पूछताछ

के दौरान, न ही किसी और मुश्किल में। बेकर की तरह, बिल और एंडर्स भी उस पूरे घटनाक्रम के दौरान मौजूद रहना चाहते थे। लेकिन सुरक्षित रहने के लिए उन्होंने यह ज़्यादा समझदारी भरा समझा कि अनुमति न ही माँगी जाए।

अध्याय दस

देश के सभी अख़बारों ने अपने पहले पन्नों पर इस हत्या की खबर छापी, और ईवा-लॉट्टा की गवाही के बारे में बहुत कुछ लिखा गया। उसका नाम नहीं बताया गया, लेकिन "तेरह साल की बहादुर लड़की" के बारे में बहुत कुछ लिखा गया, जिसने अपराध-स्थल पर अपनी तेज़ समझ-बूझ के कारण पुलिस को इतनी महत्वपूर्ण जानकारी दी।

स्थानीय अख़बार इस मामले में इतना सावधान नहीं था। आखिरकार, छोटे से शहर में हर कोई जानता था कि "वह बहादुर लड़की" ईवा-लॉट्टा लिसान्डर ही है, इसलिए संपादक को इसे छापने में कोई हिचकिचाहट नहीं हुई। लंबे समय बाद उसे ऐसा शानदार अवसर मिला था, और उसने इसका पूरा फायदा उठाया। उसने "हमारी प्यारी छोटी ईवा-लोट्टा" के बारे में एक लंबी और सावधानीपूर्वक कहानी लिखी – जो आज अपने माता-पिता के बगीचे में फूलों के बीच खेल रही है और ऐसा लगता है जैसे पिछले बुधवार प्रेयरी में हुए उस भयानक अनुभव को वह पूरी तरह भूल चुकी है।

और वह उत्साह में आगे लिखता गया, "आख़िर वह कहाँ भूल सकती है, कहाँ सुरक्षित महसूस कर सकती है, अगर यहाँ नहीं – अपने माता-पिता के घर में, उस परिचित वातावरण में जहाँ वह पली-बढ़ी है, जहाँ उसके पिता की बेकरी से निकलती ताज़ी रोटी की खुशबू एक सुरक्षित और शांत दुनिया के अस्तित्व का प्रमाण देती है, जिसे अपराध की दुनिया की कोई भी हिंसक घटना हिला नहीं सकती।"

वह इस भूमिका से बहुत संतुष्ट था। और उसने आगे विस्तार से बताया कि ईवा-

लॉट्टा कितनी समझदार थी और उसने हत्यारे का कितना विस्तृत वर्णन किया था। (उसने वास्तव में "हत्यारा" शब्द नहीं लिखा, बल्कि "वह व्यक्ति जिसके पास इस रहस्य की कुंजी है" लिखा।) उसने यह भी बताया कि ईवा-लॉट्टा ने कहा था कि अगर वह उस व्यक्ति को फिर से देखेगी तो पहचान लेगी, और उसने यह भी ज़ोर देकर लिखा कि अंत में शायद छोटी ईवा-लॉट्टा लिसान्डर ही उस निर्दयी अपराधी को न्याय के हाथों तक पहुँचाने का कारण बनेगी।

उसने लगभग हर वह चीज़ लिख दी, जो उसे नहीं लिखनी चाहिए थी।

कांस्टेबल बर्क, बहुत चिंतित और खिन्न दिखते हुए, ताज़ा छपा हुआ अख़बार इंस्पेक्टर के हाथ में थमा गया। इंस्पेक्टर ने उसे पढ़ा और ज़ोर से चिल्ला उठा।

"इस तरह लिखना बिल्कुल अशोभनीय है," उसने कहा। "कम-से-कम कहें तो बेहद अनुचित!"

कुछ देर बाद जब बेकर लिसान्डर संपादक के दफ़्तर में घुसा, तो उसने इससे भी कड़े शब्दों का इस्तेमाल किया। उसके कनपटियों की नसें गुस्से से फूली हुई थीं और उसने संपादक के सामने मेज़ पर ज़ोर से मुट्ठी मारी।

"क्या तुम्हें पता नहीं कि इस तरह लिखना अपराध है?" वह चिल्लाया। "क्या तुम नहीं समझते कि इससे लड़की के लिए खतरा हो सकता है?"

नहीं, संपादक ने इस बारे में नहीं सोचा था। खतरा – कैसा?

"बेवजह खुद को और मूर्ख मत दिखाओ," बेकर ने कहा। "क्या तुम नहीं समझते कि जिसने एक हत्या की है, वह ज़रूरत पड़ने पर दूसरी भी कर सकता है? और अगर ऐसा है, तो तुमने बड़ी मेहरबानी की है कि तुमने उसे ईवा-लोट्टा का नाम और पता बता दिया! क्या तुम उसका टेलीफोन नंबर भी छाप देते, ताकि वह उसे फोन करके समय तय कर सके?"

यहाँ तक कि ईवा-लॉट्टा को भी लगा कि यह लेख अपराध जैसा है – कम-से-कम इसके कुछ हिस्से। वह एंडर्स और बिल के साथ बेकरी के ऊपर वाले कमरे में बैठी अख़बार पढ़ रही थी।

"'हमारी प्यारी छोटी ईवा-लॉट्टा अपने माता-पिता के बगीचे में फूलों के बीच खेल रही है' – अरे भई, तुम्हें इसके बारे में क्या पता? क्या अख़बार में लिखते समय इतनी बेवकूफ़ी करना ठीक है?" उसने कहा।

बिल ने उससे अख़बार लिया और चिंतित भाव से सिर हिलाते हुए पूरा पढ़ा। आखिरकार, वह इतना समझदार था कि यह समझ सके कि कहानी कितनी बेतुकी है। लेकिन उसने दूसरों से इस बारे में कुछ नहीं कहा।

हालाँकि, संपादक इस बात में सही था कि ईवा-लॉट्टा मानो अपने उस भयानक अनुभव को लगभग भूल चुकी थी। यह सच है कि वह खुद को बड़ा महसूस कर रही थी – लगभग पंद्रह साल की – लेकिन सौभाग्य से उसमें एक स्वस्थ युवा व्यक्ति की वह क्षमता थी कि वह अप्रिय बातों को एक दिन से दूसरे दिन तक लगभग भूल सके।

सिर्फ रात को, जब वह अपने बिस्तर पर लेटी होती, तब उसे अपने विचारों को उस घटना से दूर रखना थोड़ा कठिन लगता था, जिसे वह याद नहीं करना चाहती थी। शुरुआती कुछ रातों में वह ठीक से सो नहीं पाई और कभी-कभी नींद में रो भी पड़ती थी, जिससे उसकी माँ को आकर उसे जगाना पड़ता था।

लेकिन दिन के उजाले और धूप में ईवा-लॉट्टा पहले की तरह शांत और प्रसन्न रहती थी। उसने और अधिक समझदार बनने और "वॉर ऑफ़ द रोज़ेस" में हिस्सा न लेने का जो संकल्प लिया था, वह ठीक दो दिन ही चला। फिर वह खुद को रोक नहीं पाई। उसे लगा कि जितने ज़्यादा उग्र खेल वह खेलेगी, उतनी ही जल्दी वह भयानक घटना उसके मन से मिट जाएगी।

अब तक मैनर से पुलिस पहरा हटा लिया गया था। लेकिन उससे पहले ही 'ग्रेट मम्बो' को हटा लिया गया था। कांस्टेबल बर्क को उसे वहाँ से ले जाने का सम्मान मिला था। बरामदे में हुई पूछताछ के बाद, जिसमें 'ग्रेट मम्बो' का रहस्य सामने आ गया था, एंडर्स ने कांस्टेबल को अलग ले जाकर पूछा कि क्या वह... ... इतनी मेहरबानी कर दें कि ग्रेट मम्बो को उसकी कैद से आज़ाद कर दें। यह काम मिस्टर बर्क ने खुशी-खुशी किया। सच कहें तो उन्हें यह देखने की उत्सुकता भी थी कि ग्रेट मम्बो दिखता

कैसा है।

इस प्रकार ग्रेट मम्बो को उसके असुविधाजनक छिपने के स्थान से पुलिस की निगरानी में बाहर लाया गया और 'व्हाइट' नेता को सौंप दिया गया। अभी वह बेकरी के ऊपर वाले कमरे की एक दराज़ में रखा था, जहाँ 'व्हाइट्स' अपनी कीमती चीज़ें रखते थे, लेकिन यह केवल अस्थायी था। जल्द ही उसे किसी और जगह छिपाया जाना था।

लेकिन कहाँ?

एंडर्स को उसे खंडहर पड़े किले के पास पम्प के बगल में छिपाने का विचार पसंद नहीं आया।

"मैं उसे किसी और ज्यादा रोमांचक जगह पर छिपाना चाहूँगा," उसने कहा।

"बेचारा ग्रेट मम्बो," ईवा-लॉट्टा बोली, "मुझे तो लगता है कि वह पहले ही काफी रोमांचक जगहों पर रह चुका है।"

"मैं एक अलग तरह की रोमांचक जगह के बारे में सोच रहा हूँ," एंडर्स ने जवाब दिया। उसने दराज़ खींचकर बाहर निकाली और बड़े प्यार से ग्रेट मम्बो को देखा, जो गुलाबी रूई के बिस्तर पर एक सिगार के डिब्बे में रखा था।

"हे ग्रेट मम्बो, तुम्हारी आँखों ने बहुत कुछ देखा है," उसने कहा। और अब पहले से भी ज्यादा उसे ग्रेट मम्बो की जादुई शक्तियों पर विश्वास हो गया था।

"मुझे पता है," बिल बोला, "हम इसे 'रेड्स' के किसी घर में छिपाएँगे।"

"क्या मतलब?" ईवा-लॉट्टा ने विरोध किया। "क्या हम इसे खुद ही रेड्स को वापस दे देंगे?"

"नहीं," बिल बोला, "लेकिन कुछ समय के लिए वह उनके पास रहेगा – बिना उन्हें पता चले। और अगर उन्हें पता ही नहीं होगा, तो यह वैसा ही होगा जैसे उनके पास वह है ही नहीं।

"जरा सोचो, जब हम बाद में उन्हें बताएँगे तो वे कितने गुस्सा होंगे!"

एंडर्स और ईवा-लॉट्टा को यह विचार बहुत बढ़िया लगा। कई संभावनाओं पर

जोशीली बहस के बाद तय हुआ कि ग्रेट मम्बो को सिक्सटेन के कमरे में छिपाया जाएगा। वे तुरंत वहाँ जाने और कोई उपयुक्त जगह ढूँढ़ने का फैसला करके निकल पड़े।

जल्दी-जल्दी वे रस्सी से नीचे फिसले और खाड़ी के पास से होते हुए उस छोटी तख्ती पर से गुजरे, जिसे ईवा-लॉट्टा ने 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' के कारण वहाँ रखा था। यह रेड्स के मुख्यालय – सिक्सटेन के गैरेज – तक जाने का सबसे छोटा रास्ता था।

थोड़े हाँफते हुए वे पोस्टमास्टर के घर पहुँचे। सिक्सटेन, बेनका और जॉनी बगीचे में बैठकर रसभरी का रस पी रहे थे, तभी 'व्हाइट्स' वहाँ धड़धड़ाते हुए आ पहुँचे।

एंडर्स ने खुशी से घोषणा की कि ईवा-लॉट्टा अब हथियार उठाने से इनकार नहीं कर रही है और 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' फिर से शुरू हो सकता है। रेड्स ने यह खबर बेहद खुशी से सुनी। पिछले कुछ दिनों में ईवा-लॉट्टा के "और अधिक समझदार बनने" के फैसले ने उन्हें बहुत उदास कर दिया था।

सिक्सटेन ने मेहमाननवाज़ी दिखाते हुए अपने "दुश्मनों" को बैठने और फल का रस पीने के लिए कहा। दुश्मनों को दो बार बुलाने की ज़रूरत नहीं पड़ी, लेकिन एंडर्स, जो साँप जितना चालाक था, बोला, "क्यों न हम तुम्हारे कमरे में बैठकर पीएँ, सिक्सटेन?"

"क्या बात है, तुम्हें लू लग गई है क्या?" मेज़बान ने विनम्रता से कहा। इतने अच्छे मौसम में घर के अंदर बैठना?"

उन्होंने बाहर ही अच्छे मौसम में फल का रस पिया।

कुछ देर बाद बिल बोला, "मैं तुम्हारी टारगेट प्रैक्टिस वाली राइफल देखना चा-हूँगा।"

वह राइफल, जो सिक्सटेन के कमरे की दीवार पर टंगी रहती थी, उसकी सबसे कीमती चीज़ थी। वह उसे बार-बार दिखा चुका था, यहाँ तक कि सब लोग उससे ऊब चुके थे। बिल को उससे ज्यादा उबाऊ कुछ नहीं लगता था – लेकिन यह सब एक अच्छे मकसद के लिए था। सिक्सटेन का चेहरा खिल उठा। "ओह, तुम मेरी राइफल

देखना चाहते हो," उसने कहा। "तो आओ, जरूर देखो।"

और वह उसे लाने के लिए गैरेज की ओर दौड़ा।

"यह क्या?" बिल ने नाराज़ होकर कहा। "क्या तुम अब अपनी राइफल गैरेज में रखते हो?"

"हाँ, अच्छा हुआ न कि वह यहीं पास में थी?" सिक्सटेन ने जवाब दिया और अपनी

"खज़ाने" को बिल को दिखाने लगा।

एंडर्स और ईवा-लॉट्टा इतनी जोर से हँसे कि लगभग उनके गले में केक के टुकड़े अटक जाते। और ईवा-लॉट्टा को समझ में आ गया कि अगर आज उन्हें सिक्सटेन के कमरे तक पहुँचना है, तो थोड़ी "नारी चालाकी" की ज़रूरत पड़ेगी।

उसने ऊपर सिक्सटेन की खिड़की की ओर देखा और मासूमियत से बोली, "तुम्हारे कमरे से नज़ारा बहुत अच्छा होगा, है ना?"

"बिलकुल," सिक्सटेन बोला।

"मुझे पता है," ईवा-लॉट्टा ने कहा, "अगर वे ऊँचे पेड़ न होते, तो तुम लगभग पानी की टंकी भी देख सकते थे।"

"अरे, भगवान के लिए, मैं तो पानी की टंकी साफ देख सकता हूँ," सिक्सटेन बोला।

"हाँ, वह देख सकता है," बेनका ने वफादारी से कहा।

"सच में?" ईवा-लॉट्टा ने लापरवाही से कहा। "मुझ पर कुछ मत चलाओ।"

"झूठ, बिल्कुल झूठ," एंडर्स चिल्लाया, और बिल ने भी पूरी दृढ़ता से कहा, "वह पानी की टंकी नहीं देख सकता, हम जानते हैं कि नहीं देख सकता।"

"बस करो यह बेवकूफ़ी," सिक्सटेन बोला। "ऊपर चलो, मैं तुम्हें पानी की टंकी दिखाता हूँ – इतनी कि तुम्हारा चेहरा हरा पड़ जाएगा, अंधी मुर्गियों!"

वह आगे-आगे चला और सभी छह लोग घर के अंदर गए। एक कोली कुत्ता, जो ठंडे बरामदे में लेटा था, उन्हें आते देख भौंकते हुए उठ खड़ा हुआ।

“शांत रहो, बेप्पो,” सिक्सटेन बोला। “ये बस कुछ बेवकूफ लोग हैं, जो पानी की टंकी देखना चाहते हैं।”

वे ऊपर सिक्सटेन के कमरे में पहुँचे और वह उन्हें गर्व से खिड़की तक ले गया।

“वहाँ!” उसने गर्व से कहा। “इसे मैं पानी की टंकी कहता हूँ, लेकिन तुम चाहो तो इसे घंटाघर या कुछ और भी कह सकते हो।”

“यह तो तुम पर भारी पड़ गया, है ना?” जॉनी बोला।

“ओह, सच में!” ईवा-लॉट्टा ने मुस्कुराते हुए चिढ़ाया। “तुम सच में पानी की टंकी देख सकते हो। खुश हो?”

“तुम कहना क्या चाहती हो?” सिक्सटेन ने झुंझलाकर पूछा।

“ओह, मेरा मतलब बस इतना है – पूरी की पूरी पानी की टंकी देखना कितना शानदार होगा!” ईवा-लॉट्टा ने व्यंग्यपूर्ण हँसी के साथ कहा।

एंडर्स और बिल ने उस दृश्य में बहुत ही कम रुचि दिखाई। इसके बजाय उनकी नज़रें कमरे में इधर-उधर घूमती रहीं, ग्रेट मम्बो को छिपाने के लिए कोई उपयुक्त जगह खोजती हुई।

“अच्छा कमरा है तुम्हारा,” उन्होंने सिक्सटेन से कहा, जैसे कि वे पहले सौ बार यहाँ आ ही नहीं चुके हों।

वे दीवारों के चारों ओर घूमे, उत्सुकता से सिक्सटेन के बिस्तर को टटोला, और यूँ ही उसके लिखने की मेज़ की दराज़ें खींचने लगे।

ईवा-लॉट्टा लगातार कोशिश कर रही थी कि सबका ध्यान खिड़की पर ही बना रहे। वह खिड़की से दिखाई देने वाली हर चीज़ की ओर इशारा कर रही थी – और सचमुच देखने को बहुत कुछ था।

दराज़ों की अलमारी पर सिक्सटेन का ग्लोब रखा था। एंडर्स और बिल को एक ही समय पर एक ही विचार आया – ग्लोब, बिल्कुल! उन्होंने एक-दूसरे की ओर देखा और सहमति में सिर हिलाया।

पहले की यात्राओं से वे जानते थे कि इस ग्लोब को खोलकर दो हिस्सों में अलग

किया जा सकता है। सिक्सटेन कभी-कभी ऐसा करके खुद का मनोरंजन करता था, इसलिए भूमध्य रेखा के आसपास का हिस्सा थोड़ा घिस चुका था। देखने में ऐसा लगता था कि भूमध्य रेखीय अफ्रीका के बड़े हिस्से अभी तक खोजे ही नहीं गए – क्योंकि हर जगह सफेद धब्बे थे। बेशक, यह खतरा था कि सिक्सटेन ग्लोब खोलकर ग्रेट मम्बो को ढूँढ़ सकता है – एंडर्स और बिल दोनों यह समझते थे। लेकिन अगर जोखिम ही न लिया जाए, तो 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' का क्या मज़ा?

"ठीक है, मेरा ख्याल है हमने लगभग सब देख लिया है," एंडर्स ने अर्थपूर्ण स्वर में ईवा-लॉट्टा से कहा, और उसने राहत की साँस लेकर खिड़की से हटना छोड़ दिया।

"हाँ, बहुत-बहुत धन्यवाद, अब हमने जितना देखना था सब देख लिया," बिल ने जोड़ा और संतुष्ट होकर मुस्कुराया। "चलो, अब चलते हैं!"

"वॉव-होह-ए-रोर-ए?" ईवा-लॉट्टा ने जिज्ञासा से पूछा।

"गॉग-लोल-ओ-बोब-ए," बिल ने जवाब दिया।

"फॉफ-ई-नॉन-ए!" ईवा-लॉट्टा बोली।

जब वे इस तरह "पॉपिंग" (बेतुकी आवाज़ें निकालना) शुरू कर दिए, तो सिक्सटेन गुस्से से उन्हें घूरने लगा। हालांकि उसने बस इतना ही कहा, "जब भी तुम्हें और पानी की टंकियाँ देखनी हों, मुझे बुला लेना।"

"हाँ, ज़रूर," जॉनी ने तंज भरी और घमंडी नज़र से उन्हें देखा।

"जूं!" बेनका ने संक्षेप में टिप्पणी की।

व्हाइट्स दरवाज़े से बाहर निकल गए। जब उन्होंने दरवाज़ा खोला, तो वह करुण स्वर में चरमराया।

"घर में तुम्हारे दरवाज़े चरमराते हैं, बताओ इसका क्या फायदा है?"

एंडर्स ने तुरंत जोड़ दिया, "क्यों न उस चरमराहट पर थोड़ा तेल लगा दो?"

"क्यों न तुम घर जाकर अपने कानों पर चादर डाल लो?" सिक्सटेन ने पलटकर कहा।

व्हाइट्स अपने मुख्यालय लौट आए। छिपाने की जगह तय हो चुकी थी; अब उन्हें

केवल यह तय करना था कि ग्रेट मम्बो को वहाँ कब और कैसे पहुँचाया जाए।

"जब आधी रात को पूरा चाँद चमक रहा होगा," एंडर्स ने गहरी आवाज़ में कहा, "तब ग्रेट मम्बो को उसके नए ठिकाने पर ले जाया जाएगा। और उसे ले जाने वाला आदमी यहाँ मौजूद है!"

ईवा-लॉट्टा और बिल ने सहमति में सिर हिलाया। यह उनके पक्ष के लिए एक अतिरिक्त जीत होती – सिक्सटेन के कमरे में घुसना, जब वह खुद अंदर सो रहा हो।

"यह अच्छा लगता है," ईवा-लॉट्टा ने कहा, और एक डिब्बे में रखी चॉकलेट सबको बाँटने लगी, जिसे उसने अलमारी की दराज़ से निकाला था। फिलहाल वह मिठाइयों का खूब आनंद ले सकती थी, क्योंकि हाल के दिनों में उसे बहुत सारी मिठाइयाँ मिली थीं।

जैसा कि संपादक ने लिखा था: "लोकप्रिय छोटी ईवा-लॉट्टा को हर ओर से स्नेह के ठोस प्रमाण मिल रहे हैं। जाने-पहचाने और अनजाने लोग उसे उपहार भेजकर याद कर रहे हैं। पोस्टमैन पीटरसन रोज़ उसके लिए मिठाई, खिलौने और किताबें लाता है – उन नए मित्रों की ओर से, जो इस दुखद घटना में अनजाने में शामिल हुई इस लड़की के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करना चाहते हैं।"

"और अगर सिक्सटेन जाग गया तो तुम क्या करोगे?" बिल ने पूछा।

एंडर्स बेफिक्र दिखा। "मैं कह दूँगा कि मैं उसे लोरी सुनाने आया था और यह देखने कि उसने कंबल तो नहीं फेंक दिया।" बि

ल हँस पड़ा। "अरे, लोकप्रिय छोटी ईवा-लॉट्टा, मुझे एक और चॉकलेट दे दो; इससे तुम्हारी लोकप्रियता दोगुनी हो जाएगी।"

वे तब तक खाते रहे जब तक डिब्बा खाली नहीं हो गया, और अपने आरामदायक, भरे-पूरे कमरे में बैठकर योजनाएँ बनाते रहे। वे रेड्स के खिलाफ अपने आने वाले कारनामों को लेकर बेहद उत्साहित थे।

सचमुच, 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' कितना अद्भुत खेल था!

आखिरकार वे अपने मुख्यालय से निकल पड़े। जैसा कि एंडर्स ने कहा, उन्हें "मैदान में उतरना" था। शायद कोई काम की योजना बन जाए। अगर कुछ और नहीं, तो रेड्स के साथ छोटी-मोटी झड़प करने का मौका तो हमेशा रहता ही था।

वे रस्सी से नीचे उतरे, और ईवा-लॉट्टा ने अनमने ढंग से कहा, "आह, हाँ, बचपन के ये खुशहाल खेल, ये मासूम खुशी के खे-"

वह अचानक रुक गई और उसका चेहरा पीला पड़ गया। उसके मुँह से एक कराह निकली, और वह तेज़ी से वहाँ से भाग गई।

उस दिन उसने फिर कोई खेल नहीं खेला।

अध्याय ग्यारह

"आज रात ही वो रात है," एंडर्स ने कुछ दिनों बाद कहा।

कई कारणों से ग्रेट मम्बो को सिक्सटेन के ग्लोब में पहुँचाने का काम कुछ समय के लिए टालना पड़ा था। पहला कारण यह था कि पूर्णिमा का इंतज़ार ज़रूरी था। पूर्णिमा ही होनी चाहिए थी, क्योंकि वह जादुई और शुभ होती है, और उसका एक फायदा यह भी था कि कमरे में बिना किसी और रोशनी के आसानी से चला-फिरा जा सकता था। दूसरा कारण यह था कि पिछले कुछ दिनों से सिक्सटेन की दो युवा मौसियाँ पोस्टमास्टर के यहाँ आई हुई थीं।

"और तुम जानते हो, ऐसे घर में नहीं जाया जा सकता जहाँ हर कोने से कोई छोटी-सी मौसी झाँक रही हो," एंडर्स ने कहा था, जब बिल उससे पूछ रहा था कि यह काम आखिर कब किया जाएगा। "घर में जितने ज़्यादा लोग होंगे, उतना ही ज़्यादा खतरा होगा कि उनमें से कोई जाग जाए और सब कुछ बिगाड़ दे।"

"हाँ, मौसियाँ बहुत हल्की नींद वाली होती हैं," बिल ने माना।

इसी कारण सिक्सटेन को हैरानी के साथ बार-बार यह जवाब देना पड़ रहा था कि उसकी मौसियाँ कैसी हैं और वे कितने समय तक रहने वाली हैं। आखिरकार वह झुंझला गया।

"ये मेरी मौसियों के बारे में इतना बेकार सवाल-जवाब क्या है?" उसने पूछा, जब एंडर्स ने दसवीं बार इस बात का ज़िक्र किया। "क्या वे तुम्हें परेशान कर रही हैं?"

"नहीं, बिल्कुल नहीं," एंडर्स ने ढीले स्वर में कहा।

"अच्छा, तो फिर," सिक्सटेन बोला, "मेरा ख्याल है वे सोमवार को चली जाएँगी।

अफ़सोस है, क्योंकि मुझे वे पसंद हैं, खासकर मौसी एडा। और जब तक वे हमारे घर में रहती हैं और पूरे शहर में उधम नहीं मचातीं, मुझे नहीं लगता कि वे किसी के रास्ते में आ रही हैं।" इसके बाद एंडर्स ने दोबारा पूछने की हिम्मत नहीं की। लेकिन अब सोमवार था, और एंडर्स ने पोस्टमास्टर की पत्नी को सुबह की ट्रेन में अपनी बहनों को विदा करते हुए देख लिया था। और आज रात पूर्णिमा थी।

"आज रात ही करना होगा," एंडर्स ने दृढ़ता से कहा।

वे बेकरी के आँगन में बैठे थे और ताज़े बन खा रहे थे, जिन्हें ईवा-लॉट्टा ने अपने प्यार करने वाले पिता से बड़ी मुश्किल से हासिल किया था।

थोड़ी देर पहले रेड्स वहाँ से गुजरे थे। वे अपने नए मुख्यालय – मैनर – की ओर जा रहे थे। अब वहाँ कोई पुलिस नहीं थी। प्रेयरी वैसे ही शांत पड़ी थी, मानो वहाँ कभी 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' से भी अधिक गंभीर कोई घटना हुई ही न हो।

"अगर तुम्हें पिटाई की ज़रूरत महसूस हो, तो सीधे मैनर में आ जाना!"

सिक्सटेन ने बेकरी के पास से गुजरते हुए चिल्लाया।

ईवा-लॉट्टा काँप उठी। वह अब कभी भी मैनर नहीं जाना चाहती थी – किसी भी हालत में नहीं!

"अरे, मैंने कितना खा लिया," बिल कह रहा था, जब रेड्स ओझल हो चुके थे और वह अपना छठा बन खत्म कर चुका था।

"मेरे मुकाबले कुछ भी नहीं," एंडर्स ने कहा और अपने पेट पर हाथ फेरा। "लेकिन कोई बात नहीं, क्योंकि रात के खाने में उबली हुई कॉड मछली मिलने वाली है।"

"मछली खाने से दिमाग तेज होता है," ईवा-लॉट्टा ने याद दिलाया। "तुम्हें और ज्यादा कॉड मछली खानी चाहिए, एंडर्स।"

"बिल्कुल नहीं," एंडर्स बोला। "पहले तो मैं यह जानना चाहूँगा कि इससे मैं कितना बुद्धिमान बनूँगा, और उसके लिए मुझे कितनी मछली खानी पड़ेगी।"

"यह इस पर निर्भर करता है कि प्रयोग शुरू करने से पहले तुम कितने बुद्धिमान हो," बिल बोला। "तुम्हारे लिए तो हर हफ्ते एक अच्छी-खासी व्हेल मछली काफी

होगी, एंडर्स।" इसके बाद एंडर्स ने बिल को आँगन में तीन बार दौड़ाया और फिर शांति स्थापित हुई। तब ईवा-लॉट्टा बोली, "मुझे तो यह जानने की बड़ी उत्सुकता है कि आज डाक-बॉक्स में कोई नया तोहफ़ा आया है या नहीं। समझ नहीं आता लोग क्या सोच रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में मुझे सात पाउंड से ज़्यादा चॉकलेट नहीं मिली। मैं तो पोस्ट ऑफिस में फोन करके शिकायत करूँगी।"

"चॉकलेट की बात मत करो," एंडर्स ने घृणा से कहा, और बिल ने भी सहमति जताई। ईवा-लॉट्टा पर मिठाइयों की जो बाढ़ आई थी, उससे निपटने के लिए वे बहादुरी से लड़ चुके थे – अब और नहीं सह सकते थे।

लेकिन ईवा-लॉट्टा गेट के पास वाले डाक-बॉक्स से एक मोटा लिफाफा लेकर लौटी। उसने उसे खोला, और सचमुच उसमें एक बड़ी, अच्छी मिल्क चॉकलेट की टिकिया थी। बिल और एंडर्स ने उसे ऐसे देखा जैसे वह अरंडी का तेल हो।

"इसे हटाओ," उन्होंने एक साथ कहा।

"जरा देखो तो," ईवा-लॉट्टा ने नाराज़ होकर कहा। "ऐसे दिन भी आ सकते हैं जब तुम्हें अपनी चॉकलेट में छाल मिलानी पड़े!"

उसने चॉकलेट को दो हिस्सों में तोड़ा और जबरदस्ती दोनों को आधा-आधा पकड़ा दिया। उन्होंने बिना किसी उत्साह के, सिर्फ उसे खुश करने के लिए, उसे ले लिया और अपनी जेबों में ठूँस लिया, जो पहले से ही तरह-तरह की चीज़ों से भरी हुई थीं।

"ठीक है," ईवा-लॉट्टा बोली। "बरसात के दिन के लिए संभाल कर रखना।"

उसने लिफाफे को मसलकर एक छोटी गेंद बना दी और उसे बाड़ के ऊपर सड़क की ओर फेंक दिया।

"चलो, अपनी साइकिलें लेते हैं और तैरने चलते हैं," बिल ने सुझाव दिया। "आज करने के लिए और कुछ खास नहीं है।"

"बिल्कुल सही," एंडर्स बोला। "अभी के लिए युद्धविराम घोषित कर देते हैं। लेकिन फिर रात को... "

दो मिनट बाद, सिक्सटेन द्वारा भेजा गया बेनका, उचित अपशब्दों के साथ व्हाइट्स को लड़ाई के लिए उकसाने आ पहुँचा। लेकिन... आँगन लगभग सूना था, बस एक छोटी-सी चिड़िया झूले पर बैठी थी और केक के टुकड़ों को चुग रही थी।

जब आधी रात को पूरा चाँद चमक रहा था, तब बिल और ईवा-लॉट्टा अपने बिस्तरों में गहरी नींद में सो रहे थे। लेकिन एंडर्स जाग रहा था। वह भी हमेशा की तरह सोने गया था और उसने इतने जोर-जोर से खर्राटे लेने का अभ्यास किया था कि उसके माता-पिता समझें कि वह गहरी नींद में है। लेकिन इसका नतीजा सिर्फ इतना हुआ कि उसकी माँ चिंतित होकर कमरे में आई और बोली,

"क्या बात है, बेटे? क्या तुम्हें अच्छा नहीं लग रहा?"

"ओह, नहीं, सब ठीक है," एंडर्स ने जवाब दिया, और उसके बाद उसने उतने जोर से खर्राटे नहीं लिए।

जब आखिरकार उसके छोटे भाई-बहनों की हल्की-हल्की साँसों और उसके माता-पिता की भारी साँसों ने उसे विश्वास दिला दिया कि सब सो चुके हैं, तो वह धीरे-धीरे रसोई की ओर निकल गया।

उसके कपड़े वहाँ एक कुर्सी पर रखे थे। उसने जल्दी से अपनी नाइट-शर्ट उतारी और कुछ पल चाँदनी में खड़ा रहा – अपने दुबले-पतले शरीर पर बिना एक धागे के। उसने ध्यान से सुना कि कहीं बेडरूम से कोई आवाज़ तो नहीं आ रही, लेकिन सब शांत था। उसने जल्दी से अपनी पैंट और स्वेटर पहन लिया।

फिर वह धीरे-धीरे और सावधानी से सीढ़ियाँ उतर गया। उसे ज्यादा देर नहीं लगी बेकरी के मंज़िल (लॉफ्ट) तक पहुँचने और ग्रेट मम्बो को लेने में।

"हे महान ग्रेट मम्बो," उसने फुसफुसाते हुए कहा, "इस काम में अपना शक्तिशाली हाथ मेरे ऊपर रखो, क्योंकि सच कहूँ तो मुझे इसकी ज़रूरत पड़ेगी।"

रात की हवा ठंडी लग रही थी, और वह अपने पतले कपड़ों में काँप उठा।

शायद यह उसके उत्साह की वजह से भी था। आधी रात को इस तरह बाहर होना अजीब लग रहा था, जब बाकी सब सो रहे थे।

उसने ग्रेट मम्बो को कसकर पकड़ा और ईवा-लॉट्टा के बनाए छोटे पुल को पार करते हुए दौड़ा। खाड़ी के किनारे खड़े पेड़ काले दिखाई दे रहे थे, लेकिन पानी चाँदनी में चमक रहा था।

"हम जल्द ही अपनी मंज़िल पर पहुँच जाएँगे, हे ग्रेट मम्बो," उसने फुसफुसाकर कहा, मानो ग्रेट मम्बो बेचैन हो रहा हो।

जल्द ही वे अपनी मंज़िल पर पहुँच गए। वहाँ पोस्टमास्टर का घर था – अंधेरा और शांत, जैसे वह भी सो रहा हो। झींगुरों की आवाज़ आ रही थी; इसके अलावा चारों ओर सन्नाटा था।

एंडर्स ने उम्मीद की थी कि घर की कम-से-कम एक खिड़की खुली होगी, और उसकी उम्मीद सही निकली। रसोई की खिड़की पूरी तरह खुली थी। एंडर्स जैसे फुर्तीले लड़के के लिए खिड़की के रास्ते अंदर जाना कोई मुश्किल काम नहीं था।

उसने अपने हाथ खाली रखने के लिए ग्रेट मम्बो को अपनी पैंट की जेब में डाल लिया। यह शायद ग्रेट मम्बो के लिए सही जगह नहीं थी, लेकिन सबसे सुविधाजनक यही थी।

"माफ़ करना, हे ग्रेट मम्बो," एंडर्स ने कहा।

उसकी उँगलियाँ जेब में टटोलने लगीं और उसे कुछ चिपचिपा महसूस हुआ – वही आधी चॉकलेट की टिकिया। अब एंडर्स सुबह की तरह नखरे वाला नहीं था, और उसे पता था कि यह चिपचिपा मिश्रण भी स्वादिष्ट लगेगा। लेकिन यह काम पूरा होने के बाद का इनाम होगा। पहले उसे अपना काम करना था। उसने ग्रेट मम्बो को दूसरी जेब में रखा और अपनी उँगलियाँ चाटकर साफ कर लीं। फिर उसने दृढ़ता से खिड़की के रास्ते अंदर कदम रखा।

अचानक एक डरावनी गुर्राहट ने उसे लगभग हक्का-बक्का कर दिया।

"बेप्पो!"

वह उसे ध्यान में रखना बिल्कुल भूल गया था! और फिर भी उसे पता होना चाहिए था कि यह खिड़की जानबूझकर खुली छोड़ी जाती है ताकि बेप्पो रात में बाहर जा

सके।

"बेप्पो," एंडर्स ने विनती करते हुए फुसफुसाया, "बेप्पो, मैं ही हूँ।"

जब बेप्पो ने देखा कि वह वही ख़ुशमिजाज़ लड़का है जो अक्सर उसके मालिक के साथ आता-जाता रहता है, तो उसकी गुर्राहट खुश भौंकने में बदल गई।

"ओह, प्यारे छोटे बेप्पो, क्या तुम चुप नहीं रह सकते?" एंडर्स ने विनती की।

लेकिन बेप्पो का मानना था कि जब कोई खुश हो, तो उसे भौंककर और पूँछ हिलाकर दिखाना चाहिए – और उसने पूरे जोश से वही किया। घबराहट में एंडर्स ने अपनी जेब से चॉकलेट निकाली और उसे बेप्पो के सामने कर दिया।

"लो, यह लो – बस चुप हो जाओ," उसने फुसफुसाकर कहा।

बेप्पो ने चॉकलेट को सूँघा। उसे लगा मानो स्वागत समारोह अब पूरा हो चुका है, इसलिए उसने भौंकना बंद कर दिया और संतुष्ट होकर लेट गया, उस स्वादिष्ट चिपचिपेपन का आनंद लेने के लिए जो मेहमान ने उसे धन्यवाद के रूप में दिया था।

एंडर्स ने राहत की साँस ली और जितना हो सके उतनी चुपचाप दरवाज़ा खोलकर हॉल में आ गया। वहाँ दूसरी मंज़िल की सीढ़ियाँ थीं – अब उसे बस... तभी ऊपर से किसी के आने की आहट हुई – भारी कदमों की आवाज़, जो सीढ़ियाँ उतर रही थी। खुद पोस्टमास्टर आ रहा था, ढीली-ढाली नाइट-शर्ट पहने हुए। वह बेप्पो के भौंकने से जाग गया था और अब यह देखने आ रहा था कि कुत्ते को क्या परेशान कर रहा है।

एंडर्स एक पल के लिए बिल्कुल जड़ हो गया। लेकिन अगले ही क्षण उसने अपने होश संभाले और जल्दी से हॉल के एक कोने में टंगे ओवरकोटों के पीछे छिप गया।

"अगर इस सबके बाद भी मैं घबराया नहीं हूँ, तो मैं खुद सुपरमैन हूँ," वह बड़बड़ाया। उसी समय उसे ख्याल आया कि पोस्टमास्टर के परिवार को शायद यह बिल्कुल पसंद न आए कि कोई रात में उनकी खिड़की से अंदर घुसे। सिक्सटेन के लिए यह आम बात हो सकती थी – वह 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' का आदी था – लेकिन पोस्टमास्टर नहीं था। यह सोचकर ही एंडर्स काँप उठा कि अगर पोस्टमास्टर ने उसे पकड़ लिया तो क्या होगा।

उसने आँखें बंद कर लीं और मन ही मन प्रार्थना की, तभी पोस्टमास्टर बड़बड़ाते हुए वहाँ से गुज़रा और उन कोटों के पास से निकल गया, जिनके पीछे एंडर्स छिपा हुआ था। पोस्टमास्टर ने रसोई का दरवाज़ा खोला। वहाँ बेप्पो लेटा हुआ था और चाँदनी में उसकी ओर देख रहा था।

"अच्छा तो, बेटा," पोस्टमास्टर ने कहा, "आधी रात को तुम किस पर भौंक रहे हो?"

बेप्पो ने कोई जवाब नहीं दिया। उसने सावधानी से अपना पंजा उस अद्भुत चिपचिपी चीज़ पर रख दिया। क्योंकि उसके मालिक के पिता के विचार कभी-कभी बड़े अजीब होते थे। कल ही तो उन्होंने बेप्पो से एक सुंदर सड़ी हुई हड्डी छीन ली थी, जिसे बेप्पो ने बैठक के कालीन पर रखा था, यह सोचकर कि वह बढ़िया दावत करेगा।

कौन जानता था कि इस चिपचिपी चीज़ के बारे में वह सही राय बनाएगा या नहीं। सुरक्षित रहने के लिए, बेप्पो ने जम्हाई ली और मासूम सा चेहरा बना लिया।

पोस्टमास्टर शांत हो गया, लेकिन उसने खिड़की से बाहर ध्यान से झाँका, यह सुनिश्चित करने के लिए कि सब कुछ ठीक है।

"कोई है वहाँ?" उसने पुकारा।

केवल रात की हवा ने जवाब दिया। वह एंडर्स की कोटों के पीछे से आती बड़बड़ाहट नहीं सुन सका – "नहीं, नहीं, वहाँ कोई नहीं है – एक पिस्सू तक नहीं।"

एंडर्स अपने कोने में काफी देर तक खड़ा रहा। जब तक उसे पूरा विश्वास नहीं हो गया कि पोस्टमास्टर फिर से सो गया है, तब तक उसने हिलने की हिम्मत नहीं की। वहाँ खड़े रहना थका देने वाला था। जल्द ही उसे लगा मानो उसने अपनी आधी ज़िंदगी उन्हीं कोटों के पीछे बिता दी हो, जिनकी ऊनी सतह उसकी नाक को गुदगुदा रही थी। वह बहुत सक्रिय स्वभाव का था, और इंतज़ार करना उसके लिए सबसे बुरा काम था।



आखिरकार वह और सहन नहीं कर पाया। वह अपने "कैदखाने" से बाहर निकला और सावधानी से सीढ़ियाँ चढ़ने लगा। हर कदम पर वह रुककर सुनता, लेकिन कहीं कोई आवाज़ नहीं थी।

"सब ठीक हो जाएगा," एंडर्स ने खुद से कहा – हमेशा की तरह आशावादी।

उसे सिर्फ सिक्सटेन के चरमराते दरवाज़े का ख्याल परेशान कर रहा था। उसने धीरे से हैंडल दबाया और सावधानी से दरवाज़ा खोला। अरे, यह क्या! दरवाज़ा बिल्कुल भी नहीं चरमराया। वह बिना आवाज़ के, बहुत सहजता से खुल गया – स्पष्ट था कि अभी-अभी उसमें तेल डाला गया था।

एंडर्स खुद ही हल्का-सा हँस पड़ा। सिक्सटेन का दरवाज़े में तेल डालना उसी के खिलाफ चला गया! क्या दुश्मन थे वे – जरा-सी परेशानी बताओ, और वे तुरंत

ठीक कर देते हैं, ताकि उन पर चुपके से हमला करना और भी आसान हो जाए!

"धन्यवाद, मेरे अच्छे सिक्सटेन," एंडर्स ने सोचा और सिक्सटेन के बिस्तर की ओर देखा। वहाँ वह बेचारा सो रहा था – बिलकुल अनजान कि आज रात ग्रेट मम्बो उसके घर में रहने आने वाला है। ग्लोब वहाँ दराज़ के ऊपर चाँदनी में रखा था। एंडर्स की फुर्तीली उँगलियों ने जल्दी ही उसे खोल दिया।

"आह, ग्रेट मम्बो के लिए कितनी शानदार जगह!" उसने उत्साह से अपनी जेब से ग्रेट मम्बो निकाला और उसे उसके नए ठिकाने पर रख दिया।

"बस थोड़ी देर के लिए, हे ग्रेट मम्बो," उसने बिना आवाज़ के कहा। "तुम्हें थोड़ी देर इन अधर्मियों के बीच रहना होगा – इन लोगों के बीच जिनके पास कोई कानून नहीं! लेकिन जल्द ही व्हाइट रोज़ तुम्हें फिर से सभ्य लोगों के बीच सुरक्षित जगह देगा।"

ग्लोब के पास दराज़ पर एक कैंची पड़ी थी, और उसे देखकर एंडर्स के दिमाग में एक विचार कौंधा।

जब कोई व्यक्ति अपने सोते हुए दुश्मन तक पहुँच जाता था, तो पुराने समय में यह प्रथा थी कि वह उसके कपड़े का एक टुकड़ा काट लेता था – यह साबित करने के लिए कि वह वहाँ तक पहुँच गया था। एंडर्स ने यह किताबों में पढ़ा था। यह एक तरीका था यह दिखाने का कि तुम दुश्मन पर काबू पा चुके थे, लेकिन उसे नुकसान नहीं पहुँचाया।

फिर अगले दिन तुम वह टुकड़ा उसके सामने लहराते हुए कहते, "अपने नंगे घुटनों पर बैठो और अपनी जान बचाने के लिए मेरा धन्यवाद करो, ओ बदतमीज़ आदमी!"

और यही एंडर्स करने वाला था। सिक्सटेन के पास कोई चोगा तो नहीं था, लेकिन उसके पास बाल थे – सुंदर लाल बालों का घना गुच्छा। एंडर्स ने सोचा कि अभी उसी का एक गुच्छा काट लिया जाए।

जब ग्रेट मम्बो सुरक्षित जगह पर पहुँच जाएगा, तब रेड्स को सच्चाई बताई जाएगी कि वह ग्लोब में था, और उन्हें दिखाया जाएगा वह बालों का गुच्छा, जिसे व्हाइट

रोज़ के नेता ने रेड रोज़ के नेता के सिर से पूर्णिमा की रात काटा था। क्या शानदार दोहरी जीत!

लेकिन चाँदनी सिक्सटेन के बिस्तर पर नहीं पड़ रही थी – वह दीवार के पास छाया में था। एक हाथ में कैंची लेकर एंडर्स ने दूसरे हाथ से सावधानी से रास्ता टटोला।

बेबस रेड लीडर – उसका सिर तकिए पर रखा था। एंडर्स ने उसे धीरे लेकिन मजबूती से पकड़ा और काटना शुरू किया।

अचानक रात की खामोशी को चीरती हुई एक तीखी चीख गूँज उठी।

यह किसी किशोर लड़के की भारी आवाज़ नहीं थी – बल्कि एक औरत की तीखी चीख थी। एंडर्स की रगों में खून जैसे जम गया। वह ऐसे भय से भर गया जैसा उसने पहले कभी महसूस नहीं किया था। वह सिर के बल दरवाज़े की ओर भागा।

वह सीढ़ियों की रेलिंग पर चढ़ा और फिसलते हुए नीचे आया; उसने रसोई का दरवाज़ा खोला और दो छलांगों में खिड़की तक पहुँच गया। वह बाहर ऐसे कूदा जैसे कोई पूरा झुंड उसके पीछे पड़ा हो।

ऐसा लग रहा था मानो बुरी आत्माओं का पूरा झुंड उसके पीछे पड़ा हो। वह तब तक नहीं रुका जब तक वह खाड़ी के ऊपर बने पुल तक नहीं पहुँच गया। वहाँ पहुँचकर उसे साँस लेने के लिए रुकना पड़ा। बालों का वह गुच्छा अब भी उसके हाथ में था – उसे फेंकने की हिम्मत ही नहीं हुई थी।

वह चाँदनी में खड़ा हाँफ रहा था और अपने हाथ में पकड़ी उस भयानक चीज़ को घूर रहा था। वे सुनहरे बाल निश्चित रूप से किसी मौसी के थे – चाहे वह कोई भी हो। साफ था कि उस सुबह केवल एक ही मौसी गई थी – कौन सोच सकता था ऐसा!

उसने खुद क्या कहा था? – कि ऐसे घर में जाना खतरनाक होता है जहाँ हर कोने से कोई छोटी मौसी झाँक रही हो! क्या शर्मनाक बात थी, क्या भयानक शर्मिंदगी! वह रेड लीडर का सिर का बाल काटने निकला था और वापस एक सुनहरी बालों वाली मौसी के बाल लेकर आया!

एंडर्स शर्म से बिल्कुल जड़ होकर खड़ा रह गया। यह उसके साथ अब तक की सबसे बुरी घटना थी। वह इसे किसी को भी कभी नहीं बताएगा। अपनी पूरी ज़िंदगी वह इस भयानक रहस्य को छिपाए रखेगा और इसे अपने साथ कब्र तक ले जाएगा।

लेकिन वह उस बालों के गुच्छे से जितनी जल्दी हो सके छुटकारा पाना चाहता था। उसने पुल की रेलिंग के ऊपर हाथ बढ़ाया और उसे छोड़ दिया। काले पानी ने उसके इस "उपहार" को चुपचाप अपने भीतर ले लिया। वे पुल के नीचे वैसे ही धीरे-धीरे बहते रहे, जैसे हमेशा बहते थे।

लेकिन पोस्टमास्टर के घर में भारी हलचल मची हुई थी। पोस्टमास्टर और उसकी पत्नी घबराकर मौसी एडा के पास दौड़े; यहाँ तक कि सिक्सटेन भी अटारी से भागता हुआ नीचे आ गया, जहाँ उसे मौसियों के आने के दौरान रहने के लिए भेज दिया गया था।

"आखिर, भगवान के लिए, मौसी एडा ने आधी रात को ऐसी चीख क्यों मारी?" पोस्टमास्टर जानना चाहता था।

मौसी एडा ने कहा कि उसके कमरे में कोई चोर था। पोस्टमास्टर ने पूरे घर की बत्तियाँ जला दीं और हर जगह खोजबीन की, लेकिन कहीं कोई चोर नहीं मिला। घर की चाँदी की चीज़ें अपनी जगह पर सुरक्षित थीं; कुछ भी गायब नहीं था।

सिवाय बेप्पो के! लेकिन शायद वह थोड़ी देर के लिए बगीचे में चला गया होगा, जैसा वह अक्सर करता था। अगर सच में कोई चोर होता, तो बेप्पो ज़रूर भौंकता और हंगामा मचाता – उन्होंने मौसी एडा को समझाया। असल में उसे बस एक भयानक सपना आया था–बस यही! उन्होंने उसे थपथपाकर दिलासा दिया और फिर से सो जाने को कहा।

लेकिन जब मौसी एडा अकेली रह गई, तो वह इतनी उत्तेजित थी कि सो ही नहीं पाई। कोई भी उसे यह नहीं समझा सकता था कि उसके कमरे में कोई नहीं आया था। उसने अपनी घबराहट शांत करने के लिए सिगरेट जलाई और फिर आईना उठाकर देखने लगी कि डर के कारण उसके सुंदर चेहरे पर कोई असर तो नहीं पड़ा।

और तभी उसने देखा। उस रात के आगंतुक ने अपनी छाप छोड़ दी थी। उसके बालों की बनावट बदल गई थी। बालों का एक बड़ा गुच्छा काट दिया गया था। अब उसके सिर पर एक छोटा-सा अजीब-सा गुच्छा रह गया था। वह घबराकर आईने में अपना चेहरा देखती रही, लेकिन धीरे-धीरे उसके चेहरे पर मुस्कान फैल गई। कोई भी हो, वह इतना मूर्ख तो था ही कि आधी रात को सिर्फ उसके बालों का गुच्छा चुराने के लिए घर में घुस आया! पुरुष पहले भी मौसी एडा के लिए मूर्खताएँ कर चुके थे – वह इसकी आदी थी – लेकिन यह उसे सबसे ज्यादा रोमांटिक लगा।

उसने कुछ देर सोचा कि वह अनजान प्रशंसक कौन हो सकता है, लेकिन यह उसके लिए एक रहस्य ही बना रहा। वह कोई भी हो, मौसी एडा ने उसे माफ़ करने का फैसला किया। और वह उसके बारे में किसी को नहीं बताएगी। जहाँ तक उसका सवाल था, बाकी लोग यही सोच सकते थे कि उसने यह सब सपना देखा था।

मौसी एडा ने आह भरी और चुपचाप वापस बिस्तर में चली गई। कल उसे नाई के पास जाकर उस बालों के गुच्छे को थोड़ा ठीक करवाना पड़ेगा।

अध्याय बारह

एक नया दिन उग रहा था, और बेकरी के बगीचे में बिल और ईवा-लॉट्टा टहल रहे थे, एंडर्स के आने का इंतज़ार करते हुए, ताकि वह रात के कारनामों की रिपोर्ट दे सके। लेकिन घंटे बीतते गए और एंडर्स कहीं दिखाई नहीं दिया।

"अजीब बात है," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि उसे फिर से कैदी बना लिया गया है?"

वे उसे ढूँढने के लिए निकलने ही वाले थे कि वह आखिरकार आ पहुँचा। वह अपनी आदत के अनुसार दौड़कर नहीं आया, बल्कि धीरे-धीरे चलकर आया, और वह बहुत पीला लग रहा था।

"अरे, तुम तो बहुत बुरी हालत में लग रहे हो," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "क्या तुम उन 'हीट वेव के शिकार' लोगों में से हो, जिनके बारे में अखबारों में लिखा जाता है?"

"मैं तो उबली हुई कॉडफिश का शिकार हूँ," एंडर्स ने जवाब दिया। "मछली मुझ पर सूट नहीं करती; न जाने कितनी बार मैंने अपनी माँ से यह कहा है। और अब इसका सबूत भी मिल गया है।"

"कैसे?" बिल ने पूछा।

"मैं पूरी रात बीमार रहा। बार-बार बिस्तर से उठता रहा।"

"लेकिन ग्रेट मुम्बो का क्या हुआ? वह अभी भी दराज़ में है, न?"

"नहीं, सर! उसका तो मैंने सबसे पहले ही ध्यान रख लिया था," एंडर्स ने मुस्कुराते हुए कहा। "मैं अपना कर्तव्य निभाता हूँ, चाहे मेरे अंदर कैसी भी मुसीबत क्यों न चल रही हो। ग्रेट मुम्बो अब सिक्सटेन के ग्लोब में आराम कर रहा है!"

बिल और ईवा-लॉट्टा की आँखें चमक उठीं।

"बहुत बढ़िया!" बिल ने उत्साहित होकर कहा। "हमें सब बताओ। क्या सिक्सटेन जाग गया था?"

"अगर तुम एक मिनट इंतज़ार करोगे तो मैं बताता हूँ," एंडर्स ने जवाब दिया।

वे तीनों ईवा-लॉट्टा के छोटे पुल (फुटब्रिज) पर बैठ गए। नीचे खाड़ी के पास ठंडक थी, और एल्डर के पेड़ सुखद छाया दे रहे थे। उन्होंने अपने पैर गुनगुने पानी में लटका दिए; एंडर्स ने कहा कि इससे उसके पेट को आराम मिल रहा है।

"शायद यह सिर्फ मछली की वजह से नहीं था, अब सोचता हूँ," उसने जोड़ा। "शायद मेरे नर्व्स भी कारण थे। क्योंकि मैं एक डरावने घर में था।"

"हमें शुरुआत से सब कुछ बताओ," ईवा-लॉट्टा ने कहा।

एंडर्स ने ऐसा ही किया। उसने बेप्पो से अपनी मुलाकात और कैसे उसने उसे चुप रहने के लिए मना लिया, यह सब बड़े नाटकीय ढंग से बताया। बिल और ईवा-लॉट्टा बारी-बारी से रोमांचित और खुश होते रहे; वे आदर्श श्रोता थे, और एंडर्स मज़े लेकर अपनी कहानी सुनाता गया।

"तुम समझते हो कि अगर मैंने बेप्पो को चॉकलेट न दी होती, तो मैं तो गया ही था," उसने कहा।

फिर उसने पोस्टमास्टर के साथ अपनी और भी डरावनी मुठभेड़ का वर्णन किया।

"तुम उसे थोड़ा चॉकलेट और नहीं दे सकते थे?" बिल ने सुझाव दिया।

"नहीं, बेप्पो को ही सब मिल गया," एंडर्स ने कहा।

"फिर क्या हुआ?" ईवा-लॉट्टा ने उत्सुकता से पूछा।

एंडर्स ने सब कुछ विस्तार से बताया। उसने सिक्सटेन के दरवाज़े के बारे में बताया, जो चरमराया नहीं, और सिक्सटेन की मौसी के बारे में, जो इतनी ज़ोर से चीखी कि उसकी कमी पूरी हो गई; और कैसे उसकी चीख सुनकर उसका खून जम गया, और कैसे उसे सिर के बल भागकर रात में बाहर निकलना पड़ा।

बस एक ही बात उसने नहीं बताई – मौसी के बालों का वह गुच्छा, जिसे उसने नाले में फेंक दिया था।

बिल और ईवा-लॉट्टा को यह सब किसी भी साहसिक कहानी से ज्यादा रोमांचक और दिलचस्प लगा, और वे बार-बार सारी बातें सुनते रहे, बिना ऊबे।

"क्या रात थी!" अंत में ईवा-लॉट्टा ने कहा।

"हाँ... कोई आश्चर्य नहीं कि लोग समय से पहले बूढ़े हो जाते हैं," एंडर्स ने जवाब दिया। "लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि ग्रेट मुम्बो वहीं है, जहाँ उसे होना चाहिए।"

बिल ने ख़ुशी से अपने पैर पानी में छींटे मारे। "हुर्रे! ग्रेट मुम्बो सिक्सटेन के ग्लोब में है!" वह हँसते हुए बोला। "क्या तुम इससे ज्यादा अद्भुत कुछ सोच सकते हो?"

न तो एंडर्स और न ही ईवा-लॉट्टा सोच पाए। और उनकी ख़ुशी और भी बढ़ गई जब उन्होंने सिक्सटेन, बेन्का और जॉनी को खाड़ी के किनारे चलते हुए आते देखा।

"उस टहनी पर लगे सुंदर व्हाइट रोज़ को देखो!" सिक्सटेन ने कहा, जब वे फुट-ब्रिज तक पहुँचे।

बेन्का ने तुरंत व्हाइट रोज़ को खाड़ी में झुकाने की कोशिश की, लेकिन सिक्सटेन ने उसे रोक दिया। रेड्स लड़ाई करने नहीं आए थे, बल्कि सिर्फ शिकायत करने आए थे।

'वॉर ऑफ द रोज़ेज़' के नियमों के अनुसार, जिस पक्ष के पास अस्थायी रूप से ग्रेट मुम्बो होता था, उसे उसके ठिकाने के बारे में कम-से-कम कोई संकेत देना पड़ता था – भले ही बहुत छोटा सा ही क्यों न हो! लेकिन क्या व्हाइट्स ने ऐसा किया था? नहीं, उन्होंने नहीं किया!

हाँ, व्हाइट लीडर ने, काफी गुदगुदाने के बाद, मैनर के पीछे किसी छोटे रास्ते के बारे में कुछ बड़बड़ा दिया था, और यह सुनिश्चित करने के लिए रेड्स ने पिछले दिन वहाँ पूरे इलाके की फिर से तलाशी भी ली थी। लेकिन अब उन्हें यकीन हो गया था कि व्हाइट्स ने ग्रेट मुम्बो को कहीं और छिपा दिया है, इसलिए उन्होंने दोस्ताना लेकिन

दृढ़ता से कोई सुराग माँगा।

एंडर्स पानी में उतर गया। पानी उसके घुटनों से ऊपर नहीं था। वह वहाँ पैर फैलाकर और हाथ कमर पर रखे खड़ा हो गया, और उसकी आँखें शरारत से चमक रही थीं।

“हाँ, हम तुम्हें एक सुराग देंगे,” उसने कहा। “धरती के पेट में खोजो।”

“बहुत धन्यवाद, कितनी मददगार बात है,” सिक्सटेन ने व्यंग्य से कहा। “और हम कहाँ से शुरू करें? यहीं से, या नॉर्दर्न डालकार्लिया से?”

“क्या बढ़िया सुराग है,” जॉनी ने ताने से कहा। “हमारे पोते-पोतियाँ शायद कब्र में जाने से पहले ग्रेट मुम्बो को ढूँढ ही लेंगे।”

“हाँ, लेकिन तब तक उनके हाथों में अच्छे-खासे छाले पड़ जाएँगे,” बेन्का ने कहा।

“अपना दिमाग लगाओ, छोटे रेड योद्धाओं, अगर तुम्हारे पास है तो,” एंडर्स ने कहा। और उसने नाटकीय अंदाज़ में जोड़ा, “अगर रेड लीडर घर जाकर धरती के पेट में झाँकेगा, तो सब कुछ उसे साफ़ दिखाई देने लगेगा।”

बिल और ईवा-लॉट्टा ने घमंड से पानी में अपने पैर छींटे और खुशी से हँस पड़े। “बिलकुल सही। धरती के पेट में खोजो!” वे एक साथ बोले, एक-दूसरे की ओर रहस्यमयी नज़रों से देखते हुए।

“तुम लोग मुझे बीमार कर देते हो,” सिक्सटेन ने कहा।

इसके बाद रेड्स पोस्टमास्टर के घर की ओर चल पड़े और बगीचे में बड़े पैमाने पर खुदाई शुरू कर दी। सारी दोपहर वे हर उस जगह खोदते और टटोलते रहे, जो कम से कम संदि लगती थी और जहाँ ग्रेट मुम्बो छिपा हो सकता था। आखिरकार पोस्टमास्टर बाहर आया और पूछा कि क्या सचमुच उसके लॉन को ही खराब करना ज़रूरी है; क्या वे किसी और के बगीचे में जाकर उसे यह “आनंद” नहीं दे सकते?

“खैर, मुझे लगता है कि तुम्हें, सिक्सटेन, बेप्पो को ढूँढने जाना चाहिए,” उसने जोड़ा।

“क्या बेप्पो अभी तक वापस नहीं आया?” सिक्सटेन की आवाज़ चिंता से भर गई,

और उसने अपना फावड़ा गिरा दिया। "आखिर वह कहाँ हो सकता है?"

"यही तो मैं सोच रहा था कि तुम पता लगाओगे," उसके पिता ने जवाब दिया।

सिक्सटेन तुरंत खड़ा हो गया। "चलो, तुम लोग भी आओ," उसने बेन्का और जॉनी से कहा। बेशक बेन्का और जॉनी उसके साथ चल पड़े। और भी लोग थे जो खोज में मदद करना चाहते थे। एंडर्स, बिल और ईवा-लॉट्टा, जो पिछले कुछ घंटों से झाड़ी के पीछे छिपकर रेड्स की लगातार खुदाई देख रहे थे, अपने छिपने के स्थान से बाहर आए और मदद की पेशकश की। ज़रूरत के समय कोई दुश्मन नहीं होता।

सच्ची दोस्ती के साथ पूरा दल गायब हुए बेप्पो को ढूँढने निकल पड़ा।

"वह कभी भागता नहीं था," सिक्सटेन ने चिंतित होकर कहा। "कम-से-कम कुछ घंटों से ज़्यादा के लिए तो कभी नहीं। लेकिन अब वह कल रात ग्यारह बजे से गायब है।"

"नहीं, करीब बारह बजे से," एंडर्स ने कहा, "क्योंकि... " वह अचानक रुक गया और शर्म से लाल हो गया।

"अच्छा, तो बारह बजे से," सिक्सटेन ने अनमने ढंग से कहा। फिर उसने एंडर्स की ओर शक भरी नज़र डाली। "तुम्हें यह कैसे पता?"

"ओह, मैं उन दूरदर्शियों में से एक हूँ," एंडर्स ने जल्दी से कहा। वह उम्मीद कर रहा था कि सिक्सटेन इस बात को आगे नहीं बढ़ाएगा। क्योंकि वह यह तो नहीं बता सकता था कि उसने आधी रात के करीब बेप्पो को रसोई में देखा था, जब वह ग्रेट मुम्बो लेकर घर में घुस रहा था, और यह भी कि आधे घंटे बाद खिड़की से भागते समय कुत्ता वहाँ नहीं था।

"अच्छा सच में? कितना अच्छा हुआ कि हमें ऐसे मौके पर एक दूरदर्शी मिल गया!" सिक्सटेन ने जवाब दिया। "क्या तुम अपनी इस शक्ति का इस्तेमाल करके यह देख सकते हो कि बेप्पो अभी कहाँ है?"

लेकिन एंडर्स ने समझाया कि वह सिर्फ समय के बारे में दूरदर्शी है, जगह के बारे

में नहीं।

"तो हम बेप्पो को कब पाएँगे?" सिक्सटेन ने पूछा।

"हम उसे लगभग एक घंटे में ढूँढ लेंगे," एंडर्स ने आत्मविश्वास से कहा।

लेकिन इस बार वह दूरदर्शी गलत साबित हुआ। बात इतनी आसान नहीं थी।

उन्होंने हर जगह खोजा। पूरे शहर में उसे ढूँढा। उन घरों में भी पूछताछ की, जहाँ बेप्पो अक्सर जाता था। रास्ते में मिलने वाले हर व्यक्ति से पूछा। लेकिन किसी ने भी बेप्पो को नहीं देखा था। वह जैसे गायब हो गया था।

अब सिक्सटेन बिल्कुल चुप था। चलते-चलते वह चुपके से रो भी रहा था, लेकिन वह दूसरों को यह दिखाना नहीं चाहता था। वह बस बार-बार अपनी नाक साफ कर रहा था।

"उसके साथ कुछ न कुछ हुआ है," वह बार-बार कहता रहा। "वह पहले कभी इस तरह गायब नहीं हुआ।"

बाकी लोगों ने उसे दिलासा देने की कोशिश की।

"उसके साथ कुछ नहीं हुआ है," उन्होंने कहा। लेकिन उन्हें खुद भी इस बात का पूरा भरोसा नहीं था।

"वह बहुत अच्छा कुत्ता था," सिक्सटेन ने अंत में रुंधी हुई आवाज़ में कहा। "वह तुम्हारी हर बात समझता था।"

"ऐसी बातें मत करो," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "तुम ऐसे बोल रहे हो जैसे वह मर गया हो।" सिक्सटेन ने कोई जवाब नहीं दिया, बस हल्का-सा सुड़क लिया।

"उसकी आँखें कितनी वफादार थीं," बिल ने कहा। "मेरा मतलब है, उसकी आँखें कितनी वफादार हैं," उसने जल्दी से सुधार किया।

फिर वे कुछ देर तक चुप रहे। जब सन्नाटा बहुत भारी लगने लगा, तो जॉनी बोला, "हाँ, कुत्ते अच्छे जानवर होते हैं।"

अब वे घर वापस लौट रहे थे। और खोजने का कोई फायदा नहीं था। सिक्सटेन बाकी लोगों से कुछ कदम आगे चल रहा था, रास्ते में एक पत्थर को ठोकर मारते

हुए। और सब समझ रहे थे कि वह कितना दुखी है।

"सोचो, सिक्सटेन, अगर बेप्पो घर वापस आ गया हो, जब हम उसे ढूँढ रहे थे," ईवा-लॉट्टा ने आशा से कहा।

सिक्सटेन सड़क के बीच में रुक गया। "अगर वह आ गया है," उसने कहा, "अगर बेप्पो घर लौट आया है, तो मैं वादा करता हूँ कि मैं अपनी आदतें सुधार लूँगा। ओह, मैं कितना अच्छा लड़का बन जाऊँगा! मैं हर दिन अपने कान धोऊँगा, और... "

वह नई उम्मीद के साथ दौड़ने लगा। बाकी लोग भी उसके पीछे दौड़े, और सब मन-ही-मन यही प्रार्थना कर रहे थे कि जब वे पोस्टमास्टर के घर पहुँचें, तो बेप्पो गेट पर खड़ा भौंकता हुआ मिले।

लेकिन वहाँ कोई बेप्पो नहीं था। सिक्सटेन का हर दिन कान धोने का उदार वादा भी किसी चमत्कारी ताकत पर असर नहीं डाल सका। ... जो कुत्तों के जीवन और उनके तौर-तरीकों को नियंत्रित करती हैं। और जब सिक्सटेन ने बरामदे में खड़ी अपनी माँ से पुकारकर पूछा, "क्या बेप्पो वापस आ गया है?" तो उसकी आवाज़ से उम्मीद पहले ही गायब हो चुकी थी।

उसने सिर हिला दिया।

सिक्सटेन ने कुछ नहीं कहा, बस वहाँ से चला गया और लॉन पर जाकर बैठ गया। बाकी लोग थोड़ी झिझक के बाद उसके पीछे-पीछे गए। वे उसके चारों ओर खामोशी से खड़े रहे; उन्हें उसे सांत्वना देने के लिए कोई शब्द नहीं मिल रहे थे।

"वह मेरे पास तब से है जब वह एक छोटा-सा पिल्ला था," सिक्सटेन ने अनिश्चित आवाज़ में कहा। और सभी समझते थे कि अगर किसी के पास कोई कुत्ता उसके पिल्ला होने से ही रहा हो, तो उसके खो जाने पर आँखें लाल हो जाना स्वाभाविक है।

"और तुम्हें पता है उसने एक बार क्या किया था?" सिक्सटेन ने जैसे खुद को और दुखी करते हुए आगे कहा। "जब मैं अपेंडिसाइटिस का ऑपरेशन करवाकर अस्पताल से घर आया, तो वह गेट पर मुझसे मिलने दौड़कर आया – और वह इतना खुश था कि उसने मुझे गिरा दिया और मेरा घाव फिर से खुल गया।"

यह सुनकर सब भावुक हो गए। किसी कुत्ते के प्यार का इससे बेहतर प्रमाण क्या हो सकता था कि उसने अपने मालिक को इतनी खुशी में गिरा दिया कि उसका ऑपरेशन का घाव फिर से खुल गया!

"हाँ, कुत्ते बहुत अच्छे जानवर होते हैं," जॉनी ने फिर से कहा।

"खासकर बेप्पो," सिक्सटेन ने कहा और नाक सुड़क ली।

बिल को बाद में कभी समझ नहीं आया कि किस प्रेरणा से वह पोस्टमास्टर के लकड़ी रखने वाले शेड (वुडशेड) में देखने चला गया। उसने खुद सोचा कि यह तो बेवकूफी थी, क्योंकि अगर बेप्पो वहाँ बंद होता, तो वह ज़रूर भौंकता रहता जब तक कोई आकर उसे बाहर न निकाल देता।

लेकिन फिर भी, भले ही कोई ठोस कारण नहीं था, बिल वहाँ गया। उसने दरवाज़ा पूरी तरह खोल दिया ताकि रोशनी अंदर आ सके। और वहाँ, एक कोने में, बेप्पो पड़ा हुआ था। वह बिल्कुल स्थिर पड़ा था, और एक निराशाजनक पल के लिए बिल को यकीन हो गया कि वह मर चुका है। लेकिन जब बिल पास गया, तो कुत्ते ने बड़ी मुश्किल से अपना सिर उठाया और धीमी-सी कराह निकाली।

तुरंत बिल पूरी ताकत से चिल्लाता हुआ बाहर भागा, "सिक्सटेन! सिक्सटेन! वह यहाँ है! वह वुडशेड में पड़ा है!"

"मेरा बेप्पो! मेरा बेचारा छोटा बेप्पो!" सिक्सटेन काँपती आवाज़ में बोला। वह कुत्ते के पास घुटनों के बल बैठ गया, और बेप्पो उसे ऐसे देख रहा था जैसे पूछ रहा हो कि उसका मालिक पहले क्यों नहीं आया। क्या वह यहाँ बहुत लंबे समय से पड़ा था, इतना बीमार कि वह भौंक भी नहीं पाया? ओह, वह कितना बीमार रहा होगा! वह यह सब अपने मालिक को बताने की कोशिश कर रहा था, और उसकी आवाज़ बेहद दयनीय लग रही थी।

"सुनो, वह रो रहा है," ईवा-लॉट्टा ने कहा, और खुद भी रोने लगी।

बेप्पो सचमुच बीमार था, इसमें कोई संदेह नहीं था। उसने उल्टी की थी, और वह इतना कमजोर था कि मुश्किल से हिल-डुल पा रहा था। वह बस धीरे से सिक्सटेन

का हाथ चाट रहा था, मानो उसे धन्यवाद दे रहा हो कि अब उसे अपनी तकलीफ में अकेला नहीं रहना पड़ेगा।

"मुझे तुरंत डॉक्टर के पास दौड़ना होगा और जल्दी से जल्दी उसे बुलाना होगा," सिक्सटेन ने कहा। लेकिन जैसे ही वह उठा, बेप्पो ने घबराकर और दिल दहला देने वाली आवाज़ में कराह की।

"उसे डर है कि तुम उसे छोड़कर जा रहे हो," बिल ने कहा। "मैं ही जाता हूँ।"

"उसे कहो कि जल्दी आए," सिक्सटेन ने कहा। "और कहना कि यह एक कुत्ता है जिसने चूहे मारने वाला ज़हर खा लिया है।"

"तुम्हें यह कैसे पता?" बेन्का ने पूछा।

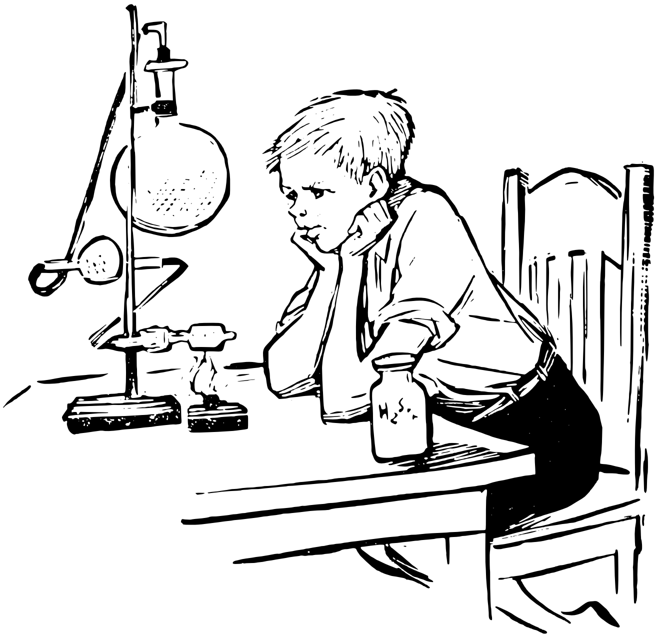
"मुझे पता है," सिक्सटेन ने कहा। "मेरी आँखें हैं, है न? वह पुरानी कसाई की दुकान चूहों से छुटकारा पाने के लिए ज़हर डालती है। बेप्पो कभी-कभी वहाँ जाकर हड्डियाँ ले आता था।"

"क्या बेप्पो... क्या कोई कुत्ता उससे मर सकता है?" एंडर्स ने डर से आँखें फैलाकर पूछा।

"चुप रहो!" सिक्सटेन गुस्से में चिल्लाया। "बेप्पो नहीं! बेप्पो मर नहीं सकता! वह मेरे पास तब से है जब वह छोटा-सा पिल्ला था। ओह, बेप्पो, तुमने चूहे का ज़हर सूँघने की क्यों सोची?"

बेप्पो ने अपने मालिक का हाथ आज्ञाकारी ढंग से चाटा और कोई जवाब नहीं दिया।

अध्याय तेरह



बिल उस रात बेचैनी से सोया। उसने सपना देखा कि वह फिर से बेप्पो को ढूँढ़ने निकला है। वह अकेला अँधेरे, सुनसान रास्तों पर चल रहा था, जो उसके सामने उदासी भरी अनंतता में फैलते चले जा रहे थे और बहुत दूर जाकर भयावह अँधेरे में खो जाते थे। वह उम्मीद कर रहा था कि उसे कोई मिलेगा – कोई इंसान – जिससे वह बेप्पो के बारे में पूछ सके, लेकिन कोई नहीं आया। पूरा संसार खाली, अँधेरा और

पूरी तरह सुनसान था। और अचानक वह अब बेप्पो को नहीं ढूँढ़ रहा था।

वह कुछ और था, कुछ बहुत अधिक महत्वपूर्ण, लेकिन वह उसे ठीक से पहचान नहीं पा रहा था। उसे महसूस हो रहा था कि उसे उसे याद करना ही होगा; जैसे उसकी ज़िंदगी उसी पर निर्भर हो। वह कहीं था, उसके सामने फैले अँधेरे में, लेकिन वह उसे ढूँढ़ नहीं पा रहा था। और वह इस बात को लेकर इतनी पीड़ा में आ गया कि उसकी नींद खुल गई।

"भगवान का शुक्र है, यह सिर्फ एक सपना था!" उसने अपनी घड़ी देखी। अभी केवल पाँच बजे थे। बेहतर होगा कि फिर से सोने की कोशिश करे। उसने अपना सिर तकिए में दबा लिया और कोशिश की। लेकिन अजीब बात थी – वह सपना उसका पीछा नहीं छोड़ रहा था। पूरी तरह जागने पर भी उसे महसूस हो रहा था कि कुछ है जिसे उसे याद करना चाहिए। वह उसके मन की गेहराइयों में कहीं था, बाहर आने का इंतज़ार कर रहा था। कुछ – उसकी चेतना की गहराइयों में एक छोटा-सा अंश – जानता था कि उसे क्या याद करना चाहिए। उसने सोचते हुए अपना सिर खुजाया और झुंझलाकर बुदबुदाया, "अच्छा, तो निकल कर सामने आ ही जाओ!"

लेकिन कुछ नहीं आया, और बिल इससे थक गया। वह फिर से सोना चाहता था। धीरे-धीरे उसे एक सुखद उनींदापन घेरने लगा।

लेकिन जैसे ही वह आधा सोया था, उसके दिमाग के गहरे हिस्से में वह छोटा-सा कोना उस जानकारी को छोड़ बैठा, जिसे वह समझने की कोशिश कर रहा था। वह सिर्फ एक वाक्य था। यह एंडर्स की आवाज़ थी जो उसे कह रही थी – "अगर मैंने बेप्पो को चॉकलेट न दी होती, तो मैं बर्बाद हो जाता।"

बिल झटके से बिस्तर पर सीधा बैठ गया। वह अचानक पूरी तरह जाग गया। "अगर मैंने बेप्पो को चॉकलेट न दी होती, तो मैं बर्बाद हो जाता," उसने धीरे-धीरे अपने आप से दोहराया।

अब इसमें ऐसा क्या अजीब था? उसे वही वाक्य क्यों याद रखना पड़ा? अरे

हाँ, क्योंकि... क्योंकि... इसमें एक डरावनी संभावना थी... जब वह इस निष्कर्ष तक पहुँचा, तो वह फिर लेट गया और दृढ़ता से कंबल अपने कानों तक खींच लिया।

"बिल बर्गसन," उसने खुद को चेतावनी देते हुए कहा, "फिर से शुरू मत करो! उस बेवकूफ़ जासूसी के चक्कर में फिर मत पड़ो! हमने तय किया था कि अब उस तरह की बेकार चीज़ों से नाता खत्म!"

अब वह सोने जा रहा था! बस, बात खत्म!

"मैं उबली हुई कॉड मछली का शिकार हूँ।"

फिर से उसे एंडर्स की आवाज़ सुनाई दी। आखिर उसे चैन से सोने क्यों नहीं दिया जा रहा था! एंडर्स को यहाँ आकर लगातार बकबक करने की क्या ज़रूरत थी? क्या वह अपने घर पर रहकर खुद से बात नहीं कर सकता था, अगर उसे इतनी बात करने की ज़रूरत थी? लेकिन अब कोई उपाय नहीं था। वे भयानक विचार बाहर आने के लिए शोर मचा रहे थे। उन्हें रोका नहीं जा सकता था।

मान लो कि एंडर्स को बीमार करने वाली चीज़ वह मछली नहीं थी? उबली हुई कॉड मछली घिनौनी थी, बिल मानता था, लेकिन उसके कारण पूरी रात उल्टी होना आम बात नहीं थी। और अगर वह चूहे मारने का ज़हर नहीं था जो बेप्पो ने खाया था! मान लो कि वह... मान लो कि वह... ज़हरीली चॉकलेट थी!

बिल ने खुद को फिर रोकने की कोशिश की।

"महान जासूस अखबार पढ़ रहा है, मैं देख रहा हूँ," उसने व्यंग्य से कहा। "लगता है वह हाल के आपराधिक मामलों का पीछा कर रहा है। लेकिन भले ही पहले कभी किसी को ज़हरीली चॉकलेट से मारा गया हो, इसका मतलब यह नहीं कि हर एक टुकड़ा चॉकलेट आर्सेनिक से भरा हुआ है।"

वह कुछ देर चुपचाप लेटा रहा और सोचता रहा। और वे डरावने विचार थे।

"शायद और भी लोग होंगे जो अखबार पढ़ते हैं और आपराधिक मामलों का अध्ययन करते हैं," उसने सोचा। "कोई खास व्यक्ति ऐसा कर रहा हो सकता है। हरे

गबरडीन पैंट वाला कोई आदमी। वह डर गया होगा। उसने ईवा-लॉट्टा के बारे में वह लेख पढ़ा होगा, जिसमें लिखा था कि उसे डाक में कितनी चॉकलेट वगैरह मिल रही है। वही लेख जिसमें कहा गया था कि ईवा-लॉट्टा लिसेण्डर कभी न कभी हत्यारे को पकड़वाने में मदद कर सकती है – या कुछ ऐसा ही। हे भगवान, अगर सच में वही बात हो!"

बिल झटके से बिस्तर से कूद पड़ा। उसके पास तो चॉकलेट की दूसरी आधी टिकिया खुद थी! वह तो उसे लगभग भूल ही गया था। अब वह कहाँ होगी?

वह तो अभी भी उसकी पैंट की जेब में ही होगी, ज़ाहिर है। वही नीली डेनिम पैंट जो उसने उस दिन पहनी थी। क्या किस्मत थी, कितनी अद्भुत किस्मत – अगर उसकी शंका सच निकली तो!

लेकिन इंसान बहुत-सी बेकार बातें सोच सकता है, खासकर जब वह सुबह-सुबह बिस्तर पर लेटा हो और जाग रहा हो... सबसे असंभव बातें भी उस समय संभव लगने लगती हैं। जब बिल अपने पैरों पर खड़ा हुआ और अलमारी में अपने पायजामे में खड़ा था, खिड़की से आती सुबह की रोशनी के साथ, तो उसने फिर सोचा कि यह सब तो बस बकवास है। हमेशा की तरह – सिर्फ कल्पना!

"हालाँकि, निश्चित रूप से, थोड़ी-सी साधारण जाँच-पड़ताल करना गलत नहीं होगा!" उसका काल्पनिक श्रोता, जो काफी समय से दूर ही बना हुआ था, मानो इसी संकेत का इंतज़ार कर रहा था। वह उत्साह से दौड़ता हुआ आया यह देखने कि महान जासूस अब किस काम में लगा हुआ है।

"मिस्टर बर्गसन क्या करने का इरादा रखते हैं?" उसने सम्मानपूर्वक पूछा।

"जैसा कि मैंने कहा – बस एक साधारण जाँच-पड़ताल।"

अचानक बिल फिर से महान जासूस बन गया; इससे बचना अब संभव नहीं था। उसने लंबे समय से खुद को यह भूमिका निभाने नहीं दी थी, और सच कहें तो वह खुद भी नहीं चाहता था। जब बात किसी गंभीर अपराध की होती, तो वह जासूस नहीं बनना चाहता था। लेकिन इस समय वह खुद यह जानने के लिए इतना बेचैन था कि

उसके संदेह सही हैं या नहीं, कि वह फिर से जासूस बनने के प्रलोभन को रोक नहीं सका।

उसने अपनी जेब से चॉकलेट की आधी टिकिया निकाली और अपने काल्पनिक श्रोता को दिखाई।

“मेरे पास यह संदेह करने के कुछ ठोस कारण हैं कि इस चॉकलेट में आर्सेनिक मिला हुआ है।”

उसका काल्पनिक श्रोता डर से सिकुड़ गया।

“ऐसी बातें पहले भी हो चुकी हैं, तुम जानते हो,” महान जासूस ने निर्दयता से आगे कहा।

“और एक चीज़ होती है जिसे ‘पैटर्न क्राइम’ कहते हैं। यह बहुत सामान्य घटना है – अपराधी अपने विचार किसी पहले हुए अपराध से लेता है।”

“लेकिन आप कैसे पता लगाएंगे कि इसमें सच में आर्सेनिक है?” अदृश्य श्रोता ने उलझन में चॉकलेट की ओर देखते हुए पूछा।

“हमें एक छोटा-सा परीक्षण करना होगा,” महान जासूस ने शांत स्वर में कहा। “मार्श आर्सेनिक टेस्ट। यही मैं अब करने जा रहा हूँ।”

श्रोता ने प्रशंसा से अलमारी के चारों ओर देखा।

“क्या शानदार प्रयोगशाला है आपके पास, मिस्टर बर्गसन,” उसने कहा। “मेरा ख्याल है मिस्टर बर्गसन एक प्रशिक्षित रसायनज्ञ हैं?”

“ओह, हाँ, प्रशिक्षित... मैंने अपने जीवन का एक बड़ा हिस्सा रासायनिक अध्ययन में लगाया है,” महान जासूस ने स्वीकार किया। “रसायन विज्ञान और अपराध-विज्ञान एक-दूसरे से अलग नहीं हैं, यह तुम्हें पता होना चाहिए, मेरे युवा मित्र!”

यदि उसके बेचारे माता-पिता वहाँ होते, तो वे यह प्रमाणित कर सकते थे कि महान जासूस के लंबे जीवन का एक बड़ा हिस्सा इसी अलमारी में रासायनिक प्रयोगों में बीता था। हालाँकि वे इसे कुछ अलग तरीके से कहते। वे शायद यह कहना अधिक सही समझते कि वह बार-बार खुद को और घर को उड़ाने के बहुत करीब पहुँच चुका

था – ऐसे प्रयोगों के उत्साह में, जो हमेशा सटीक ज्ञान के साथ नहीं होते थे।

लेकिन उसका काल्पनिक श्रोता माता-पिता जैसी शंका से बिल्कुल रहित था। वह बड़ी रुचि से देखता रहा, जब जासूस ने शेल्फ से एक स्पिरिट बर्नर, कई काँच की नलियाँ, जार और अन्य उपकरण निकाले।

“जिस परीक्षण की आप बात कर रहे थे, वह कैसे किया जाता है?” उसने उत्सुकता से पूछा। महान जासूस उसे समझाने के लिए तैयार था।

“सबसे पहले हमें एक हाइड्रोजन उपकरण चाहिए,” उसने अधिकारपूर्ण स्वर में कहा। “यह हमारे पास है। यह बस एक जार है, और इसमें हम जिंक के टुकड़े और सल्फ्यूरिक अम्ल डालते हैं। तब तुरंत हाइड्रोजन गैस बनती है। यदि हम अब किसी रूप में आर्सेनिक मिलाएँ, तो एक गैस बनती है जिसे हाइड्रोजन आर्सीन (AsH_3) कहते हैं। हम इस गैस को इस काँच की नली से गुजारते हैं और फिर दूसरी नली में ले जाते हैं, जहाँ हम इसे कैल्शियम क्लोराइड से सुखाते हैं, और उसके बाद यह छोटी नली में आगे बढ़ती है। एक बन्सन बर्नर से हम इस गैस को यहाँ, इस संकरे हिस्से में गर्म करते हैं। तब गैस टूटकर हाइड्रोजन और मुक्त आर्सेनिक में बदल जाती है, और आर्सेनिक काँच की नली की दीवारों पर दर्पण जैसी धूसर-काली परत के रूप में जम जाता है। यही तथाकथित ‘आर्सेनिक मिरर’ है – जिसके बारे में तुमने सुना होगा, मेरे युवा मित्र?”

उसके युवा मित्र ने पहले कभी ऐसी किसी चीज़ के बारे में नहीं सुना था, लेकिन वह महान जासूस की सारी तैयारियों को अपार रुचि से देखता रहा।

“अब याद रखना,” महान जासूस ने कहा, जब उसने अंततः बर्नर जला दिया, “कि मैंने यह बिल्कुल नहीं कहा है कि इस चॉकलेट में वास्तव में आर्सेनिक है। यह केवल एक साधारण जाँच है, और मैं सच्चे दिल से आशा करता हूँ कि मेरे संदेह निराधार साबित हों।”

फिर अलमारी में सन्नाटा छा गया। महान जासूस अपने प्रयोग में इतना व्यस्त था कि वह अपने युवा मित्र को लगभग भूल ही गया था।

अब काँच की नली गरम हो रही थी। उसने चॉकलेट का एक छोटा टुकड़ा पीसकर फ़नल के जरिए हाइड्रोजन उपकरण में डाला। फिर उसने साँस रोके इंतज़ार किया।

हे भगवान, वह था! आर्सेनिक मिरर! वह भयानक प्रमाण कि वह सही था। वह काँच की नली को घूरता रह गया, मानो अपनी आँखों पर विश्वास नहीं कर पा रहा हो। उसके मन में हमेशा संदेह रहा था। अब कोई संदेह नहीं था। इसका मतलब था... कुछ बहुत भयानक।

काँपते हुए उसने स्पिरिट लैम्प बुझा दिया। उसका काल्पनिक श्रोता गायब हो चुका था। उसी क्षण वह चतुर महान जासूस फिर से एक छोटा और डरा हुआ बिल बन गया। कुछ ही देर बाद एंडर्स को उसकी खिड़की के बाहर "व्हाइट रोज़" का संकेत सीटी से सुनाई दिया और वह जाग गया। उसने उनींदी आँखों से खिड़की के पास लगे जेरैनियम और रबर के पौधों के बीच से बाहर झाँका कि कौन है। बिल मोची की दुकान के सामने खड़ा उसे इशारा कर रहा था।

"कहाँ आग लगी है?" एंडर्स ने पूछा। "तुम्हें इस समय लोगों को क्यों जगाना पड़ रहा है?"

"बातें बंद करो और नीचे आओ," बिल ने कहा।

एंडर्स आखिरकार आ गया। उसने उसे गंभीर नज़र से देखा और पूछा, "क्या तुमने वह चॉकलेट बेप्पो को देने से पहले खुद चखी थी?"

एंडर्स उसे हैरानी से घूरने लगा।

"क्या तुम सुबह सात बजे सिर्फ मुझसे यह पूछने के लिए दौड़ते हुए यहाँ आए हो?" उसने कहा।

"हाँ। उसमें आर्सेनिक था," बिल ने शांत और धीमे स्वर में उत्तर दिया।

एंडर्स का चेहरा पीला और दुबला-सा लगने लगा। "मुझे याद नहीं," उसने फुस-फुसाते हुए कहा। "हाँ, मैंने अपनी उँगलियाँ चाटी थीं... जब मैंने 'ग्रेट मम्बो' को उस चॉकलेट के गड़बड़ मिश्रण में डाला था जो मेरी जेब में था। क्या तुम्हें पूरा यकीन है

कि... ?"

"मुझे पूरा यकीन है," बिल ने दृढ़ता से कहा। "और अब हम पुलिस के पास जा रहे हैं।" उसने एंडर्स को जल्दी-जल्दी उस परीक्षण के बारे में बताया जो उसने किया था, और उस भयानक सच्चाई के बारे में भी जो सामने आई थी। वे ईवा-लॉट्टा के बारे में सोचने लगे, और उनके दिल पहले से भी अधिक भारी हो गए – जितना वे अपने जीवन में कभी नहीं हुए थे। ईवा-लॉट्टा को इस बारे में पता नहीं चलना चाहिए; फिलहाल यह बात उससे छिपाकर रखनी होगी – इस पर दोनों सहमत थे।

एंडर्स ने बेप्पो के बारे में भी सोचा। "उसे ज़हर मैंने दिया," उसने निराशा में कहा। "अगर बेप्पो मर गया, तो मैं कभी सिक्स्टेन की आँखों में नहीं देख पाऊँगा।"

"बेप्पो नहीं मरेगा। तुम जानते हो पशु-चिकित्सक ने क्या कहा था," बिल ने उसे दिलासा दी।

"उसे बहुत सारी दवाइयाँ दी गई हैं, पेट साफ़ किया गया है और बाकी सब कुछ भी किया गया है। और वैसे भी, यह बेहतर हुआ कि चॉकलेट बेप्पो को मिली, बजाय इसके कि वह तुम्हें या ईवा-लॉट्टा को मिलती।"

"या तुम्हें," एंडर्स ने कहा।

दोनों सिहर उठे।

"एक बात तो साफ़ है, वैसे," एंडर्स ने कहा, जब वे पुलिस स्टेशन की ओर जा रहे थे। "क्या?" बिल ने पूछा।

"तुम्हें ही इस मामले की ज़िम्मेदारी लेनी होगी, बिल। जब तक तुम नहीं करोगे, यह मामला सुलझेगा नहीं। मैं तो हमेशा से यही कहता आया हूँ।"

अध्याय चौदह

“इस हत्या के मामले को हर हाल में सुलझाना होगा,” इंस्पेक्टर ने कहा और अपना हाथ ज़ोर से मेज़ पर पटका।

चौदह दिनों से वह इस असाधारण रूप से जटिल मामले पर काम कर रहा था, और अब उसे शहर छोड़ना था। राज्य पुलिस के पास बहुत काम था और दूसरे स्थानों पर भी उसके इंतज़ार में कई मामले थे। लेकिन वह अपने तीन आदमियों को यहीं छोड़ रहा था, और उसने उन्हें स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर पुलिस स्टेशन में सुबह-सुबह की एक बैठक के लिए बुलाया था।

“लेकिन जहाँ तक मैं देख सकता हूँ,” उसने आगे कहा, “हमारे चौदह दिनों के काम का एकमात्र ठोस परिणाम बस इतना है कि अब कोई भी गहरे हरे गबरडीन पैंट पहनने की हिम्मत नहीं करता।”

उसने उदासी से सिर हिलाया। उन्होंने बहुत मेहनत की थी – बहुत ज्यादा। उन्होंने हर संभव सुराग का पीछा किया था। लेकिन रहस्य का समाधान उतना ही दूर लगता था जितना शुरू में था।

हत्यारा जैसे कहीं से अचानक प्रकट हुआ और फिर गायब हो गया। उसे किसी ने नहीं देखा था, सिवाय एक लड़की के – ईवा-लॉट्टा लिसेंडर।

जनता ने पुलिस की मदद करने की पूरी कोशिश की थी। बहुत-से संकेत मिले थे उन लोगों के बारे में जो गहरे हरे गबरडीन पैंट पहनते थे; बल्कि एहतियात के तौर पर लोगों ने नीले, भूरे और स्लेटी रंग के गबरडीन पैंट पहनने वालों की भी जानकारी दे दी थी। और कल ही इंस्पेक्टर को एक गुमनाम चिट्ठी मिली थी, जिसमें लिखा था:

“दरजी एंडरसन का एक शरारती बेटा है और वह लड़का काले पैंट पहनता है – उसे भी बंद कर देना चाहिए।”

“तो जब लोग आपसे काले पैंट पहनने वालों को गिरफ्तार करने को कहने लगें, तो यह कोई अजीब बात नहीं कि सारे गहरे हरे गबरडीन पैंट जैसे जादू से गायब हो गए हैं,” इंस्पेक्टर ने हल्की हँसी के साथ कहा।

ईवा-लॉट्टा को कई बार बुलाया गया था ताकि उसे उन लोगों के सामने लाया जा सके जिन्हें इंस्पेक्टर थोड़ा और ध्यान से देखना चाहता था। संदिों को कई और उसी तरह के कपड़े पहने पुरुषों के साथ पंक्ति में खड़ा किया जाता था, और फिर ईवा-लॉट्टा से पूछा जाता था कि क्या इनमें से कोई वही आदमी है जिससे वह प्रेयरी में मिली थी।

“नहीं, इनमें से कोई नहीं,” ईवा-लॉट्टा हर बार कहती।

उसे पुलिस की बहुत-सी तस्वीरें भी देखनी पड़ीं, लेकिन उनमें से भी कोई ऐसा नहीं था जिसे वह पहचान सके।

“और ये सब कितने अच्छे दिखते हैं, है ना?” उसने कहा, जब वह अपराधियों और चोरों की उन तस्वीरों को देख रही थी।

रास्कल्स हिल पर रहने वाले हर व्यक्ति से ग्रीन के निजी जीवन के बारे में पूछताछ की गई थी। पुलिस विशेष रूप से यह जानना चाहती थी कि हत्या से पहले वाले सोमवार की रात किसी ने कुछ असामान्य देखा था या नहीं – जब गबरडीन पैंट पहने एक आदमी, जैसा कि अब साबित हो चुका था, ग्रीन से मिलने आया था। और सच में, लगभग हर किसी ने उस खास शाम को कुछ न कुछ असामान्य देखा था। रास्कल्स हिल पर इतना हंगामा हुआ था, जैसे दस हत्यारे एक-दूसरे को मारने में लगे हों। यह बात निश्चित रूप से दिलचस्प लगी। लेकिन इंस्पेक्टर ने जल्द ही पता लगा लिया कि यह सब “वॉर ऑफ़ द रोज़ेस” की वजह से हुआ था। लेकिन कई लोगों ने, जिनमें बिल बर्गसन भी था, यह भी बताया कि उन्होंने ठीक उसी महत्वपूर्ण समय पर एक कार के स्टार्ट होने और दूर जाने की आवाज़ सुनी थी। और यह तय हो चुका था कि

वह कार डॉक्टर फोर्सबर्ग की नहीं थी, जो उसी रात बीमार गूफी फ्रेडरिक को देखने आए थे।

कॉन्स्टेबल बर्क ने मज़ाक में बिल को उस कार के बारे में और ध्यान से पता न लगाने के लिए चिढ़ाया था।

“तुम तो बड़े जासूस हो!” उसने कहा। “तुम वहाँ दौड़कर कार का नंबर क्यों नहीं लिख पाए? क्या आजकल अपने काम में ढिलाई बरत रहे हो?”

“मेरे पीछे तीन खतरनाक रेड्स पड़े हुए थे,” बिल ने सफाई देते हुए पछतावे के साथ कहा। ग्रीन के सभी ग्राहकों का पता लगाने के लिए बहुत काम किया गया था। ग्रीन के घर से मिले IOU पर लिखे अधिकांश नामों का पता लगाया जा सका था।

यह पाया गया कि वे देश के अलग-अलग दूर-दराज़ हिस्सों में रहने वाले लोगों के थे। “एक आदमी जिसके पास कार हो – शायद,” इंस्पेक्टर ने कहा, खुद को गुस्से में एक छोटे कुत्ते की तरह झटकते हुए। “वह यहाँ से पाँच सौ मील दूर भी रह सकता है। हो सकता है उसने अपनी कार हवेली के आसपास कहीं खड़ी की हो, फिर वहाँ जाकर काम किया हो और उसके बाद तुरंत भाग गया हो – इससे पहले कि हमें पता चलता कि हुआ क्या है।”

“हाँ, वह इससे बेहतर जगह नहीं चुन सकता था – प्रेयरी जैसा,” बर्क ने कहा। “वहाँ की सड़कें लगभग हमेशा सुनसान रहती हैं। और आसपास कोई लोग भी नहीं रहते जो उसे या उसकी कार को देख पाते।”

“जो निश्चित रूप से यह दिखाता है कि उसे इस इलाके की अच्छी जानकारी थी, है ना?” इंस्पेक्टर ने टिप्पणी की।

“शायद,” कॉन्स्टेबल बर्क ने कहा। “लेकिन यह महज़ संयोग भी हो सकता है कि उसने यही जगह चुनी।”

हत्या के तुरंत बाद हवेली के आसपास की सभी सड़कों की टायरों के निशान के लिए सावधानी से जाँच की गई थी। लेकिन कोई निशान नहीं मिला। भारी बारिश अपराधी के लिए बहुत मददगार साबित हुई थी।

और उस खोए हुए IOU को उन्होंने कैसे-कैसे ढूँढ़ा था! हर झाड़ी, हर पत्थर और हर घास के गुच्छे को खंगाला गया था। लेकिन वह महत्वपूर्ण कागज़ का टुकड़ा मानो हमेशा के लिए खो गया था।

"हत्यारे की तरह ही पूरी तरह गायब," इंस्पेक्टर ने आह भरते हुए कहा।

"सोचो तो सही, हम अचानक गलियारे में लड़कों की उत्साहित आवाज़ें सुनाई दीं। उन्होंने स्पष्ट रूप से इंस्पेक्टर से मिलने की ज़िद की थी, क्योंकि वहाँ ड्यूटी पर मौजूद युवा कॉन्स्टेबल उन्हें यह समझाते हुए सुना जा सकता था कि इंस्पेक्टर मीटिंग में व्यस्त हैं और उन्हें परेशान नहीं किया जाना चाहिए।

लेकिन लड़कों की आवाज़ें और भी ज़िद्दी होती गईं। "हमें उनसे मिलना ही है, मैं कहता हूँ!" कॉन्स्टेबल बर्क ने एंडर्स की आवाज़ पहचान ली और अपनी कुर्सी से उठ खड़ा हुआ।

"मिस्टर बर्क," एंडर्स ने जैसे ही उन्हें देखा, उत्साह से कहा, "यह उस हत्या के बारे में है... अब बिल ने इसकी ज़िम्मेदारी ले ली है... "

"मैंने ऐसा कुछ नहीं किया है," बिल ने नाराज़ होकर विरोध किया, "लेकिन... "

कॉन्स्टेबल बर्क ने उन्हें असंतोष से देखा। "मुझे लगा था मैंने तुम्हें बता दिया था कि यह छोटे लड़कों और शौकिया जासूसों का काम नहीं है," उसने कहा। "तुम इसे राज्य पुलिस पर छोड़ सकते हो कि वे इस मामले को ठीक से संभालें। अब यहाँ से निकलो!"

इस समय तक एंडर्स को मिस्टर बर्क पर भी गुस्सा आ गया था, जबकि वह सामान्यतः उनका बहुत सम्मान करता था।

"घर जाओ!" वह चिल्लाया। "घर जाओ और हत्यारे को पूरे शहर को आर्सेनिक से ज़हर देने दो!"

बिल ने उसकी मदद की। उसने सावधानी से लिपटा हुआ चॉकलेट का एक टुकड़ा निकाला और गंभीर स्वर में कहा, "मिस्टर बर्क, किसी ने यह ज़हरीली चॉकलेट ईवा-

लॉट्टा को भेजी है।" वह उस लंबे पुलिसवाले की ओर विनती भरी नज़र से देखने लगा, जो उसके रास्ते में खड़ा था। लेकिन अब मिस्टर बर्क ने उसे रोका नहीं।

"अंदर आओ," उसने संक्षेप में कहा और लड़कों को अपने आगे अंदर कर दिया। जब बिल और एंडर्स अपनी कहानी सुना चुके, तो सन्नाटा छा गया। यह सन्नाटा काफी देर तक बना रहा।

फिर इंस्पेक्टर ने कहा, "क्या मैंने नहीं कहा था कि हमें हत्यारे की ओर से किसी तरह का संकेत चाहिए?"

उसने चॉकलेट के टुकड़े को अपने हाथ में तौला। निश्चित ही, यह वह चीज़ नहीं थी जिसकी उसे उम्मीद थी।

उसने सोच-समझकर एंडर्स और बिल की ओर देखा। यह भी संभव था कि लड़के गलत दिशा में हों। उसे यह नहीं पता था कि एक केमिस्ट के रूप में बिल कितना भरोसेमंद है, और क्या आर्सेनिक के बारे में उसका दावा सच में गंभीरता से लेने योग्य है। हो सकता है उसकी कल्पना ही हावी हो गई हो। खैर, रासायनिक जाँच से यह स्पष्ट हो जाएगा। कुत्ते वाली बात भी अजीब लग रही थी – यह तो सच था। अच्छा होता अगर चॉकलेट के दूसरे हिस्से का नमूना मिल जाता, जो कुत्ते को मिला था। लेकिन अब तक उसके सभी निशान मिट चुके थे। और हालत को और खराब करने के लिए, लड़कों के अनुसार ईवा-लॉट्टा ने वह लिफाफा भी फेंक दिया था जिसमें चॉकलेट आई थी। "सचमुच, वह लड़की कितनी कीमती चीज़ें यूँ ही फेंक देती है!"

इंस्पेक्टर ने मन ही मन सोचा। लेकिन वह यह कैसे जान सकती थी कि वह लिफाफा इतना महत्वपूर्ण है। अब उसे ढूँढ़ना पड़ेगा, हालांकि मिलने की संभावना बहुत कम थी।

वह एंडर्स की ओर मुड़ा। "क्या तुमने अपनी चॉकलेट का थोड़ा-सा भी हिस्सा बचाकर नहीं रखा?" उसने आशा से पूछा।

एंडर्स ने सिर हिलाया।

"नहीं, बेप्पो ने सब खा लिया। मैंने तो बस अपनी उँगलियों पर लगा हुआ चाट लिया

था।"

"लेकिन तुम्हारी पैंट की जेबें? क्या तुम्हें नहीं लगता कि वे चॉकलेट से गंदी हो गई होंगी?"

"माँ ने कल ही वह पैंट धो दी," एंडर्स ने उत्तर दिया।

"यह तो अफसोस की बात है," इंस्पेक्टर ने कहा।

वह कुछ देर चुप रहा, फिर उसने फिर से एंडर्स की ओर देखा। "एक बात है जो मैं सोच रहा हूँ। तुमने कहा था कि परसों रात तुम्हारा पोस्टमास्टर के रसोईघर में कोई काम था। तुम खिड़की से अंदर घुसे, जब घर के सभी लोग सो रहे थे। एक बूढ़े पुलिसवाले के लिए यह सब काफी संदि लगता है। क्या तुम बता सकते हो कि तुम वहाँ क्या कर रहे थे?"

"ओह... वो... ," एंडर्स कुर्सी पर मचलते हुए बोला।

"हाँ?" इंस्पेक्टर ने कहा।

"हम... वो... ग्रेट मम्बो... "

"नहीं, नहीं! मुझे यह मत बताओ कि उसमें फिर से वही चीज़ शामिल है!" इंस्पे-क्टर ने घबराकर कहा। "

"मुझे तो लगता है कि ग्रेट मम्बो हर बार किसी न किसी मामले में आ ही जाता है।"

"मैं तो बस उसे सिक्स्टेन के ग्लोब में रखने जा रहा था," एंडर्स ने शर्मिंदा होकर कहा। बिल अचानक चिल्लाया, "ग्रेट मम्बो!" वह बोला। "शायद उस पर चॉकलेट लगी हो! एंडर्स ने उसे अपनी जेब में रखी चिपचिपी चॉकलेट में ही डाल दिया था।"

इंस्पेक्टर के चेहरे पर एक बड़ी मुस्कान फैल गई।

"मुझे लगता है अब समय आ गया है कि ग्रेट मम्बो खुद को पुलिस के हवाले करे," उसने कहा। और इस तरह एक बार फिर ग्रेट मम्बो पुलिस की निगरानी में यात्रा पर निकल पड़ा। कॉन्स्टेबल बर्क तेजी से पोस्टमास्टर के घर की ओर बढ़ा, और बिल व एंडर्स उसके पीछे-पीछे चल पड़े।

"इस तरह तो तुम ग्रेट मम्बो को बिगाड़ दोगे," बिल ने कहा। "आखिरकार उसे एक

जगह से दूसरी जगह जाते समय आगे-पीछे घुड़सवार पुलिस की ज़रूरत पड़ेगी!"

ग्रेट मम्बो की इस यात्रा का कारण भले ही डरावना था, और इससे उनके मन में बेचैनी पैदा हो रही थी, फिर भी वे इसे अपने 'व्हाइट रोज़' समूह के सदस्य होने के नाते कुछ हद तक रोमांचक मानने से खुद को रोक नहीं सके। अब जब यह खुल चुका था कि एंडर्स ने अनजाने में बेप्पो को ज़हर दिया था, तो ग्रेट मम्बो के ग्लोब में छिपे रहने का रहस्य भी 'रेड्स' को बताना पड़ेगा। 'व्हाइट्स' को सिक्स्टेन को सब कुछ बताना ही होगा, और इसका मतलब था कि वह तुरंत ही उस खजाने पर कब्जा कर लेगा – हालाँकि पुलिस ग्रेट मम्बो को अपनी सुरक्षा में ले रही थी। और भले ही एंडर्स और बिल को ईवा-लॉट्टा और बेप्पो के लिए दुख हो रहा था, फिर भी वे यह सोचने से खुद को रोक नहीं सके कि यह एक अच्छा समाधान था।

"मैं तुमसे कहता हूँ," बिल ने कहा, "ग्रेट मम्बो तो जीवन रक्षक है। अगर तुम उसे उस ग्लोब में रखने नहीं जाते, एंडर्स, तो तुम कभी बेप्पो को वह चॉकलेट नहीं देते। और अगर बेप्पो ने वह चॉकलेट नहीं खाई होती, तो निश्चित ही कुछ बहुत बुरा हो जाता। हर कोई बेप्पो की तरह आर्सेनिक सहन नहीं कर सकता।"

कॉन्स्टेबल बर्क और एंडर्स दोनों सहमत हुए।

"ग्रेट मम्बो बहुत महत्वपूर्ण व्यक्ति है," कॉन्स्टेबल बर्क ने कहा, जब उसने पोस्ट-मास्टर के बगीचे का फाटक खोला।

बेप्पो अपने टोकरे में बरामदे पर लेटा था – अभी भी कमजोर, लेकिन निस्संदेह जीवित। सिक्स्टेन उसके पास बैठा था और उसे प्यार व लगाव भरी नज़रों से देख रहा था। उसने उस कुत्ते को बचपन से पाला था और अभी भी लंबे समय तक उसे अपने पास रखना चाहता था। जैसे ही उसने बगीचे का फाटक खुलने की आवाज़ सुनी, उसने ऊपर देखा और उसकी आँखें आश्चर्य से फैल गईं।

"कैसे हो, सिक्स्टेन?" कॉन्स्टेबल बर्क ने कहा। "मैं ग्रेट मम्बो लेने आया हूँ।"

अध्याय पंद्रह

लोग किसी हत्या को कितनी जल्दी भूल जाते हैं? अफसोस, इसमें ज़्यादा समय नहीं लगता! लोग कुछ समय तक बातें करते हैं, अंदाज़ लगाते हैं, परेशान होते हैं, काँपते हैं और शिकायत करते हैं कि पुलिस कुछ नहीं कर रही। लेकिन अचानक वह सब इतना दिलचस्प नहीं रह जाता। वे किसी और बात की चर्चा करने लगते हैं, और दूसरी चीज़ों के बारे में शिकायत करने लगते हैं।

युवा लोग सबसे जल्दी भूल जाते हैं – खासकर वे, जिनका ध्यान "वॉर ऑफ़ द रोज़ेस" और "ग्रेट मम्बो" के अपहरणकर्ताओं पर लगा रहता है। उनके पास सोचने के लिए बहुत कुछ होता है, करने के लिए बहुत कुछ होता है। किसने कहा कि गर्मी की छुट्टियाँ लंबी होती हैं? गलत – पूरी तरह गलत! गर्मी की छुट्टियाँ तो दुखद रूप से बहुत छोटी होती हैं – इतनी छोटी कि उस पर रोने का मन हो जाए। सुनहरे दिन एक-एक करके फिसलते चले जाते हैं। हर पल का पूरा लाभ उठाना चाहिए। आप हिंसा और बुरे कामों के विचारों को इन धूप से भरे आखिरी हफ्तों पर छाया नहीं डालने दे सकते!

लेकिन उनकी माताएँ इतनी जल्दी नहीं भूलतीं। वे अपनी छोटी-छोटी सुनहरे बालों वाली बेटियों को कुछ समय तक घर पर ही रखती हैं और उन्हें अपनी नज़र से दूर नहीं जाने देना चाहतीं। जब उन्हें आसपास अपने बेटों की आवाज़ नहीं सुनाई देती, तो वे चिंतित नज़रों से खिड़की से बाहर झाँकती हैं। बीच-बीच में वे बाहर दौड़कर यह सुनिश्चित करती हैं कि उनके प्यारे बच्चों के साथ कुछ नहीं हुआ। और लंबे समय तक वे सावधानी से डाकबक्सों की जाँच करती रहती हैं, ताकि यह पक्का कर सकें कि

वहाँ कोई खतरनाक चीज़ छिपी न हो। लेकिन आखिरकार यह लगातार चिंता उनके लिए बहुत ज़्यादा हो जाती है। उन्हें थोड़ा आराम करना पड़ता है, किसी और चीज़ के बारे में सोचना पड़ता है। और उनके बेटे-बेटियाँ, जो इस चिंता के कारण काफी परेशान हो चुके थे, राहत की साँस लेते हैं और अपने पुराने खेल के मैदानों और

"युद्धस्थलों" पर लौट आते हैं, जो कुछ समय से उनके लिए निषिद्ध क्षेत्र बन गए थे। पुलिस नहीं भूलती – चाहे ऐसा लगे कि वे भूल गए हैं। वे चुपचाप अपना काम जारी रखते हैं, सारी मुश्किलों के बावजूद। उन सभी सुरागों और संकेतों के बावजूद जिन्हें उन्हें बेकार समझकर छोड़ना पड़ता है, उन सभी महत्वपूर्ण कागज़ों के बावजूद जो गायब हो चुके हैं और मिल नहीं रहे, और इस तथ्य के बावजूद कि कभी-कभी आगे बढ़ना निरर्थक लगता है – पुलिस अपना काम जारी रखती है। वे नहीं भूलते।

एक और है जो नहीं भूलता – वह है हत्यारा। उसे याद है कि उसने क्या किया है। उसे यह याद रहता है जब वह रात को सोने जाता है और जब सुबह उठता है – और उन सभी लंबे घंटों के दौरान भी। हर पल, दिन-रात उसे यह याद रहता है, और यह उसकी बेचैन नींद का पीछा करता है।

और वह डरता है। वह रात को सोते समय डरता है, सुबह उठते समय डरता है, और बीच के हर पल में भी। हर समय, दिन और रात, वह डर में जीता है, और यह डर उसकी नींद को ज़हरीला बना देता है।

उसे पता है कि कोई है जिसने उसका चेहरा उस समय देख लिया था, जब उसे नहीं देखना चाहिए था – और वह उससे डरता है। वह अपने रूप को जितना हो सके बदलने की कोशिश करता है – वह अपनी मूँछें साफ कर देता है और अपने बालों को छोटा, खड़ा-सा काट लेता है। अब वह कभी अपने हरे गबरडीन पैंट नहीं पहनता – उन्हें अपने कपड़ों की अलमारी के भीतर गहराई में छिपाकर रखता है (वह उन्हें फेंकने की हिम्मत नहीं करता, कहीं किसी को शक न हो जाए)। फिर भी वह डरता रहता है। उसे डर है कि कहीं कोई वह IOU कागज़ न ढूँढ़ ले, जो उससे गिर गया था

– वह IOU जिस पर उसका नाम लिखा है।

वह रोज़ अखबार पढ़ता है, इस डर से कि कहीं उसमें यह न लिखा हो कि किसी ने आखिरकार वह कागज़ ढूँढ़ लिया है और अब हत्यारा पकड़ा जाएगा। वह इतना डरता है कि बार-बार उन झाड़ियों में खोजने जाता है, हालाँकि उसे पता है कि इससे कुछ हासिल नहीं होगा। उसे बार-बार खुद को यह विश्वास दिलाना पड़ता है कि वह भयानक कागज़ पिछले साल की सूखी घास में या किसी पत्थर के पीछे नहीं पड़ा है। इसलिए वह कभी-कभी अपनी कार लेकर तेज़ रफ्तार से चालीस मील दूर उस परिचित जगह – प्रेयरी के किनारे – तक चला जाता है। आखिर किसी इंसान की हत्या करके क्या फायदा, अगर एक छोटा-सा कागज़ सब कुछ बिगाड़ सकता है?

उसने बहुत बड़े दाँव का खेल खेला है, और उसे इसे अंत तक खेलना होगा। अगर वह पकड़ा गया, तो सब कुछ खत्म हो जाएगा। तब उसका वह अपराध, जो उसकी अपनी नज़र में शायद अपरिहार्य था, सबसे मूर्खतापूर्ण और निरर्थक काम बन जाएगा जो उसने कभी किया। एक बार भी वह इस बात के बारे में नहीं सोचता कि एक इंसान हमेशा के लिए दुनिया से चला गया है। या कि उसकी वजह से एक बूढ़ा आदमी इस गर्मी को पतझड़ में बदलते नहीं देख पाएगा। वह सिर्फ अपने बारे में सोचता है। वह हर कीमत पर खुद को बचाना चाहता है। लेकिन वह डरता है। और एक आदमी सबसे खतरनाक तब होता है, जब वह डरता है। ग्रेट मम्बो अभी तक स्टॉकहोम की जाँच से वापस नहीं आया था।

लेकिन पुलिस को तुरंत परिणाम मिल गया था – ग्रेट मम्बो पर चिपकी चॉकलेट की बहुत ही छोटी मात्रा में भी आर्सेनिक के अंश पाए गए थे। और बिल की चॉकलेट के बचे हुए हिस्से में इतना ज़हर था कि वह एक व्यक्ति के लिए लगभग घातक मात्रा हो सकता था। अगर ईवा-लॉट्टा ने पूरी चॉकलेट खा ली होती, जैसा कि भेजने वाले ने शायद सोचा था, तो उसके बचने की संभावना बहुत कम होती।

ईवा-लॉट्टा को अब पता चल चुका था कि उसकी जान लेने की कोशिश की गई थी। उसे इससे अनजान रखना असंभव था – क्योंकि यह बात हर अखबार में

छप चुकी थी। और इसके अलावा, इंस्पेक्टर ने भी उसे चेतावनी देना अपना कर्तव्य समझा। यह सच था कि एक ज़रूरी अपील के बाद उपहारों और मिठाइयों का आना पूरी तरह बंद हो गया था।

अखबारों में यह सब छप चुका था, लेकिन फिर भी ईवा-लॉट्टा को सावधान रहना चाहिए था। क्योंकि कोई हताश व्यक्ति उसे नुकसान पहुँचाने के और भी तरीके खोज सकता था। और यद्यपि इंस्पेक्टर को डर था कि सच्चाई सुनकर उस बेचारी लड़की को एक और झटका लगेगा, फिर भी वह बेकर के घर गया और उससे गंभीर बातचीत की।

लेकिन वह गलत था। ईवा-लॉट्टा में किसी तरह के मानसिक टूटन के लक्षण नहीं दिखे। बल्कि वह गुस्से से भर उठी – इतनी कि मानो उसमें से चिंगारियाँ निकल रही हों।

"बेप्पो मर भी सकता था," वह चिल्लाई। "जरा सोचो, एक बेचारे निर्दोष कुत्ते को लगभग मार ही दिया, जिसने किसी का कोई नुकसान नहीं किया!"

ईवा-लॉट्टा के विचार से यह ऐसी ज्यादती थी, जो बाकी सब चीज़ों से बढ़कर थी। लेकिन उसकी स्वाभाविक हँसमुखता ने उसे हर बुरी बात से उबरने में मदद की। कुछ ही दिनों बाद उसकी खुशमिजाजी लौट आई। उसने दुनिया के बुरे लोगों के बारे में सोचना बंद कर दिया; उसे बस इतना एहसास था कि यह गर्मी और छुट्टियों का समय है, और ज़िंदा होना कितना अद्भुत है।

हाँ, गर्मी की छुट्टियों के बस कुछ ही हफ्ते और बाकी थे। व्हाइट और रेड रोज़ के सभी योद्धाओं ने समझ लिया कि इस थोड़े-से समय का उपयोग पहले से घट चुकी और बदली न जा सकने वाली घटनाओं पर उदास अटकलें लगाने के बजाय किसी बेहतर काम में करना चाहिए।

बेप्पो पूरी तरह ठीक हो चुका था। और सिक्स्टेन, जो अब तक उसके पास पहरा देता रहा था, अब फिर से कार्रवाई के लिए उत्सुक हो गया। उसने अपने साथियों को फिर से बुलाया। वे उसके गैरेज में इकट्ठा हुए और योजनाएँ बनाने लगे। अब बदला

लेने का समय आ गया था – अब व्हाइट्स को ग्रेट मम्बो को ग्लोब में बंद करने और अन्य अप्रिय कारनामों का हिसाब चुकाना था। लेकिन एंडर्स द्वारा बेप्पो को गलती से ज़हर देना इनमें शामिल नहीं था; सिक्स्टेन ने उसे पूरी तरह भुला दिया था।

ग्रेट मम्बो के बारे में सुने जाने से बहुत पहले ही रेड्स और व्हाइट्स के बीच लड़ाइयाँ होती रही थीं। और भले ही ग्रेट मम्बो युद्ध की सबसे बड़ी ट्रॉफी था, फिर भी दुश्मन से छीने जाने के लिए और भी खजाने थे। उदाहरण के लिए, व्हाइट रोज़ के पास एक धातु का डिब्बा था, जो गुप्त कागज़ों से भरा हुआ था। एंडर्स को लगता था कि यह डिब्बा बेकर की अटारी में बिना ज्यादा जोखिम के रखा जा सकता है – शायद सामान्य परिस्थितियों में। लेकिन अब, जब ग्रेट मम्बो आधिकारिक काम से बाहर था, सिक्स्टेन इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि व्हाइट रोज़ का यह धातु डिब्बा प्रथम श्रेणी का खजाना है, जिसे हर हाल में हासिल करना चाहिए – तब भी, अगर रेड रोज़ को इसके लिए आखिरी आदमी तक लड़ना पड़े। बेन्का और जॉनी ने तुरंत उससे सहमति जताई; दो लड़कों को इससे ज्यादा उत्साह से लड़ने के लिए तैयार करना मुश्किल था।

जब इस वीरतापूर्ण निर्णय की पुष्टि सिक्स्टेन के गैरेज में एक बैठक में गंभीर शपथ लेकर कर दी गई, तो सिक्स्टेन उसी शाम चुपचाप व्हाइट रोज़ के मुख्यालय गया और वह डिब्बा उठा लाया। हालांकि, अपेक्षित जोरदार विरोध नहीं हुआ – क्योंकि व्हाइट्स को डिब्बे के गायब होने का पता ही नहीं चला।

आखिरकार सिक्स्टेन का धैर्य खत्म हो गया और उसने बेन्का को एक निजी पत्र देकर व्हाइट्स के पास भेजा, ताकि वे चौंक जाएँ और समझ सकें कि क्या हो गया है। पत्र इस प्रकार थाः "कहाँ, ओ कहाँ है व्हाइट रोज़ का गुप्त डिब्बा? अरे, कहाँ हैं वे गुप्त दस्तावेज़? जहाँ प्रेयरी खत्म होती है, वहाँ एक घर है। उस घर में एक कमरा है, उस कमरे में एक कोना है, उस कोने में एक नक्शा है – उस नक्शे पर X है। हाँ, बस वही! ओ, व्हाइट जाओ, उस घर में खोजो!"

"मैं तो वहाँ कभी नहीं जाऊँगी! ज़िंदगी भर नहीं!" ईवा-लॉट्टा ने पहले कहा। वह फिर कभी प्रेयरी में कदम नहीं रखना चाहती थी। लेकिन कुछ देर सोचने के बाद उसने

खुद से कहा कि वह अपनी पूरी ज़िंदगी प्रेयरी से दूर नहीं रह सकती – क्योंकि प्रेयरी तो सबसे बेहतरीन खेल का मैदान था। बसंत हो या पतझड़, गर्मी हो या सर्दी – प्रेयरी हमेशा आकर्षक रहती थी, संभावनाओं से भरी हुई। अगर वह फिर कभी प्रेयरी में नहीं खेलेगी, तो मानो उसे किसी मठ में ही चले जाना चाहिए।

"मैं भी चलूँगी," उसने थोड़ी देर अपने आप से संघर्ष करने के बाद कहा। "अच्छा है, इसे खत्म ही कर लिया जाए।"

और अगली सुबह व्हाइट रोज़ के सदस्य असामान्य रूप से बहुत जल्दी उठ गए, ताकि खोज के दौरान दुश्मनों द्वारा चौंकाए न जाएँ। सुरक्षित रहने के लिए, ईवा-लॉट्टा ने अपने माता-पिता को यह नहीं बताया कि वह कहाँ जा रही है।

वह चुपचाप बगीचे के फाटक से बाहर निकली और एंडर्स और बिल से जा मिली, जो उसका इंतज़ार कर रहे थे। प्रेयरी उतनी डरावनी नहीं थी, जितनी ईवा-लॉट्टा ने कल्पना की थी। वह हमेशा की तरह शांत और सुकूनभरी थी, और अबाबीलें तेज़ पंखों से हवा में इधर-उधर उड़ रही थीं। यहाँ डरने जैसा कुछ भी नहीं था। मेनर भी लगभग आमंत्रित-सा लग रहा था – किसी सुनसान घर जैसा नहीं, बल्कि ऐसे घर जैसा जहाँ लोग अभी पूरी तरह जागे नहीं हैं। जल्द ही खिड़कियाँ खुलेंगी, परदे सुबह की हवा में लहराएँगे, और कमरे खुशमिजाज़ आवाज़ों से गूँज उठेंगे। यहाँ सच में डरने जैसा कुछ भी नहीं था।

फिर भी, जब उन्होंने दरवाज़ा खोला, तो उन्हें सिर्फ एक सुनसान घर मिला – कोनों में मकड़ी के जाले, उखड़ा हुआ वॉलपेपर और टूटी खिड़कियों वाला। निश्चित रूप से, उन्हें अपनी आवाज़ों के अलावा कोई खुशमिजाज़ आवाज़ सुनाई नहीं दी।

"ओ, व्हाइट जूँओ, उस घर में खोजो," रेड लीडर ने उन्हें उकसाया था – और उन्होंने पूरी कोशिश की। उन्हें काफी देर तक खोज करनी पड़ी, क्योंकि यह बड़ा घर था, जिसमें कई कमरे और कोने थे। लेकिन आखिरकार उनकी मेहनत सफल हुई – ठीक वैसे ही, जैसा रेड्स ने सोचा था। अब, पहले से कहीं ज्यादा, व्हाइट्स सिक्स्टेन की योजना के अनुसार पूरी तरह धोखा खाने वाले थे।

वास्तव में, एक कोने में एक नक्शा छिपा हुआ था, और यह समझना मुश्किल नहीं था कि वह पोस्टमास्टर के बगीचे का नक्शा था। उसमें घर और गैरेज दिखाए गए थे... लकड़ी के शेड, शौचालय और बाकी सब कुछ भी उसमें दिखाया गया था, और एक जगह पर एक घेरा बनाकर लिखा था – "यहाँ खोदो!"

"रेड्स के बारे में और कुछ भी कहा जाए, लेकिन वे खास समझदार नहीं हैं, यह तो तय है," एंडर्स ने कुछ देर नक्शा देखने के बाद कहा।

"नहीं, मुझे तो यह मूर्खतापूर्ण लगता है," बिल ने कहा। "इतना बचकाना आसान है कि शर्म आती है। लेकिन मेरा ख्याल है कि हमें वहाँ जाकर खुदाई करनी ही पड़ेगी।"

हाँ, उन्हें ऐसा करना ही था, लेकिन पहले वे कुछ और करना चाहते थे। एंडर्स और बिल उस यादगार बुधवार के बाद से यहाँ नहीं आए थे, जब कॉन्स्टेबल बर्क ने उन्हें वहाँ से लौटा दिया था। अब उनके मन में एक भयानक जिज्ञासा उठ रही थी। जब वे यहाँ तक आ ही गए थे, तो क्या उन्हें उस जगह जाकर देख नहीं लेना चाहिए?

"मैं नहीं जाऊँगी," ईवा-लॉट्टा ने ज़ोर देकर कहा।

वह फिर से उस पगडंडी पर चलना पसंद नहीं करती थी जो हेज़ल की झाड़ियों के बीच से जाती थी – वह तो मर जाना बेहतर समझती। लेकिन अगर एंडर्स और बिल जाना चाहते थे, तो उसे कोई आपत्ति नहीं थी; वह उन्हें रोकने वाली नहीं थी। वह वहीं रुकेगी – अगर वे बाद में उसे लेने वापस आएँ।

"ठीक है, हम दस मिनट में वापस आ जाएँगे," बिल ने कहा।

और वे चले गए।

जब ईवा-लॉट्टा अकेली रह गई, तो उसने घर को सजाने का खेल शुरू कर दिया। अपनी कल्पना में उसने पूरे घर को सजा दिया और उसे एक बड़े परिवार से भर दिया, जिसमें बहुत सारे बच्चे थे।

क्योंकि ईवा-लोट्टा के खुद कोई छोटे भाई-बहन नहीं थे, और छोटे बच्चे उसे दुनिया की सबसे अच्छी चीज़ लगते थे।

"यहाँ डाइनिंग रूम है," ईवा-लॉट्टा ने सोचा। "यहाँ मेज़ है। इतने सारे लोग हैं कि

सबको उसके चारों ओर भीड़ लगानी पड़ रही है। और क्रिस्टोफर और क्रिस्टिना आपस में झगड़ पड़े और उन्हें नर्सरी में भेज दिया गया। बर्टिल इतना छोटा है कि उसे ऊँची कुर्सी पर बैठना पड़ता है। उसकी माँ उसे खिला रही है, लेकिन वह फिर भी सब गिरा देता है। और उसकी बड़ी बहन लिलियाने – कितनी सुंदर है वह अपने काले बालों और काली आँखों के साथ! वह आज रात इस कमरे में एक नृत्य समारोह देने वाली है। वह झूमर के नीचे खड़ी होगी, उसकी आँखें चमक रही होंगी, और उसने सफेद रेशमी पोशाक पहनी होगी।"

ईवा-लॉट्टा की आँखें चमक उठीं। अब वह खुद बड़ी बहन लिलियाने बन गई थी। बड़ा भाई क्लॉज़ आज ही उप्साला से घर लौट रहा था; उसने अभी-अभी कॉलेज से पढ़ाई पूरी की थी। ज़मींदार (स्क्वायर) खिड़की के पास खड़ा अपने बेटे का इंतज़ार करते हुए बहुत खुश था। ईवा-लॉट्टा ने अपना पेट थोड़ा बाहर निकालकर खुद को उसी ज़मींदार की तरह खड़ा कर लिया, जो खिड़की पर अपने बेटे का इंतज़ार कर रहा था। और देखो, वह आ गया –दरवाज़े की ओर चलता हुआ! वह कितना अच्छा लग रहा था – हालाँकि शायद थोड़ा छोटा लग सकता था!

कुछ ही क्षणों में ईवा-लॉट्टा अपनी कल्पना की दुनिया से बाहर आई और समझ गई कि यह उसका कल्पित बड़ा भाई क्लॉज़ नहीं, बल्कि एक असली आदमी है, जो लंबे और तेज़ कदमों से आ रहा था। वह खुद ही हल्का-सा असहज होकर हँस पड़ी – सोचो, अगर वह सच में उसे "हेलो क्लॉज़ कहकर बुला देती! अब उस आदमी ने ऊपर देखा और खिड़की में उसे देख लिया।

वह चौंक पड़ा – बड़ा भाई क्लॉज़! उसे यह बिल्कुल अच्छा नहीं लगा कि उसने उस "मेनर के मालिक" को वहाँ खड़े होकर उसे घूरते देखा। वह जल्दी-जल्दी आगे बढ़ जाना चाहता था। बहुत जल्दी में। लेकिन अचानक वह रुक गया और वापस मुड़ गया। हाँ, वह लौट आया! ईवा-लॉट्टा उसे और असुविधा नहीं देना चाहती थी। वह डाइनिंग रूम में चली गई यह देखने के लिए कि क्या बर्टिल ने अपनी ज़्वाइबैक और दूध की खीर खत्म कर ली है। निश्चित रूप से उसने नहीं खाई थी, और बड़ी बहन

लिलियाने को उसकी मदद करनी पड़ी। वह इस काम में इतनी व्यस्त थी कि उसने दरवाज़ा खुलने की आवाज़ नहीं सुनी। और जब उसने ऊपर देखा और पाया कि बड़ा भाई क्लॉज़ कमरे में आ चुका है, तो वह आश्चर्य से हल्का-सा चीख उठी।

“आप कैसे हैं?” उसने कहा – बड़ा भाई क्लॉज़, या जो भी वह हो।

“आप कैसे हैं?” ईवा-लॉट्टा ने जवाब दिया।

“मुझे लगा जैसे मैंने यहाँ किसी पुराने परिचित को देखा,” बड़े भाई क्लॉज़ ने कहा।

“नहीं, यह तो सिर्फ मैं हूँ,” ईवा-लॉट्टा ने कहा।

वह उसे गौर से देखने लगा।

“लेकिन क्या हम पहले नहीं मिले हैं – तुम और मैं?” उसने पूछा।

ईवा-लॉट्टा ने सिर हिला दिया।

“नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता,” उसने कहा। “कम-से-कम मुझे याद नहीं है।”

“हज़ारों में भी मैं उसे पहचान लूँगी,” ईवा-लॉट्टा ने कभी कहा था। लेकिन उसे तब यह नहीं पता था कि कोई व्यक्ति अपनी शक्ल कितनी बदल सकता है – मूँछें साफ करके और लंबे बालों को छोटा काटकर। और जिस आदमी से वह पगडंडी पर मिली थी, जिसकी छवि उसके मन में गहराई से बसी थी, उसने गहरे हरे रंग की गबरडीन पैंट पहनी थी – और ईवा-लॉट्टा उसे किसी और तरह से कपड़े पहने हुए सोच ही नहीं सकती थी। लेकिन बड़ा भाई क्लॉज़ तो छोटे चेक वाला ग्रे सूट पहने हुए था।

उसने उसे चिंतित आँखों से देखा, और फिर पूछा, “तुम्हारा नाम क्या है, छोटी लड़की?”

“ईवा-लॉट्टा लिसेंडर,” उसने उत्तर दिया।

बड़े भाई क्लॉज़ ने सिर हिलाया।

“ईवा-लॉट्टा लिसेंडर,” उसने दोहराया।

ईवा-लॉट्टा को यह बिल्कुल अंदाज़ा नहीं था कि वह कितनी भाग्यशाली है कि उसने बड़े भाई क्लॉज़ को पहचाना नहीं। एक अपराधी भी बिना वजह किसी बच्चे को नुकसान पहुँचाने से हिचकता है। लेकिन यह आदमी किसी भी कीमत पर खुद

को बचाना चाहता था। उसे पता था कि ईवा-लॉट्टा लिसेंडर नाम की लड़की उसकी ज़िंदगी बर्बाद कर सकती है, और वह उसे रोकने के लिए कुछ भी करने को तैयार था। लेकिन अब वह यहाँ खड़ी थी – यह वही ईवा-लॉट्टा लिसेंडर – जिसे उसने खिड़की में उसके सुनहरे बालों की झलक से पहचान लिया था – और अब वह उसके सामने ऐसे खड़ी थी जैसे उसने उसे कभी देखा ही न हो। और उसे महसूस हुआ कि... उसे बहुत राहत महसूस हुई – इतनी कि वह लगभग चिल्ला उठता।

अब उसे उस बक-बक करने वाले छोटे-से मुँह को चुप कराने की ज़रूरत नहीं थी, जिसने उसे इतनी चिंता में डाला था; उसे अब हर समय इस डर में नहीं रहना पड़ेगा कि कहीं अचानक उसकी मुलाकात ईवा-लॉट्टा लिसेंडर से न हो जाए, जो कभी उसके शहर में आ सकती थी और उसे देखकर कह सकती थी – "वह रहा हत्यारा!" लेकिन उसने उसे पहचाना नहीं था; अब वह गवाह नहीं रही थी, वह कभी उसकी ओर इशारा नहीं कर पाएगी। उसे इतनी राहत मिली कि वह यह सोचकर भी खुश हो उठा कि वह चॉकलेट के ज़रिए उसकी जान लेने की उसकी कोशिश से बच गई थी – जिसके बारे में अखबारों में इतना कुछ लिखा गया था। बड़ा भाई क्लॉज़ जाने लगा। वह इस अभिशप्त जगह को छोड़ देना चाहता था – और कभी वापस नहीं आना चाहता था। लेकिन जब उसने दरवाज़े के हैंडल पर हाथ रखा, तो उसके मन में फिर से शक पैदा हुआ।

क्या पता यह छोटी लड़की एक पक्की अभिनेत्री हो – मासूम बनने का नाटक कर रही हो और सिर्फ यह दिखा रही हो कि उसने उसे पहचाना नहीं? उसने उसे घूरकर देखा। लेकिन वह वहीं खड़ी रही, होंठों पर हल्की-सी दोस्ताना मुस्कान लिए, और उसकी बाल-सुलभ निगाह साफ और भरोसेमंद थी – उसमें कोई छल नहीं था। वह यह समझ सकता था, भले ही उसे मासूमियत के बारे में ज्यादा जानकारी न हो। फिर भी, पूरी तरह आश्वस्त होने के लिए उसने पूछा – "तुम यहाँ अकेली क्या कर रही हो?"

"मैं अकेली नहीं हूँ," ईवा-लॉट्टा ने चमकते हुए कहा। "एंडर्स और बिल भी यहाँ हैं

– मेरे दोस्त, जानते हो।"

"क्या तुम अक्सर यहाँ खेलती हो?" उस युवक ने पूछा।

"नहीं," ईवा-लॉट्टा ने कहा। "हम तो बस एक कागज़ ढूँढ़ रहे थे।"

"एक कागज़?" युवक ने कहा, और उसका चेहरा सख्त हो गया। "तुम लोग एक कागज़ ढूँढ़ रहे थे?"

"हाँ, काफी देर से," ईवा-लॉट्टा ने कहा, जिसके लिए एक घंटा भी बहुत लंबा समय था – कम-से-कम जब बात रेड्स के उस बेवकूफ छोटे नक्शे को ढूँढ़ने की हो। "तुम सोच भी नहीं सकते कि हम उसे कितनी देर से ढूँढ़ रहे थे। लेकिन अब आखिरकार हमें वह मिल गया है।"

युवक ने तेज़ी से साँस ली और दरवाज़े के हैंडल को इतनी कसकर पकड़ लिया कि उसके हाथ की गाँठें सफेद पड़ गईं।

वह खत्म हो चुका था! उन्होंने वह IOU ढूँढ़ लिया था, जिसे वह खुद इतनी बार खोज चुका था और जिसे ढूँढ़ने के लिए वह आज आखिरी बार आया था। वह बर्बाद हो गया था – ठीक उसी समय जब उसे लगा था कि वह सुरक्षित है! अचानक उसके मन में एक जंगली इच्छा उठी कि वह अपने रास्ते में आने वाली हर चीज़ को तोड़-फोड़ कर नष्ट कर दे। क्या उसे अभी कुछ देर पहले यह राहत महसूस नहीं हुई थी कि यह लड़की उसके जाल से बच गई? अब उसे ऐसा कुछ भी महसूस नहीं हो रहा था – सिर्फ एक ठंडी क्रोध की लहर, वैसी ही जैसी उसे उस जुलाई के आखिरी बुधवार को महसूस हुई थी!

लेकिन उसने खुद को शांत रहने के लिए मजबूर किया। अभी उम्मीद बाकी थी। उसे वह कागज़ हासिल करना ही होगा – किसी भी कीमत पर!

"एंडर्स और बिल अब कहाँ हैं?" उसने जितना हो सके सामान्य स्वर में पूछा।

"ओह, वे अभी आ जाएँगे," ईवा-लॉट्टा ने कहा।

उसने खिड़की से बाहर देखा।

"लो, वे आ रहे हैं," उसने कहा।

बड़ा भाई क्लॉज़ उसके पीछे आकर खड़ा हो गया ताकि वह भी देख सके। वह उसके बहुत पास खड़ा था, और जब उसने सिर घुमाकर नीचे देखा,

तो उसने उसका हाथ देख लिया। और उसने उसका हाथ पहचान लिया! वह हाथ वह कभी नहीं भूल सकती थी – सुडौल और घने काले बालों से ढका हुआ। अब उसे सब कुछ साफ-साफ याद आ गया। और जो डर उस पर हावी हुआ, वह इतना जबरदस्त था कि वह लगभग गिर ही पड़ी। उसके चेहरे से सारा खून उतर गया, फिर अचानक इतनी तेजी से वापस आया कि उसके कानों में सनसनाहट होने लगी। अच्छा हुआ कि वह उसकी ओर पीठ करके खड़ी थी, इसलिए वह उसकी आँखों में छिपे भय और उसके काँपते होंठों को नहीं देख सका, जो रोने के कगार पर थे।

उसी समय इससे ज्यादा भयावह कुछ नहीं हो सकता था – उसका उसके पीछे खड़ा होना, बिना यह जाने कि वह क्या कर रहा है। लेकिन ओह, भगवान का शुक्र है – एंडर्स और बिल आ गए! वह इस दुनिया में अकेली नहीं थी! ये दोनों अजीब-से दिखने वाले लड़के, जो फीके नीले डेनिम की पैंट और कम साफ-सुथरी कमीज़ों में, बिखरे बालों के साथ दौड़ते हुए आ रहे थे – वे उसे स्वर्ग से आए मेहमानों जैसे लगे! व्हाइट रोज़ के योद्धाओ, भगवान तुम्हें आशीर्वाद दे!

लेकिन वह खुद भी व्हाइट रोज़ की एक योद्धा थी, और इसलिए उसे अपना धैर्य नहीं खोना था। उसका दिमाग इतनी तेजी से काम कर रहा था कि उसे लगा जैसे उसके पीछे खड़ा आदमी उसे सुन सकता है। एक बात वह समझ गई – उसे यह नहीं पता चलना चाहिए कि उसने उसे पहचान लिया है। जो भी हो, उसे बेफिक्र दिखना होगा।

उसने खिड़की खोली और बाहर झुक गई। उसकी आँखों में उसकी सारी घबराहट झलक रही थी, लेकिन बाहर खड़े उन दोनों ने उसे नहीं देखा।

"सावधान रहना, वे अभी आ जाएँगे!" एंडर्स ने उसे देखते ही चिल्लाया।

बड़ा भाई क्लॉज़ लगभग उछल पड़ा। क्या पुलिस पहले ही उस कागज़ को लेने आ रही थी, जिसे बच्चों ने ढूँढ़ लिया था? किसके पास है वह कागज़? उसे जल्दी

करनी होगी। समय बहुत कम था – जो करना है, अभी तुरंत करना होगा।

वह खिड़की के पास आया। उसका पूरा अस्तित्व इस तरह खुले में आने के खि-लाफ था, लेकिन उसके पास कोई और रास्ता नहीं था। उसने बाहर खड़े लड़कों को मुस्कराकर अभिवादन किया।

“हैलो!” उसने कहा।

उन्होंने उसे सवालिया नज़रों से देखा।

“तुम लोगों का क्या मतलब है, एक छोटी लड़की को यहाँ अकेला छोड़ देने का?” उसने ऐसे स्वर में कहा जो मजाकिया बनने की कोशिश कर रहा था, लेकिन सफल नहीं हुआ। “मुझे लगा कि अंदर आकर ईवा-लॉट्टा से थोड़ी बात कर लूँ, जब तक तुम लोग कागज़ इकट्ठा करने या जो भी कर रहे थे, उसमें लगे हो।”

इसका जवाब देना मुश्किल था, और एंडर्स और बिल चुपचाप उसे देखते रहे। “आओ अंदर, लड़कों,” ईवा-लॉट्टा के पीछे खड़े उस आदमी ने आगे कहा। “मेरे पास तुम्हारे लिए एक प्रस्ताव है – एक ऐसा तरीका जिससे तुम अच्छा पैसा कमा सकते हो।” यह सुनकर एंडर्स और बिल बहुत उत्साहित हो गए। अगर बात पैसे कमाने की थी, तो वे तुरंत तैयार थे।

लेकिन ईवा-लॉट्टा खिड़की की चौखट पर बैठी रही और उन्हें एक अजीब तरीके से देखती रही। और अपने हाथ से उसने संकेत किया... व्हाइट रोज़ का गुप्त संकेत – जिसका अर्थ था “खतरा।”

एंडर्स और बिल ने उलझन में एक-दूसरे को देखा। फिर ईवा-लॉट्टा गाने लगी। “सुहानी धूप और गर्मियों का मौसम,” वह गा रही थी, हालाँकि उसकी आवाज़ थोड़ी काँप रही थी। और वह उसी खुशमिज़ाज धुन में आगे गाती रही, लेकिन शब्द सही नहीं थे। “मॉम-उ-रॉर-डॉड-ए-रॉर-ए-रॉर,” वह गा रही थी।

यह बच्चों द्वारा बनाए गए किसी बेकार गीत जैसा लग रहा था, लेकिन जैसे ही एंडर्स और बिल ने इसे सुना, वे डर से जड़ हो गए। वे जैसे वहीं के वहीं जम गए। फिर उन्होंने खुद को संभाला और – जैसे अनजाने में – अपने कानों के लोब को दबाया,

जो व्हाइट रोज़ का गुप्त संकेत था, यह बताने के लिए कि महत्वपूर्ण जानकारी मिल गई है।

"अच्छा, तो जल्दी करो!" खिड़की पर खड़े आदमी ने अधीर होकर कहा।

वे हिचकिचाते हुए खड़े रहे। लेकिन अचानक बिल मुड़ा और पास की झाड़ियों की ओर तेजी से चल पड़ा।

"अरे, कहाँ जा रहे हो?" आदमी ने गुस्से में चिल्लाया। "क्या तुम इसमें हिस्सा लेकर कुछ पैसे नहीं कमाना चाहते?"

"ज़रूर," बिल ने कहा। "लेकिन पहले मुझे प्रकृति की पुकार का जवाब देना है।" आदमी ने होंठ काट लिए।

"अच्छा, जल्दी करो," वह चिल्लाया।

"हाँ, मैं जल्दी करूँगा," बिल ने जवाब दिया।

कुछ समय बाद वह वापस आया। एंडर्स अब भी वहीं खड़ा था।

उसका ईवा-लॉट्टा को अकेला छोड़ने का कोई इरादा नहीं था; उसे उस घर में जाना ही था, जहाँ एक हत्यारा था, लेकिन वह चाहता था कि बिल उसके साथ रहे।

अब वे अंदर गए। वे उस बैठक में पहुँचे जहाँ बड़ी बहन लिलियाने आज रात अपना नृत्य समारोह करने वाली थी। एंडर्स ईवा-लॉट्टा के पास गया और उसके कंधे पर हाथ रख दिया। उसने उसकी कलाई घड़ी देखी और कहा, "अरे, बहुत देर हो गई! हमें घर जाना होगा – और जल्दी भी।" उसने ईवा-लॉट्टा का हाथ पकड़ा और दरवाज़े की ओर बढ़ने लगा।

"हाँ, हम वह पैसा किसी और दिन कमा लेंगे," बिल ने कहा। "अब हमें निकलना होगा।" लेकिन अगर उन्हें लगा कि बड़ा भाई क्लॉज़ इस चाल में फँस जाएगा, तो वे गलत थे।

अचानक वह दरवाज़े के सामने खड़ा हो गया, उनका रास्ता रोकते हुए।

"ज़रा रुको," उसने कहा। "तुम्हें इतनी भी जल्दी नहीं है।"

उसने अपने कूल्हे की जेब में हाथ डाला। हाँ, बंदूक वहीं थी। उस जुलाई के आखिरी

बुधवार से वह हमेशा उसे अपने साथ रखता था – हर आपात स्थिति के लिए।

उसके दिमाग में विचार एक-दूसरे के पीछे दौड़ रहे थे। डर और क्रोध ने उसकी सारी समझ छीन ली थी। जो वह करने वाला था, उसके सामने उसे असली भय महसूस हो रहा था। लेकिन उसके लिए रुकने का कोई सवाल नहीं था। उसने एक बड़ा खेल खेला था, और उसे अंत तक खेलना ही था – चाहे इसका मतलब और भी लोगों की जान लेना ही क्यों न हो। उसने अपने सामने खड़े तीनों बच्चों को देखा, और जो वह करने जा रहा था उसके कारण उनसे नफरत करने लगा।

उसे यह करना ही था, क्योंकि वह तीन गवाहों को जिंदा नहीं छोड़ सकता था, जो बता सकते थे कि वह आदमी कैसा दिखता था जिसने उनसे IOU लिया था।

नहीं, उन्हें कभी यह कहानी बताने का मौका नहीं मिलेगा।

वह इसका ध्यान रखेगा – चाहे डर से उसका मन मितली क्यों न करने लगे। लेकिन पहले उसे यह जानना होगा कि कागज़ किसके पास है, ताकि बाद में उसे उनकी जेबें टटोलने में समय न लगे।

“सुनो,” उसने भारी और कर्कश आवाज़ में कहा, “वह कागज़ जो तुमने थोड़ी देर पहले पाया था – मुझे दे दो! मुझे वह चाहिए। लेकिन जल्दी करो!”

उसके सामने खड़े तीनों बच्चे हैरानी से उसे देखने लगे। वे इससे ज्यादा चकित नहीं हो सकते थे, चाहे वह उनसे “बा- बा, ब्लैक शीप” गाने के लिए ही क्यों न कह देता। क्या वे अपने कानों पर विश्वास कर सकते थे? उन्होंने पागल हत्यारों के बारे में सुना था, लेकिन कोई पागल भी “यहाँ खोदो” लिखे रेड रोज़ के नक्शे से इतना खुश नहीं हो सकता था।

हालाँकि, अगर वह सच में चाहता, तो उसे नक्शा मिल सकता था, एंडर्स ने सोचा – क्योंकि कागज़ उसी की जेब में था।

लेकिन सचमुच गंभीर परिस्थितियों में, आखिरकार मास्टर डिटेक्टिव बर्गसन ही सबसे तेज़ दिमाग वाला था। एक ही पल में उसने समझ लिया कि वह आदमी किस तरह के कागज़ के बारे में सोच रहा है। और एक और बात भी उसे साफ हो गई –

जैसे उसने उस आदमी का मन पढ़ लिया हो। वह आदमी पहले ही एक आदमी को ठंडे खून से मार चुका था, और शायद अब भी हथियारबंद था। उसने देखा कि वह ईवा-लॉट्टा को रास्ते से हटाने के लिए जहरीली चॉकलेट का इस्तेमाल कर चुका था।

बिल समझ गया कि उनके जिंदा बचने की संभावना कितनी कम है।

अगर एंडर्स अभी वह कागज़ निकाल देता, तो भले ही वे उसे यह यकीन दिला देते कि उन्होंने उसके IOU के बारे में कुछ नहीं देखा, फिर भी उनका बचना मुश्किल था। हत्यारा समझ जाता कि उसने अपने सवाल से खुद को उजागर कर दिया है; और बिल जानता था कि अगर उसने पहले एक गवाह को हटाने की कोशिश की थी, तो वह तीन लोगों को जिंदा छोड़ने के लिए और भी कम तैयार होगा, जो उसे पहचान सकते थे।

यह सब बिल ने साफ शब्दों में नहीं सोचा; यह बस उसके अवचेतन में एक सामान्य-सा विचार था। और यह विचार उसे लगभग डर से बेहोश कर देने वाला था। लेकिन उसने खुद से गुस्से में कहा – "डरना बाद में – अगर बाद में कुछ बचा तो।"

यह समय हासिल करने का सवाल था – बस थोड़ा समय!

एंडर्स अपनी जेब से नक्शा निकालने ही वाला था कि तभी बिल ने उसे जोर से कोहनी मारी।

"नॉन-ई-ज़ॉक्स," बिल ने फुसफुसाकर कहा। "डॉड-ओ-नॉन-टॉट।"

"सुना तुमने मैंने क्या कहा?" बड़ा भाई क्लॉज़ गुर्राया। "तुममें से किसके पास वह कागज़ है?"

"हमारे पास नहीं है," बिल ने कहा।

एंडर्स को लगा कि शायद कागज़ दे देना ही बेहतर होगा और फिर घर चले जाना चाहिए। लेकिन वह जानता था कि बिल अपराधियों से निपटने में उससे ज्यादा अनु-भवी है, इसलिए वह चुप रहा। बि

ल की बात सुनकर दरवाज़े पर खड़ा आदमी पूरी तरह बेकाबू हो गया।

"कहाँ रखा है तुमने?" वह चिल्लाया। "यहाँ दो – जल्दी, जल्दी!"

बिल जितनी तेजी से सोच सकता था, सोच रहा था। अगर वह कह देता कि कागज़ पुलिस स्टेशन में है, या ईवा-लॉट्टा के घर पर, या प्रेयरी में कहीं दूर, तो आदमी शायद तुरंत उन्हें खत्म कर देता। वह समझ गया था कि वे तभी तक सुरक्षित हैं, जब तक हत्यारे को यह उम्मीद है कि वह उचित समय के भीतर उस कागज़ को हासिल कर सकता है।

"वह दूसरी मंज़िल पर है," उसने धीरे से कहा।

बड़ा भाई क्लॉज़ उत्साह से काँप रहा था। उसने अपनी कमर की जेब से बंदूक निकाल ली, और ईवा-लॉट्टा ने आँखें बंद कर लीं।

"जल्दी करो," वह चिल्लाया। "शायद इससे तुम्हारे पैरों में तेजी आ जाए।"

और वह उन्हें अपने सामने हाँकते हुए उस बैठक से बाहर ले गया, जहाँ बड़ी बहन लिलियाने आज रात नृत्य करने वाली थी।

"गॉग-ओ सॉस-लोल-ओ-वॉव-लोल-य," बिल ने धीरे से कहा। "पॉप-ओ-लोल-ई-कोक-ए कोक-ओ-मॉम-ए सॉस-ओ-ओ-नॉन।"

एंडर्स और ईवा-लॉट्टा उसे आश्चर्य से देखने लगे। उसे कैसे पता था कि पुलिस जल्दी ही वहाँ पहुँच जाएगी? क्या वह किसी तरह मन की शक्ति से उन्हें बुला सकता था? लेकिन उन्होंने उसके आदेश का पालन किया और धीरे-धीरे चलने लगे। वे अपने पैर घसीटते हुए चले और दरवाज़ों की दहलीज़ों पर ठोकर खाते रहे, और एंडर्स सीढ़ियों पर ठोकर खाकर पीछे की ओर गिर पड़ा – ठीक वैसे ही जैसे वह कभी बहुत पहले इसी जगह रेड्स से लड़ते समय गिरा था।

उनकी यह सुस्ती बड़े भाई क्लॉज़ को लगभग पागल कर रही थी। वह अपनी सहनशक्ति की सीमा तक पहुँच चुका था और तुरंत वही कर डालने को तैयार था जो उसने बाद में करने की योजना बनाई थी। लेकिन पहले उसे IOU चाहिए ही था। ओह, वे नालायक बच्चे – उसे उनसे कितनी नफरत थी! उन्हें तो यह भी नहीं पता

था कि उन्होंने कागज़ कहाँ छिपाया है। वे एक कमरे से दूसरे कमरे में धीरे-धीरे घूमते रहे और बेवकूफी से कहते रहे – "नहीं, यह यहाँ नहीं है!"

जंगली मवेशियों का झुंड भी इससे आसानी से हाँका जा सकता था। ये बदमाश बच्चे कभी अपनी नाक साफ करने, कभी खुजली करने, और यहाँ तक कि रोने के लिए भी रुक जाते – खैर, रो तो लड़की ही रही थी।

आखिरकार वे एक कमरे में पहुँचे, जहाँ अठारहवीं सदी का उखड़ा हुआ वॉलपेपर लटक रहा था। और ईवा-लोट्टा को फिर एक बार रोना आ गया, जब उसे याद आया कि वह और बिल कभी यहाँ बंद कर दिए गए थे, जब वे अभी छोटे और खुश थे।

बिल ने दीवारों को ध्यान से देखा।

"नहीं, यह यहाँ भी नहीं था," उसने कहा।

"नहीं, मुझे भी नहीं लगता कि यह यहाँ था," एंडर्स ने सहमति जताई।

लेकिन यह दूसरी मंज़िल का आखिरी कमरा था, और बड़ा भाई क्लॉज़ घुटी हुई आवाज़ में चिल्लाया – "क्या तुम सोचते हो कि तुम मुझे बेवकूफ बना सकते हो? क्या तुम्हें लगता है कि मैं नहीं समझ रहा कि तुम मुझे धोखा देने की कोशिश कर रहे हो? सुनो! वह कागज़ निकालो – अभी के अभी! अगर तुम भूल गए हो कि वह कहाँ है, तो यह तुम्हारी बदकिस्मती है। अगर पाँच सेकंड के भीतर मुझे वह कागज़ नहीं मिला, तो मैं तुम तीनों को गोली मार दूँगा।"

और खिड़की की ओर पीठ करके खड़े हुए उसने उन पर बंदूक तान दी। बिल समझ गया कि इस बार वह सचमुच ऐसा कर सकता है। उसने एंडर्स की ओर इशारा किया।

एंडर्स उस जगह गया जहाँ वॉलपेपर बड़े-बड़े टुकड़ों में लटक रहा था। उसने अपनी जेब से हाथ निकाला और वॉलपेपर के पीछे टटोलने लगा। जब उसका हाथ वापस आया, तो उसमें एक कागज़ था।

"यह रहा," उसने कहा।

"अच्छा," बड़े भाई क्लॉज़ ने कहा। "तुम तीनों वहाँ लाइन में खड़े हो जाओ। और

तुम – अपना हाथ बढ़ाओ और मुझे वह कागज़ दो।"

"डॉड-ओ-वॉव-नॉन ओ-नॉन योय-ओ-यू-रॉर फॉफ-ए-कोक-ए, वॉव-होह-ए-नॉन आई सॉस-नॉन-ई-ए-ज़ोज़-ए," बिल ने कहा।

एंडर्स और ईवा-लॉट्टा ने अपने कानों के लोब को छुआ, यह दिखाते हुए कि वे समझ गए हैं। बड़ा भाई क्लॉज़ ने बच्चों की यह बकवास सुनी, लेकिन उसे उसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी। जल्द ही वह उनसे निपट लेगा – जैसे ही उसे वह कागज़ मिल जाए।

उसने अपना बायाँ हाथ बढ़ाया और वह कागज़ ले लिया जो एंडर्स उसे दे रहा था, जबकि उसकी बंदूक अब भी उनकी ओर तनी हुई थी। लेकिन उसके हाथ काँप रहे थे, जब उसने एक हाथ से मुड़ा हुआ IOU खोलने की कोशिश की।

IOU? कौन-सा IOU? "यहाँ खोदो" – यह तो किसी IOU पर लिखा जाने वाला वाक्य नहीं होता! उसका दिमाग एक पल के लिए जैसे ठहर गया – और ठीक उसी क्षण बिल ज़ोर से छींक पड़ा।

उसी समय तीनों बच्चों ने खुद को फर्श पर गिरा दिया। बिल और एंडर्स आगे झपटे और बड़े भाई क्लॉज़ के पैरों को पकड़ लिया, जो चिल्लाता हुआ मुँह के बल गिर पड़ा। बंदूक उसके हाथ से छूट गई, और बिल ने एक ही झटके में उसे उठा लिया, इससे पहले कि उनका दुश्मन उसे फिर से पकड़ पाता।

इसी तरह मास्टर डिटेक्टिव बर्गसन ने एक हत्यारे को निहत्था कर दिया। वह ऐसा काम काफी बार और बहुत कुशलता से करता था। और फिर वह बंदूक अपराधी की ओर तानकर कहता – "अब शांत रहो, मेरे अच्छे आदमी!"

क्या उसने इस बार भी ऐसा ही किया? नहीं, बिल्कुल नहीं।

घबराहट में उसने उस डरावनी काली चीज़ को झपटकर उठाया और खिड़की से बाहर फेंक दिया, जिससे काँच चारों ओर बिखर गया। यही उसने किया। क्या यह एक मास्टर डिटेक्टिव के लिए समझदारी भरा कदम था? शायद बंदूक काम आ सकती थी। लेकिन सच यह था कि मास्टर डिटेक्टिव बिल बर्गसन को हर तरह के

आग्नेयास्त्रों से बहुत डर लगता था – सिवाय अपनी भरोसेमंद गुलेल के। और शायद उसने सही ही किया। एक काँपते हुए लड़के के हाथ में बंदूक किसी बेकाबू हत्यारे के खिलाफ बहुत कारगर नहीं होती। वह जल्दी ही फिर से उसके हाथ में आ सकती थी। इसलिए बेहतर था कि बंदूक दोनों की पहुँच से बाहर हो।

लेकिन बड़ा भाई क्लॉज़ खिड़की की ओर दौड़ा और अपने हथियार को गुस्से और घबराहट से देखता रह गया। यह उसकी एक बड़ी और गंभीर गलती थी, जिसका फायदा व्हाइट रोज़ के तीनों योद्धाओं ने तुरंत उठाया। वे वहाँ से भाग खड़े हुए... वे पूरी रफ्तार से दरवाज़े की ओर दौड़े – घर का वही एक दरवाज़ा जिसे सच में बंद किया जा सकता था, जैसा कि उन्होंने कड़वे अनुभव से सीखा था!

बड़ा भाई क्लॉज़ उनके बिल्कुल पीछे था। लेकिन वे आखिरी क्षण में बाहर निकलने में सफल हो गए, दरवाज़ा जोर से बंद किया, और अपने मजबूत पैरों से उसे थामे रखा ताकि बिल चाबी घुमा सके। अंदर से एक गरज सुनाई दी और दरवाज़े पर जोर-जोर से प्रहार होने लगे। पूरी सुरक्षा के लिए बिल ने चाबी निकाल ली – कहीं ऐसा न हो कि क्लॉज़ को बाहर से बंद दरवाज़ा खोलना भी आता हो।

वे अठारहवीं सदी की सुंदर सीढ़ियों से नीचे भागे, अभी भी डर से हाँफते और काँपते हुए। एक-दूसरे से सटे हुए वे मुख्य दरवाज़े से बाहर निकल गए – बिना सोचे-समझे, बस स्वाभाविक प्रवृत्ति से भागते हुए। केवल बिल ही हाँफते हुए बोला – “हमें रिवॉल्वर अपने हाथ में लेना होगा।”

लेकिन जैसे ही वे घर के कोने से मुड़े, खुली खिड़की से कुछ उड़ता हुआ आया और उनके ठीक सामने गिरा। बड़ा भाई क्लॉज़ कूद पड़ा था! यह पंद्रह फीट से भी ऊँची छलाँग थी, लेकिन वह इतना बेकाबू था कि खतरे के बारे में सोच भी नहीं पाया। इस बार वह बिना सोचे-समझे ही काम करेगा।

तीनों बच्चे उस क्षण में घर के कोने के पीछे हट गए, जब वह अपनी बंदूक उठाने के लिए रुका था। लेकिन ठहरो! एक ही पल में वह... तभी उसे एक आवाज़ सुनाई दी, जिसमें आँसू और खुशी दोनों मिले हुए थे। वह लड़की थी।

“पुलिस! वे आ रहे हैं! ओह, जल्दी करो, जल्दी! जल्दी! मिस्टर बर्क! जल्दी आइए!” उसने प्रेयरी की ओर देखा। हाँ, वे वहाँ थे – पुलिस – पूरी टोली!

अब बच्चों के साथ कुछ करने में बहुत देर हो चुकी थी। लेकिन शायद भागने में अभी देर न हुई हो। वह डर के मारे सिसक रहा था। हाँ, भाग जाओ! कार तक पहुँचो, उसमें कूदो, और पागलों की तरह दूर निकल जाओ – बहुत दूर, किसी दूसरे देश तक!

वह दौड़ता हुआ उस जगह पहुँचा जहाँ उसने कार खड़ी की थी, अपनी पूरी ताकत लगाते हुए। उधर पुलिस दौड़ती हुई आ रही थी – ठीक वैसे ही जैसे उसके बुरे सपनों में आता था। लेकिन वे उसे पकड़ नहीं पाएँगे! उसके पास अच्छी-खासी बढ़त थी, और जैसे ही वह अपनी कार में बैठ जाएगा, वे उसे पकड़ने की पूरी कोशिश करते रह जाएँगे। आह, वहाँ थी उसकी कार – उसकी प्यारी कार, उसकी मुक्ति! आखिरी कुछ गज दौड़ते हुए उसे अत्यधिक विजय का एहसास हुआ। वह बच जाएगा – जैसा कि वह हमेशा कहता आया था। उसने चाबी इग्निशन में डाली और इंजन स्टार्ट किया। जो भी उसे रोकने की कोशिश करते थे – सबको अलविदा, हमेशा के लिए अलविदा!

लेकिन उसकी कार – उसकी प्रिय कार, जो हमेशा इतनी तेज़ और सहज चलती थी –इस बार झटकों के साथ आगे बढ़ी। उसने दाँत भींचकर गाली दी और बाहर झुककर देखा कि मामला क्या है। चारों टायर पंक्चर थे!

उसके पीछा करने वाले धीरे-धीरे लेकिन लगातार करीब आते जा रहे थे। वे साफ तौर पर मानकर चल रहे थे कि वह हथियारबंद है, और झाड़ियों और चट्टानों के पीछे छिपते हुए, ज़िगज़ैग तरीके से उसकी ओर बढ़ रहे थे – हर पल और करीब।

वह कार से कूदकर बाहर आ गया।

वह उन पर गोली चला सकता था, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया। अब उसे पता था कि वे उसे वैसे भी पकड़ ही लेंगे।

पास ही कुछ घनी झाड़ियाँ थीं और एक छोटा-सा तालाब था, जो गर्मियों की सूखेपन के बावजूद कीचड़ भरे पानी से भरा हुआ था। उसे यह जगह अच्छी तरह याद

थी – कितनी बार वह यहाँ आया था!

वह दौड़ा और बंदूक को उस गंदले तालाब की गहराई में फेंक दिया। उन्हें यह हथियार नहीं मिलना चाहिए – ताकि वे उसे उसके खिलाफ सबूत के रूप में इस्तेमाल न कर सकें। फिर वह घुमाव लेकर वापस सड़क की ओर आया। वहाँ वह रुक गया और इंतज़ार करने लगा।

अब खेल खत्म हो चुका था।

वे आ सकते थे – और उसे पकड़ सकते थे।

अध्याय सोलह

इंस्पेक्टर अपनी कुर्सी पर आगे झुका और उस पीले पड़े नौजवान को घूरकर देखने लगा, जिसकी वजह से उसे इतनी जल्दी वापस आना पड़ा था।

"क्या यह बेहतर नहीं होगा कि तुम सब कुछ स्वीकार कर लो?" उसने नरमी से कहा। "हम जानते हैं कि ग्रीन को तुमने ही गोली मारी थी। हम यह भी जानते हैं कि तुमने ईवा-लॉट्टा लिसेंडर को वह चॉकलेट भेजी थी। क्या यह अच्छा नहीं होगा कि इन लंबी पूछताछों को खत्म

कर दिया जाए और साफ-साफ सब कुछ बता दिया जाए?"

लेकिन उस नौजवान ने फिर उसी घमंडी लहजे में जवाब दिया कि उसका ग्रीन की हत्या से कोई लेना-देना नहीं है – जिसे वह बिल्कुल नहीं जानता था – और उसने तो किसी ईवा-लॉट्टा लिसेंडर को कोई चॉकलेट भी नहीं भेजी।

और इंस्पेक्टर फिर सोचने लगा कि अगर उस आदमी का ज़मीर सच में साफ था, तो जब पुलिस प्रेयरी में उसकी ओर बढ़ रही थी, तब उसने भागने की कोशिश क्यों की!

नौजवान बार-बार सब कुछ समझाने से बहुत झुंझलाया हुआ था। वह इसलिए भागा था, क्योंकि बच्चों ने चिल्लाना शुरू कर दिया था, मानो उसने उन्हें सचमुच नुकसान पहुँचाया हो। दरअसल, जब वह उनके साथ खेलने की कोशिश कर रहा था, तब उन्होंने उसे पूरी तरह गलत समझ लिया था। यह मानना पड़ेगा कि उसका भागना बेवकूफी भरा था, लेकिन इंस्पेक्टर खुद समझ सकता था कि बच्चों के खिलाफ बुरी नीयत का आरोप लगना कितना नाज़ुक मामला होता है।

खैर, उसने जल्दी ही रुककर पुलिस का इंतज़ार किया था। शायद बच्चों के साथ व्यवहार करते समय उसने कुछ मूर्खता दिखाई थी – वह इससे इनकार नहीं करना चाहता था। उस छोटी लड़की ने उसे किसी कागज़, एक नक्शे के बारे में बताया था, जो उन्हें मिला था, और उसने उन्हें थोड़ा डराकर मज़ा लिया था – उनका दुश्मन बनकर, यह दिखावा करते हुए कि वह नक्शा चाहता है और खजाने की खोज में शामिल होना चाहता है। आखिर इंस्पेक्टर ने खुद नक्शा क्यों नहीं देखा और यह क्यों नहीं मान लिया कि वह सच बोल रहा है? यह सच था, जैसा बच्चों ने कहा था, कि उसने उन पर बंदूक तानी थी, लेकिन रिवॉल्वर में गोली नहीं भरी थी!

"और अब वह बंदूक कहाँ है?" इंस्पेक्टर जानना चाहता था।

खैर, वह नौजवान खुद भी यह जानना चाहता था – वह एक अच्छी बंदूक थी, उसे अपने पिता से विरासत में मिली थी। लेकिन उन लड़कों में से किसी एक ने उसे खिड़की से बाहर फेंक दिया था – यह सच में हास्यास्पद था कि वे उसे इतना गंभीरता से ले रहे थे – और तब से उसने उस हथियार को देखा ही नहीं था। शायद किसी बदमाश लड़के ने उसे उठा लिया होगा, शायद उसी ने जिसने उसके टायर भी काट दिए थे।

इंस्पेक्टर ने सिर हिलाया।

"नौजवान," उसने कहा, "तुम बड़ी चालाकी से झूठ बोल रहे हो। लेकिन तुम्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि ईवा-लॉट्टा लिसेंडर साफ-साफ कहती है कि तुम वही आदमी हो जिससे वह ग्रीन की हत्या के कुछ ही मिनट बाद प्रेयरी में मिली थी।"

नौजवान तिरस्कारपूर्ण ढंग से हँसा।

"बहुत ही अद्भुत," उसने कहा। "बहुत ही अद्भुत – उस हालत में कि वह मुझसे ऐसे बात कर रही थी जैसे हम पुराने दोस्त हों, और उसने मुझे उस नक्शे के बारे में बताया, अपने साथियों के बारे में बताया, और न जाने क्या-क्या। लगता है उसे हत्यारों से बातें करना बड़ा अच्छा लगता है।"

इंस्पेक्टर कुछ देर चुप रहा, फिर बोला, "तुम्हारी नौकरानी ने हमें बताया है कि

तुमने हाल ही में अपनी मूँछें मुंडवा दी हैं। ठीक-ठीक कहें तो हत्या के अगले दिन। इसके बारे में क्या कहोगे?"

नौजवान ने इंस्पेक्टर के साफ़-मुंडे चेहरे की ओर देखा।

"क्या आपने कभी, इंस्पेक्टर, मज़े के लिए थोड़ी मूँछें बढ़ाई हैं और फिर उनसे ऊबकर उन्हें साफ़ कर दिया है? अगर किसी बेचारे आदमी को एक दिन पहले गोली मार दी गई, तो इसमें मेरा क्या कसूर?"

"वास्तव में," इंस्पेक्टर ने कहा। "शायद मुझे तुम्हें यह भी बताना चाहिए कि हमने कल तुम्हारे घर की तलाशी ली थी। तुम्हारी अलमारी के पीछे एक हरे गबरडीन पैंट की जोड़ी टंगी हुई मिली। और शायद तुम्हें यह भी पता होगा कि पिछले दो हफ्तों से पुलिस उस आदमी को ढूँढ़ रही है जिसके पास हरी गबरडीन पैंट है?"

उसके सामने खड़ा नौजवान थोड़ा और पीला पड़ गया।

लेकिन उसने उसी घमंड के साथ जवाब दिया, "मैं आपको अपने ही परिचितों में कम से कम पाँच ऐसे लोग दिखा सकता हूँ जिनके पास हरी गबरडीन पैंट है। मैंने कभी नहीं सुना कि गबरडीन पैंट रखना कोई अपराध हो।"

एक बार फिर इंस्पेक्टर ने सिर हिलाया। "नौजवान," उसने कहा, "तुममें सचमुच हिम्मत है!" हाँ, उस नौजवान में हिम्मत तो थी। उसमें इतनी हिम्मत थी कि वह लगातार झूठ बोलता रहा और इंस्पेक्टर लगभग अपना धैर्य खो बैठा – जबकि वह असाधारण रूप से धैर्यवान व्यक्ति माना जाता था। बड़ा भाई क्लॉज़ सच में एक कठिन पहेली साबित हो रहा था – संयोग से उसका असली नाम भी क्लॉज़ ही था। ईवा-लॉट्टा ने उसे सही नाम दिया था।

मैनर में हुई नाटकीय घटनाओं के कारण "वॉर ऑफ़ द रोज़ेस" में कुछ देर हो गई थी। डर फिर से माताओं के दिलों में घर कर गया था, और बच्चों को फिर सख्ती से घर में रहने की हिदायत दी गई थी। और जो कुछ हुआ था, उसका उन सब पर इतना असर पड़ा था कि उनका मन किसी और काम में नहीं लग रहा था। वे सब बेकरी के

बगीचे में बैठे समय बिताते रहे – रेड रोज़ और व्हाइट रोज़ दोनों – और प्रेयरी में बीते उन डरावने पलों की हर बात पर चर्चा करते रहे।

वे बार-बार बिल की सूझबूझ की तारीफ करते रहे। क्योंकि यह सचमुच सूझबूझ ही थी, है ना, कि उसने "प्रकृति की पुकार" का बहाना किया? उसे पता था कि रेड्स आ रहे हैं – उसने और एंडर्स दोनों ने उन्हें झाड़ियों में छिपा देखा था – इसलिए वह उनके पास दौड़ गया और संक्षिप्त...

"संक्षिप्त निर्देशः 'हत्यारा मैनर में है। पुलिस को बुलाओ! और तुम में से कोई उसकी गाड़ी के टायर काट दे। वह सड़क के मोड़ पर खड़ी है!'"

जब बड़े भाई क्लॉज़ से पूछताछ छोटे-छोटे अंतराल के साथ एक और दिन तक चलती रही और इंस्पेक्टर का धैर्य बहुत कम होता जा रहा था, उसी समय एक बरसाती दोपहर बेन्का घर पर बैठा अपने डाक-टिकटों के संग्रह में लगा हुआ था। बेन्का खुद काफी शांत स्वभाव का और बहुत अधिक लड़ाकू नहीं था, लेकिन उसका एक वीर आदर्श था, एक ऐसा नायक जिसके पीछे वह हर हालत में चलता – और वह था सिक्स्टेन। सिक्स्टेन के उदाहरण ने बेन्का को रेड रोज़ का एक बहुत उपयोगी सिपाही बना दिया था। लेकिन इस बरसाती दोपहर बिना किसी अपराधबोध के घर के अंदर शांत कामों में लगे रहना ठीक था, और बेन्का अपने डाक-टिकटों में मग्न था।

वह उन्हें अपने कमजोर (निकट-दृष्टि वाले) आँखों से बड़े प्रेम से देख रहा था। उसके पास स्वीडन के टिकटों का लगभग पूरा संग्रह था, और वह अपने नए मिले टिकटों को अपने एल्बम में चिपकाने ही वाला था कि उसकी नज़र एक मुड़े-तुड़े लिफाफे पर पड़ी। ओह, हाँ, यही वह था जो उसे कुछ समय पहले लिसेंडर के घर के सामने सड़क पर मिला था। उस पर नया जारी किया गया डाक-टिकट लगा था, इसलिए बेन्का ने उसे नाली से उठा लिया था; उसने ऐसा टिकट पहले कभी नहीं देखा था।

अब उसने लिफाफे को सीधा किया – पहले उसने ऐसा नहीं किया था। उसने तो बस उसे उस डिब्बे में फेंक दिया था जिसमें वह ढीले टिकट रखता था। लि

फाफे पर टाइप किया हुआ था: "Miss Eva-Lotta Lissander"। हाल के दिनों में ईवा-लॉट्टा को निश्चित रूप से बहुत डाक मिली होगी। उसने लिफाफे के अंदर झाँका – खाली था, जैसा कि होना ही था! उसने एक बार फिर टिकट को देखा और यह देखकर खुश हुआ कि वह कितना सुंदर था। यह पता नहीं चल रहा था कि उस पर कहाँ मुहर लगी थी – सिर्फ "MC" अक्षर दिखाई दे रहे थे, जिसका मतलब था "mail coach" (डाक-गाड़ी)। लेकिन तारीख पढ़ी जा सकती थी।

अचानक उसके दिमाग में बिजली-सी कौंधी। कहीं यही वह लिफाफा तो नहीं, जिस पर इतना हंगामा हो रहा था? वही, जिसे पाने के लिए पुलिस इतनी कोशिश कर रही थी? ज़रा देखें – जिस दिन व्हाइट्स बगीचे की छतरी (आर्बर) में बैठे थे और सिक्स्टेन ने उसे उन्हें उकसाने भेजा था, क्या वही दिन नहीं था जब चॉकलेट आई थी? अरे हाँ, वही था! और उसी दिन उसे यह लिफाफा मिला था! वह कितना मूर्ख था कि उसने पहले इसे ध्यान से नहीं देखा!

उसे सिक्स्टेन के पास दौड़कर जाने में सिर्फ दो मिनट लगे, जो घर पर जॉनी के साथ शतरंज खेल रहा था। फिर उन्हें सिर्फ दो मिनट और लगे ईवा-लॉट्टा के पास पहुँचने में, जो एंडर्स और बिल के साथ बेकरी की अटारी में बैठी कॉमिक्स पढ़ रही थी और छत पर पड़ती बारिश की आवाज़ सुन रही थी। और फिर उन्हें पुलिस स्टेशन तक दौड़ने में भी सिर्फ दो मिनट लगे। लेकिन हाँफते हुए उस छोटे समूह को कॉन्स्टेबल बर्क और इंस्पेक्टर को यह समझाने में कम से कम दस मिनट लग गए कि वे क्यों आए थे।

इंस्पेक्टर ने लिफाफे को आवर्धक काँच से देखा।

टाइपराइटर का अक्षर "t" स्पष्ट रूप से थोड़ा खराब था; हर "t" पर एक छोटी-सी काँटी-सी निकली हुई थी।

"बच्चे कुत्तों जैसे होते हैं," इंस्पेक्टर ने बच्चों के जाने के बाद कहा। "हर जगह सूँघते फिरते हैं और बहुत-सा बेकार सामान ढूँढ़ निकालते हैं, लेकिन देखते ही देखते वे कुछ काम की चीज़ भी ले आते हैं।"

यह लिफाफा, उदाहरण के लिए, बेहद उपयोगी साबित हुआ। बड़े भाई क्लॉज़ के घर में वास्तव में एक टाइपराइटर था, और जब यह पाया गया कि उस मशीन का "t" अक्षर बिल्कुल उसी तरह खराब था जैसा इस लिफाफे पर था, तो इंस्पेक्टर ने समझ लिया कि अब गिरफ्तारी का समय आ गया है।

लेकिन अपराधी ने जिद और मूर्खता से सब कुछ स्वीकार करने से इनकार कर दिया। स्पष्ट था कि अब उसे परिस्थितिजन्य सबूतों के आधार पर ही गिरफ्तार करना पड़ेगा।

सिक्स्टेन ने एक नया नक्शा बनाया और उस पर लिखा – "यहाँ खोदो।" और एक धूप भरी दोपहर वह उसे लेकर आया और व्हाइट रोज़ के योद्धाओं को दे दिया, जो बेकरी के बगीचे में इकट्ठा हुए थे।

"यहाँ खोदो," एंडर्स ने कहा, जब सिक्स्टेन ने नक्शा उसके हाथ में थमाया। "तुम्हारे लिए कहना आसान है। लेकिन जब हम तुम्हारे पिता के लॉन में खोदाई शुरू करेंगे, तो वे क्या कहेंगे?"

"किसने कहा कि लॉन में?" सिक्स्टेन ने पूछा। "बस नक्शे के निर्देशों का पालन करो, और मैं गारंटी देता हूँ कि मेरे बूढ़े पिता तुम्हें परेशान नहीं करेंगे। इस बीच मैं, बेन्का और जॉनी तैरने जा रहे हैं।"

तो व्हाइट्स पोस्टमास्टर के बगीचे की ओर चल पड़े। उन्होंने दूरी नापी, कदम गिने और नक्शे से मिलान किया, और अंततः इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि डिब्बा एक पुराने, लगभग झाड़ियों से ढके स्ट्रॉबेरी के खेत में दबा होना चाहिए। और वे जोर-शोर से खोदने लगे। हर बार जब उनका फावड़ा किसी पत्थर से टकराता, तो वे खुशी से चिल्ला उठते, यह सोचकर कि डिब्बा मिल गया। लेकिन हर बार निराशा हाथ लगती, और वे इतनी मेहनत से खोदते रहे कि उनके पसीने छूट गए। अंततः, जब उन्होंने लगभग पूरे स्ट्रॉबेरी के खेत को खोद डाला, बिल अचानक बोला, "लो, आखिर मिल ही गया!"

उसने मिट्टी में हाथ डालकर वह मिट्टी से सना डिब्बा निकाल लिया, जिसे रेड्स ने

चालाकी से खेत के एक कोने में छिपा दिया था।

एंडर्स और ईवा-लॉट्टा दौड़कर आए और अपने फावड़े गिरा दिए। ईवा-लॉट्टा ने प्यार से उस कीमती संदूक से मिट्टी साफ की और एंडर्स ने वह चाबी निकाली जो वह अपनी गर्दन में पहनता था। डिब्बा कुछ अजीब तरह से हल्का लग रहा था। कहीं रेड्स ने नकली चाबी से खोलकर उनका कुछ खजाना तो नहीं निकाल लिया! उन्होंने जल्दी-जल्दी डिब्बा खोला। लेकिन उसमें न कोई गुप्त दस्तावेज़ थे और न कोई खजाना। उसमें सिर्फ एक कागज़ का टुकड़ा था, जिस पर सिक्स्टेन की खराब लिखावट में लिखा था। उस पर लिखा था: "थोड़ा और खोदो! पहले की तरह जारी रखो। तुम्हें बस कुछ हजार मील और खोदना है... "

"फिर तुम न्यूज़ीलैंड में निकलोगे। वहाँ तुम रुक सकते हो!"

व्हाइट्स ने निराशा भरी चीखें निकाल दीं। और झाड़ियों के पीछे से हँसी की खु-शदिल खिलखिलाहट सुनाई दी। सिक्स्टेन और उसके साथी सामने आ गए।

"तुम बदमाशों, तुमने हमारे दस्तावेज़ों का क्या किया?" एंडर्स चिल्लाया। सि-क्स्टेन ने अपनी जाँघों पर हाथ मारा और जोर से हँस पड़ा।

"अरे मूर्खों!" उसने कहा, हँसी के मारे लगभग घुटते हुए। "क्या तुम्हें लगता है कि हमें तुम्हारे बेवकूफ़ दस्तावेज़ों में कोई दिलचस्पी है? वे तो अभी भी तुम्हारी दराज़ में पड़े हैं, बाकी सारे कूड़े के बीच। लेकिन तुम लोगों को अपनी नाक के ठीक सामने की चीज़ भी दिखाई नहीं देती!"

"नहीं, लेकिन ये लोग खुदाई तो बहुत बढ़िया करते हैं," जॉनी ने संतोष से कहा।

"हाँ, इसमें ये काफी अच्छे हैं," सिक्स्टेन ने कहा। "पापा तो बहुत खुश होंगे जब उन्हें पता चलेगा कि अब उन्हें उस पुराने स्ट्रॉबेरी के खेत के बारे में मुझसे कुछ कहने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। इस गर्मी में खुद करने का मेरा मन ही नहीं था।"

"हाँ, बिल्कुल – तुम 'ग्रेट मम्बो' के लिए इतनी मेहनत से खुदाई कर रहे थे कि तुम्हारे हाथों में अब भी छाले पड़े हुए हैं," बिल ने सहानुभूति जताई।

"इसका बदला तुम्हें महँगा पड़ेगा, जनाब," एंडर्स ने कहा।

"हाँ, इस पर तुम अपनी जान की बाज़ी लगा सकते हो," ईवा-लॉट्टा ने कहा। उसने अपना मिट्टी लगा रूमाल झाड़ा और उसे वापस अपनी जेब में रख लिया।

उसकी जेब में नीचे कहीं और भी कुछ था – एक कागज़। उसने उसे निकाला और देखा। उसके ऊपर "IOU" लिखा था। ईवा-लॉट्टा हँस पड़ी।

"अरे वाह, यह क्या!" उसने कहा। "अरे, यह तो वही पुराना IOU है! यह तो पूरे समय मेरी अलमारी में ही पड़ा रहा, जबकि लोग प्रेयरी की झाड़ियों में इसे ढूँढ़ते फिर रहे थे। मैं हमेशा से कहती थी – इन IOU में कुछ-न-कुछ बड़ा मज़ेदार जरूर होता है।" उसने कागज़ को थोड़ा और ध्यान से देखा।

"क्लॉज़," उसने कहा। "हाँ, बिल्कुल सही। वैसे, उसकी लिखावट काफी साफ-सुथरी है।" फिर उसने कागज़ को एक छोटी-सी गेंद की तरह मरोड़ा और उसे लॉन के पार फेंक दिया, जहाँ गर्मियों की हवा ने उसे पकड़ लिया।

"खैर, अब तो वह गिरफ्तार हो चुका है," उसने कहा, "तो इससे क्या फर्क पड़ता है कि उसकी लिखावट कैसी है।"

बिल उस कीमती कागज़ के पीछे चिल्लाता हुआ दौड़ा। उसने ईवा-लॉट्टा की ओर नाराज़गी भरी नज़र से देखा।

"मैं तुम्हें एक बात बता दूँ, ईवा-लॉट्टा," उसने कहा। "अगर तुम ऐसे ही कागज़ इधर-उधर फेंकती रहीं, तो तुम्हारा अंत अच्छा नहीं होगा।"

अध्याय सत्रह

"लो-लो-नोन-गोग लो-ली-वोवे टोट-होहे रोर-ए-दोद रोर-ओ-सोस-ए," सि-क्स्टेन ने कुछ मेहनत से उच्चारण करते हुए कहा।

"जब तुम इसके बारे में सोचते हो, तो यह बहुत ही आसान भाषा है!"

"हाँ, अब यह कहना आसान है, जब तुम्हें इसका तरीका पता चल गया है," एंडर्स ने कहा।

"और इसके अलावा, तुम्हें इसे बहुत ज्यादा तेज़ बोलना सीखना होगा," बिल ने जोड़ा।

"हाँ, सिर्फ आज एक अक्षर और कल एक अक्षर नहीं," ईवा-लोट्टा ने कहा। "तुम्हें तो मशीनगन की तरह बोलना चाहिए।"

वे सब बेकरी के अटारी में बैठे थे – व्हाइट और रेड रोज़ के सभी सदस्य। रेड्स को अभी-अभी "रॉबर लैंग्वेज" (चोरों की भाषा) का पहला पाठ मिला था। आगे सोचने पर व्हाइट्स को लगा कि इस भाषा के रहस्य रेड्स को सिखाना उनका नागरिक कर्तव्य है। स्कूल में उनके शिक्षक हमेशा कहते थे कि भाषाएँ सीखने के फायदे का अंदाज़ा नहीं लगाया जा सकता – और सच में, वे बिल्कुल सही थे! आखिर एंडर्स, बिल और ईवा-लोट्टा उस हवेली में अपनी भयानक स्थिति से कैसे निकल पाते, अगर उन्हें इस भाषा का अच्छा ज्ञान न होता?

बिल कई दिनों से इस बारे में सोच रहा था, और अंततः उसने एंडर्स और ईवा-लोट्टा से कहा, "हम अपने ज़मीर पर यह बोझ नहीं ले सकते कि रेड्स को इतनी खतरनाक अज्ञानता में छोड़ दें। अगर वे कभी किसी हत्यारे के चक्कर में पड़ गए, तो

उनका तो काम तमाम हो जाएगा।"

इसलिए व्हाइट्स ने बेकरी की अटारी में भाषा की कक्षाएँ शुरू कर दीं। सिक्स्टेन के अंग्रेज़ी में बहुत कम अंक थे और उसे दिन-रात अंग्रेज़ी व्याकरण पढ़नी चाहिए थी, क्योंकि स्कूल के पहले ही दिन उसकी परीक्षा थी। लेकिन उसने अपने समय को "रॉबर लैंग्वेज" को देना ज्यादा महत्वपूर्ण समझा।

"लगभग हर हत्यारा अंग्रेज़ी बोल और समझ सकता है," उसने कहा, "लेकिन इस भाषा के बिना तुम बिल्कुल खो जाओगे।"

इसलिए वह, बेन्का और जॉनी घंटों तक बेकरी की अटारी में बैठकर पूरे उत्साह के साथ पढ़ाई में जुटे रहते थे।

यह भाषा की कक्षा ईवा-लॉट्टा के पिता ने बीच में रोक दी, जो हाथ में ताज़ा बने बन (रोटी) की ट्रे लेकर सीढ़ियाँ चढ़ते हुए आए। उन्होंने वह ईवा-लॉट्टा को देते हुए कहा, "मिस्टर बर्क का अभी फोन आया था। उन्होंने कहा कि ग्रेट मम्बो वापस आ गया है।"

"फोफ-ई-नोन-ए," ईवा-लॉट्टा ने उत्साह से कहा और एक बन उठा लिया। "चलो, पुलिस स्टेशन चलकर देखते हैं।"

"फोफ-ई-नोन-ए, हाँ, बिल्कुल," बेकर ने कहा। "लेकिन आगे से ग्रेट मम्बो के साथ ज़रा संभलकर रहना, ठीक है?"

व्हाइट और रेड रोज़ के सभी सदस्यों ने वादा किया कि वे ऐसा ही करेंगे – बि-ल्कुल! और बेकर गंभीरता से सिर हिलाकर नीचे चला गया।

"ओह, हाँ, वैसे तुम्हें यह जानकर दिलचस्पी होगी कि उस क्लॉज़ नाम के आदमी ने अब सब कुछ कबूल कर लिया है," वह जाते-जाते बोला।

हाँ, बड़े भाई क्लॉज़ ने कबूल कर लिया था! वह IOU के सबूत से इनकार नहीं कर सका। आख़िर वह घड़ी आ ही गई – वह घड़ी जिसका उसने इतने डर के साथ इंतज़ार किया था, जिसे उसने कई पीड़ादायक रातों में सोचा था। वह पल जब उसे अपने अपराध के लिए दोषी साबित होना था और सज़ा भुगतने के लिए तैयार होना था।

कई वर्षों से बड़े भाई क्लॉज़ को कभी मन की शांति नहीं मिली थी। उसकी लगातार पैसों की परेशानियाँ, जिसने उसे ग्रीन के साथ संदि सौदों में डाल दिया था, उसे एक बेचैन और परेशान इंसान बना चुकी थीं, जो एक पल के लिए भी चिंता से मुक्त नहीं रहता था। और जुलाई के अंत वाले उस भयावह बुधवार के बाद उसकी चिंता असहनीय स्तर तक बढ़ गई थी, जिसने उसे दिन-रात चैन से नहीं बैठने दिया।

अब वह कैसा महसूस कर रहा होगा, जब उसे अपने अपराध को खुले तौर पर स्वीकार करना पड़ा और आने वाले लंबे वर्षों तक उसकी सज़ा भुगतनी थी? अब तो उसकी पीड़ा असहनीय यातना जैसी रही होगी।

लेकिन अजीब बात यह थी कि बड़े भाई क्लॉज़ अब शांत और सुकून में था – इतने वर्षों में पहली बार। उसने कभी ऐसा सुकून महसूस नहीं किया था, जैसा अपने मन का बोझ हल्का करने के बाद हुआ। उसने अपनी हालत पर थोड़ा रोया, और इंस्पेक्टर के बड़े, मज़बूत हाथ को काँपते हुए पकड़ लिया, जैसे सहारा खोज रहा हो। लेकिन अब उसे कोई पीड़ा महसूस नहीं हो रही थी। और फिर वह गहरी, स्वप्नहीन नींद में सो गया, जिसने कुछ समय के लिए उसे अपने किए हुए बुरे काम को भुला दिया।

वह सो ही रहा था, जब व्हाइट और रेड रोज़ के सदस्य तेज़ी से पुलिस स्टेशन पहुँचे, ग्रेट मम्बो लेने के लिए। वह उनकी उत्साहित आवाज़ें नहीं सुन सका, जब वे कॉन्स्टेबल बर्क के कमरे में घुसकर अपना खजाना माँग रहे थे।

"ग्रेट मम्बो," कॉन्स्टेबल बर्क धीरे-धीरे कह रहा था, "ग्रेट मम्बो यहाँ नहीं है।"

वे सब उसे हैरानी से घूरने लगे। इसका क्या मतलब था? अभी थोड़ी देर पहले तो उसने खुद फोन करके कहा था कि वह वापस आ गया है!

मिस्टर बर्क ने उन्हें गंभीरता से देखा।

"उसे धरती से बहुत ऊपर ढूँढ़ो," उसने गंभीर आवाज़ में कहा। "आकाश के पक्षी तुम्हें रास्ता दिखाएँगे। उन कौवों से पूछो कि क्या उन्होंने उस आदरणीय ग्रेट मम्बो को देखा है।" रोज़ के उन युवा सदस्यों के चेहरों पर खुशी भरी मुस्कान फैल गई। और

जॉनी ने संतुष्ट हँसी के साथ कहा, “फोफ-ई-नोन-ए! लड़ाई जारी है!”

“लड़ाई जारी है,” बेन्का ने दृढ़ता से कहा।

ईवा-लॉट्टा ने मिस्टर बर्क की ओर प्रसन्नता से देखा, जो वहाँ अपनी वर्दी में बहुत स्मार्ट लग रहे थे, और उनका लड़कापन भरा चेहरा गंभीर झुर्रियों से भरा हुआ था।

“मिस्टर बर्क,” उसने कहा, “अगर आप इतने ज़्यादा बूढ़े न होते, तो आपको भी 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' में हमारे साथ शामिल होने की अनुमति मिल सकती थी।”

“हाँ, आप एक रेड रोज़ बन सकते थे,” सिक्स्टेन ने कहा।

“इतना भी नहीं!” एंडर्स ने कहा। “बिलकुल नहीं – आप तो एक व्हाइट रोज़ होते।”

“भगवान बचाए!” कॉन्स्टेबल बर्क ने कहा। “ऐसे खतरनाक कामों में मैं कभी पड़ना नहीं चाहूँगा। एक पुलिसवाले की शांत और सुरक्षित ज़िंदगी ही मेरे जैसे बूढ़े आदमी के लिए सबसे अच्छी है।”

मास्टर डिटेक्टिव बर्गसन ने अपना सीना फुला लिया।

“बकवास!” उसने कहा। “कभी-कभी खतरनाक तरीके से जीना भी ज़रूरी होता है।” कुछ घंटों बाद वह अपने पसंदीदा अंदाज़ में नाशपाती के पेड़ के नीचे लेटा हुआ था और खतरनाक तरीके से जीने के बारे में सोच रहा था। वह सोचता रहा और गर्मियों के बादलों को इतनी गहराई से देखता रहा कि उसे अपने उस काल्पनिक श्रोता का ध्यान ही नहीं रहा, जो चुपचाप उसके पास आकर बैठ गया था।

“मैंने सुना है कि मिस्टर बर्गसन ने फिर से एक हत्यारे को पकड़ लिया है,” उस काल्पनिक व्यक्ति ने खुशामदी आवाज़ में कहा।

यह सुनते ही बिल बर्गसन के अंदर अचानक गुस्सा उबल पड़ा।

“क्या सच?” उसने कहा और उस काल्पनिक व्यक्ति को गुस्से से घूरने लगा, जिसे वह दूर नहीं रख पा रहा था। “बकवास मत करो! मैंने किसी हत्यारे को गिरफ्तार नहीं किया है। वह काम पुलिस का है – क्योंकि वही उनका काम है। मैं अपनी ज़िंदगी में कभी किसी हत्यारे को पकड़ने का इरादा नहीं रखता। अब मैंने जासूसी का काम

छोड़ दिया है। इससे सिर्फ मुसीबत और परेशानी ही मिलती है।"

"लेकिन मैंने तो सोचा था कि मिस्टर बर्गसन को खतरनाक तरीके से जीना पसंद है," उस काल्पनिक श्रोता ने कहा, और सच कहें तो उसकी आवाज़ में हल्की-सी शिकायत थी।

"जैसे कि मैं वैसे ही खतरनाक तरीके से नहीं जी रहा!" मास्टर डिटेक्टिव ने कहा। "युवक, तुम्हें 'वॉर ऑफ़ द रोज़ेस' के बारे में पता होना चाहिए!"

तभी उसके विचारों की कड़ी एक कड़े हरे सेब से टूट गई, जो उसके सिर पर आकर लगा। एक मास्टर डिटेक्टिव की तीक्ष्ण बुद्धि से उसने तुरंत समझ लिया कि हरा सेब नाशपाती के पेड़ से नहीं गिर सकता, और उसने इधर-उधर देखा कि यह किस शरारती ने फेंका था। एंडर्स और ईवा-लॉट्टा बाड़ के पास खड़े थे।

"उठो, नींद के मारे!" एंडर्स चिल्लाया। "हम ग्रेट मम्बो की तलाश में जा रहे हैं।"

"और जानते हो हम क्या सोचते हैं?" ईवा-लॉट्टा ने कहा। "हमें लगता है कि मिस्टर बर्क ने उसे शहर के पार्क के ऊँचे टॉवर में छिपा दिया है। तुम्हें पता है वहाँ कितने कौवे (जैकडॉज़) हमेशा मंडराते रहते हैं।"

"फोफ-ई-नोन-ए!" बिल खुशी से चिल्लाया।

"अगर हमने उसे पहले ढूँढ़ लिया, तो रेड्स हमें मार डालेंगे," एंडर्स ने कहा।

"कोई बात नहीं," बिल ने कहा। "कभी-कभी खतरनाक तरीके से जीना ज़रूरी होता है।" बिल ने अपने उस काल्पनिक श्रोता की ओर अर्थपूर्ण नज़र से देखा – क्या अब उसे समझ में आ गया होगा कि बिना मास्टर डिटेक्टिव बने भी खतरनाक तरीके से जिया जा सकता है? उसने चुपके से उस अच्छे युवक को सावधानी से विदा किया, जो अब पहले से भी ज़्यादा प्रशंसा भरी नज़रों से उसे देख रहा था।

बिल के नंगे भूरे पैर बगीचे के रास्ते पर खुशी-खुशी चलते हुए एंडर्स और ईवा-लॉट्टा से मिलने दौड़ पड़े। और उसका वह काल्पनिक श्रोता उतनी ही शांति और अनजाने में गायब हो गया, जैसे वह गर्मियों की हवा के साथ उड़ गया हो।

अंत